खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 29 जून, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-7 । अंक-178

ईरान ने अमेरिका को चेताया कहा– खामेनेई के प्रति अच्छी भाषा का इस्तेमाल करें ट्रंप

तेहरान, 28 जून (एजेंसियां) ।

भले ही अमेरिका कितना ही शंहशाह बनने की कोशिश कर ले, लेकिन ईरान आईना दिखाने से पीछे नहीं हटता है। एक बार ईरान ने अमेरिका को चेताते हुए साफ कहा कि सर्वोच्च नेता खामेनेई के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अच्छी भाषा का उपयोग करें। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेताते हुए कहा कि अगर वे सच में कोई समझौता चाहते हैं, तो उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्ला खामेनेई के प्रति अपनी 'अस्वीकार्य' भाषा छोड़नी होगी। ट्रंप ने इससे पहले खामेनेई को खुली चुनौती दी थी और ईरान पर झूठ बोलने का आरोप लगाया था। वहीं, अमेरिका द्वारा ईरान के प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हाल ही में किए गए हमलों पर भी बड़ा खुलासा हुआ है। अमेरिका ने इस्फहान जैसे गहरे भूमिगत ठिकाने पर 'बंकर बस्टर' बम न गिराने का निर्णय इसलिए लिया क्योंकि वहां यह असरदार नहीं होते। इसके अलावा सैटेलाइट तस्वीरें भी इस बात की पुष्टि कर रही हैं कि फोर्दो परमाणु केंद्र में फिर से हलचल शुरू हो गई है। जिस जगह बम गिरे थे वहां जेसीबी मशीनें और मिट्टी ढोने वाले ट्रक हैं।

ट्रंप ने कहा मैनें खामेनेई की जान बख्श दी, ईरान पर फिर करुंगा बमबारी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि अगर ईरान ने यूरेनियम संवर्धन जारी रखा, तो वह दोबारा बम गिराने से पीछे नहीं हटेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने दो टूक कहा, 'बिना किसी सवाल के, मैं फिर से ईरान पर बम गिराऊंगा। यह बयान उस वक्त आया जब ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई ने अमेरिका को हराने का दावा किया था। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, 'यू गॉट बीट टू हेल', यानी 'तुम्हें बुरी तरह हराया गया था। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने आखिरी समय पर इजरायली फाइटर जेट्स को तेहरान पर हमला करने से रोका, वरना भयंकर तबाही होती।

इसी बीच रूस ने यूक्रेन के पोक्रोवस्क शहर के पास 1.10 लाख सैनिकों को तैनात कर दिया है। ये वही इलाका है जिसे पिछले एक साल से रूस अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहा है। यूक्रेन की सेना के अनुसार, यह फिलहाल सबसे 'गर्म मोर्चा' बन गया है।

न्यूज ब्रीफ

नागरिकता का मामला: अमेरिका में एक्शन रोकने की जजों की ताकत पर लगाम लगी

वॉशिंगटन। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद पर दोबारा आने के पहले दिन ही यह कार्यकारी आदेश जारी किया था। इसके अनुसार, अब अमेरिका में जन्म लेने वाले बच्चे को तभी नागरिकता मिलेगी, जब उसके माता-पिता में से कम से कम एक के पास अमेरिकी नागरिकता या वैध निवास (ग्रीन कार्ड) हो। ट्रंप के आदेश को 14वें संशोधन के खिलाफ बताया गया, जो कहता है कि 'संयुक्त राज्य अमेरिका में जन्म लेने वाले और इसके अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी व्यक्ति अमेरिका के नागरिक माने जाएंगे'। यह संशोधन 1868 में गृहयुद्ध के बाद लागू हुआ था और दासप्रथा खत्म करने के बाद नागरिकता सुनिश्चित करने के लिए लाया गया था। 22 राज्यों के डेमोक्रेटिक अटॉर्नी जनरल्स, प्रवासी अधिकार कार्यकर्ता और कई गर्भवती अप्रवासी महिलाओं ने ट्रंप के आदेश को अदालत में चुनौती दी थी। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अभी इस आदेश की संवैधानिकता पर कोई अंतिम फैसला नहीं दिया है, लेकिन कोर्ट ने ट्रंप के समर्थन में यह जरूर कहा कि निचली अदालतें नेशनवाइड इंजंक्शन जारी करने के अधिकार से आगे जा रही हैं। इस फैसले से अमेरिका की न्यायिक प्रणाली में एक बड़ा मोड़ आया है। यह साफ संदेश है कि निचली अदालतें अब पूरे देश पर लागू आदेश नहीं दे सकतीं, खासकर जब मामला कार्यपालिका की नीति से जुड़ा हो। ट्रंप के इमिग्रेशन, बजट में कटौती, और एजेंसियों पर नियंत्रण जैसे कई फैसलों को निचली अदालतों ने रोक दिया था। लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि निचली अदालतों की शक्तियों की एक सीमा है। जस्टिस एमी कोनी बैरेट, जिन्हें ट्रंप ने सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया था, उन्होंने बहुमत वाले फैसले में लिखा, 'संघीय अदालतों को कार्यपालिका की निगरानी का सामान्य अधिकार नहीं दिया गया है। उन्हें केवल वही अधिकार प्राप्त हैं जो कांग्रेस ने सौंपे हैं।

नेतन्याहू का दावा बोले- हमने गाजा में कोई अमानवीय कार्य नहीं किया

तेल अवीव। इजरायल की मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आईडीएफ ने गाजा में न सिर्फ घृणित रक्त-अपराध किए बल्कि मानवीय सहायता के इंतजार में खड़े लोगों पर गोली चलाने का आदेश दिया। रिपोर्ट को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि आईडीएफ के सैनिकों को निर्दोष लोगों को नुकसान न पहुंचाने के स्पष्ट आदेश दिए गए हैं और वे इसका पालन करते हैं। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा कि आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेज) ने गाजा में निहत्थे और मानवीय सहायता का इंतजार कर रहे लोगों पर गोली नहीं चलाई। दोनों नेताओं ने संयुक्त बयान में कहा कि यह दुर्भावनापूर्ण झूठ है जो विश्व की सबसे नैतिक सेना आईडीएफ को बदनाम करने के लिए गढ़ा गया है। आईडीएफ आतंकवादी दुश्मनों के खिलाफ कठिन परिस्थितियों में काम करता है। इजरायल सभी स्वतंत्र और लोकतांत्रिक देशों से आह्वान करता है कि वह हमास आतंकवादी संगठन के खिलाफ न्यायपूर्ण और नैतिक लड़ाई में उसके साथ खड़े हों। ईरान और इजरायल के बीच हाल ही में एक भीषण युद्ध समाप्त हुआ है।

ये भी चमत्कार है: दुनिया का सबसे सूखा रेगिस्तान 10 साल बाद बना बर्फीला स्वर्ग

चिली। दुनिया का सबसे सूखा, सबसे वीरान और चंद्रमा-जैसा दिखने वाला अटाकामा रेगिस्तान जब बर्फ की चादर से ढका मिला तो हर किसी की आंखें फटी की फटी रह गईं। उत्तरी चिली के इस सूखे रेगिस्तान में ऐसा नजारा एक दशक बाद देखने को मिला है, जिसे देखकर वहां के लोग ही नहीं पूरी दुनिया हैरान है। सैंटियागो यूनिवर्सिटी के जलवायु वैज्ञानिक राउल कोर्डेरो ने बताया कि अभी ये कहना जल्दबाज़ी होगी कि ये बर्फबारी क्लाइमेट चेंज से जुड़ी है। लेकिन यह जरूर है कि भविष्य में अटाकामा जैसी सूखी जगहों पर बारिश और बर्फबारी की घटनाएं ज्यादा देखने को मिल सकती हैं। अटाकामा रेगिस्तान को दुनिया के सबसे साफ और अंधेरे आसमान वाला इलाका माना जाता है। यहां वैज्ञानिक दूरबीनें लगाकर अंतरिक्ष की गहराइयों में झांकते हैं। लेकिन इस बार अंतरिक्ष की नहीं बल्कि जमीन पर गिरी बर्फ की चर्चा हो रही है। 9500 फीट की ऊंचाई पर स्थित दुनिया की सबसे ताकतवर रेडियो टेलीस्कोप साइट एएलएमए ने सोशल मीडिया पर बर्फ से ढके अटाकामा की तस्वीरें और वीडियो शेयर किए और लिखा, अविश्वसनीय! दुनिया का सबसे सूखा रेगिस्तान अब बर्फ से ढका हुआ है।

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला, 13 जवानों की मौत 10 गंभीर रूप से घायल, 19 नागरिकों को भी आई चोट

इस्लामाबाद ,28 जून (एजेंसियां) । पाकिस्तान के उत्तर पश्चिमी हिस्से में आज एक भीषण आत्मघाती हमला हुआ, जिसमें 13 सैनिकों की जान चली गई और 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हमले में 19 आम नागरिक भी घायल हुए हैं।

यह घटना खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान जिले में हुई। स्थानीय सरकारी अधिकारियों के अनुसार, एक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटकों से लदे एक वाहन को सेना के काफिले में टक्कर मार दी। धमाका इतना जोरदार था कि मौके पर ही 13 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 10 सैन्यकर्मी और 19 नागरिक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, विस्फोट के कारण दो घरों की छतें भी गिर गईं, जिससे छह मासूम बच्चे घायल हो गए।हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। लेकिन यह क्षेत्र पाकिस्तान के सबसे संवेदनशील इलाकों में से एक माना जाता है, जहां अक्सर तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) जैसे आतंकी संगठन सक्रिय रहते हैं और हमलों को अंजाम देते हैं।

पाकिस्तान में हाल के दिनों में आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है, खासकर खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांतों में। ऐसे में, इस नवीनतम घटना ने पाकिस्तान की सुरक्षा चिंताओं को और बढ़ा दिया है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इसी साल मार्च में पाकिस्तानी सेना ने दक्षिणी वजीरिस्तान के जंडोला चेकपोस्ट के पास फ्रंटियर कोर के शिविर पर हुए एक आत्मघाती हमले के बाद जवाबी कार्रवाई में टीटीपी से जुड़े 10 संदिग्ध आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया।

चीन में नेवी चीफ और टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट पर गिरी जिनपिंग की गाज

बीजिंग,28 जून (एजेंसियां) ।

चीन में शुक्रवार को नेवी चीफ और एक टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट को एनपीसी से निकाल बाहर कर दिया गया। हांगकांग की मीडिया के अनुसार, चीनी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ वाइस एडमिरल ली हानजुन और देश के राष्ट्रीय परमाणु निगम के उप मुख्य अभियंता लियू शिपेंग को एनपीसी से निकाल दिया गया है।

खबर के मुताबिक, ली सेना के उन जनरल और रक्षा उद्योग के कुछ अधिकारियों में शामिल हैं, जिनके खिलाफ हाल में कार्रवाई की गई है। इसमें कहा गया है कि ली और लियू की एनपीसी सदस्यता समाप्त कर दी गई है। एनपीसी की स्थायी समिति ने शुक्रवार को अपने सत्र के समापन के दौरान शीर्ष जनरल मियाओ हुआ को केंद्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के सदस्य के पद से हटाने के लिए भी मतदान किया। चीन में शी जिनपिंग के एक फरमान ने पूरे देश में खलबली मचा है। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) में खौफ का माहौल है कि कहीं कोई ऐसा ऑर्डर ना आ जाए, जिससे उन्हें अपनी कुर्सी गंवानी पड़े। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि चीनी के राष्ट्रपति जिनपिंग क बड़ा कदम उठाते ना सिर्फ पीएलए के एक बड़े ऑफिसर को , बल्कि टॉप न्यूक्लियर साइंटिस्ट को भी नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। केंद्रीय सैन्य आयोग चीनी सेना का सर्वोच्च कमान है, जिसका नेतृत्व राष्ट्रपति शी जिनपिंग करते हैं। चीनी सेना में पदों के क्रम में सबसे युवा जनरल मियाओ पिछले साल नवंबर से अनुशासन के गंभीर उल्लंघन के लिए जांच के घेरे में हैं। उन्हें इस साल अप्रैल में एनपीसी से निष्कासित कर दिया गया था। चीन की तरफ से यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है, जबकि वह अपनी सेनाको मजबूत करने में लगा है।

इजरायली गोलाबारी में 40 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा शहर में एक इजरायली हवाई हमले के स्थल के पास फिलिस्तीनी। फिलिस्तीनी सूत्रों ने बताया कि शुक्रवार को गाजा पट्टी में इजरायली गोलीबारी और गोलाबारी में 40 फिलिस्तीनी मारे गए।

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी करेंगी सक्रिय राजनीति में लौटने की घोषणा

काठमांडू, 28 जून (एजेंसियां) ।

नेपाल की पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी शनिवार को सक्रिय राजनीति में वापसी की घोषणा करने जा रही हैं। इसके लिए काठमांडू में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है और देशभर से उनके समर्थकों को काठमांडू बुलाया गया है।

विद्या भंडारी प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) यानी नेकपा एमाले की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। अब दोबारा वह इसी पार्टी से अपनी सक्रिय राजनीति में वापसी करने जा रही हैं। इसके लिए काठमांडू के राष्ट्रीय सभागृह में एक बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें अब पार्टी का नेतृत्व ही विद्या भंडारी को सौंपने संबंधी बड़े-बड़े होर्डिंग्स लगाए गए हैं। विद्या भंडारी के दिवंगत पति मदन भंडारी, जो कि नेकपा एमाले के संस्थापक नेताओं में से एक थे और वर्षों तक इस पार्टी का नेतृत्व भी किया था, उनका जन्म दिवस है और इसी अवसर पर विद्या अपनी राजनीति की दूसरी पारी की शुरुआत करने जा रही हैं।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रमुख अतिथि बनाया गया है और उन्हीं के सामने विद्या भंडारी के दोबारा राजनीति में आने की औपचारिक घोषणा की जाएगी। हालांकि प्रधानमंत्री ओली कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में पूर्व राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को दोबारा सक्रिय राजनीति में आने के विरोध में अपनी दलील देते रहे हैं। जिस तरह का पोस्टर और बैनर कार्यक्रम स्थल के चारों ओर लगा हुआ है उसको देखते हुए प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम में सहभागी नहीं होने की भी उतनी ही संभावना है। विद्या पक्षधर नेता और नेकपा एमाले के उपाध्यक्ष रहे सुरेन्द्र पांडे का कहना है कि मदन भंडारी की स्मृति में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को अवश्य आना चाहिए और विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीति की घोषणा का उनको भी स्वागत करना चाहिए।

बजट सत्र में एक दिन भी भाषण नहीं दे पाए प्रधानमंत्री को बोलने देने के लिए विपक्षी दलों को मनाने का प्रयास जारी

काठमांडू, 28 जून (एजेंसियां) ।

नेपाल के संसद में बजट सत्र अपने आखिरी दिनों में पहुंच गया है लेकिन इस पूरे सत्र के दौरान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली एक दिन भी संसद में नहीं बोल पाए। प्रधानमंत्री ओली को एक हफ्ते के लिए विदेश रवाना होना है इसलिए सार्वजनिक अवकाश होने के बाद भी सदन बुलाया गया है। स्पीकर देवराज घिमिरे ने सदन में प्रधानमंत्री के बोलते समय विपक्षी दलों द्वारा हंगामा ना हो ।

उसके लिए शनिवार की सुबह ही सभी दलों के प्रमुख सचेतकों की बैठक बुलाई। इस बैठक में स्पीकर घिमिरे ने सभी विपक्षी दलों से आग्रह किया है कि वो प्रधानमंत्री के भाषण के समय सदन के भीतर विरोध प्रदर्शन या नाराबाजी न करें और पीएम को सदन में मर्यादित तरीके से बोलने दें।

हालांकि विपक्षी दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतकों ने स्पीकर को उनकी तरफ से विरोध जारी रहने की जानकारी दे दी है। प्रमुख विपक्षी दल माओवादी के पहले ही सरकार को समर्थन देने के बाद अब दो ही विपक्षी पार्टियां सरकार के विरोध में रह गई है।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक संतोष परियार ने कहा कि चूंकि सरकार की तरफ से उनकी बातों को नहीं सुना जा रहा है और सदन के भीतर भी स्पीकर का रवैया हमारे प्रति भेदभाव का रहा है इसलिए प्रधानमंत्री के भाषण के समय हमारा विरोध भी जारी रहेगा।

राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के प्रमुख सचेतक ज्ञानेन्द्र शाही ने भी कहा कि उनकी पार्टी लगातार सदन की कार्रवाई का बहिष्कार करती आ रही है और भी यह बहिष्कार जारी रहेगा। शाही ने बताया कि प्रधानमंत्री की तरफ से कोई भी नई बात नहीं कही जाने वाली है इसलिए उनके बोलने या नहीं बोलने से देश की अवस्था पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है।

प्रधानमंत्री ओली ही एक सप्ताह के भ्रमण पर स्पेन जा रहे हैं। उससे पहले वो संसद के बजट सत्र को संबोधित करना चाहते हैं ताकि बजट सत्र में उनका कम से कम एक बार संबोधन हो जाए। उनके लौटने तक बजट सदन से पारित हो गया तो बजट सत्र अंत करने की घोषणा हो सकती है।

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 29 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-178

संविधान की प्रस्तावना में बदलाव पर बरसे उपराष्ट्रपति धनखड़, कहा

प्रस्तावना पवित्र, आपातकाल के दौरान जोड़े गए शब्द 'नासूर' हैं

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि संविधान की प्रस्तावना परिवर्तनशील नहीं है, लेकिन भारत में आपातकाल के दौरान इसे बदल दिया गया जो संविधान निर्माताओं की बुद्धिमत्ता के साथ विश्वासघात का संकेत है।

उन्होंने कहा कि 1976 में आपातकाल के दौरान प्रस्तावना में जो शब्द जोड़े गए, वे नासूर थे और उथल-पुथल पैदा कर सकते हैं।

उपराष्ट्रपति ने यहां एक पुस्तक विमोचन समारोह में कहा, यह हजारों वर्षों से इस देश की सभ्यतागत संपदा और ज्ञान को कमतर आंकने के अलावा और कुछ नहीं है। यह सनातन की भावना का अपमान है।

धनखड़ ने प्रस्तावना को एक बीज बताया

जिस पर संविधान विकसित होता है। उन्होंने कहा कि भारत के अलावा किसी दूसरे देश में संविधान की प्रस्तावना में बदलाव नहीं किया गया।धनखड़ ने कहा, इस प्रस्तावना में 1976 के 42वें संविधान (संशोधन) अधिनियम के जरिये बदलाव किया गया था। संशोधन के माध्यम से इसमें 'समाजवादी', 'धर्मनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े गए थे।

उन्होंने कहा कि यह न्याय का उपहास है कि जिस चीज को बदला नहीं जा सकता, उसे आसान ढंग से, हास्यास्पद तरीके से और बिना किसी औचित्य के बदल दिया गया और वह भी आपातकाल के दौरान जब कई विपक्षी नेता जेल में थे।

धनखड़ ने आगाह करते हुए कहा, और इस प्रक्रिया में, यदि आप गहराई से सोचें, तो पाएंगे कि हम अस्तित्वगत चुनौतियों को पंख दे रहे हैं। इन शब्दों को 'नासूर' (घाव) की तरह जोड़ दिया गया है। ये शब्द उथल-पुथल पैदा करेंगे।उन्होंने कहा कि हमें इस पर विचार करना चाहिए।उपराष्ट्रपति ने कहा कि बी. आर. आंबेडकर ने संविधान पर कड़ी मेहनत की थी और उन्होंने निश्चित रूप से इस पर ध्यान केंद्रित किया होगा।

धनखड़ ने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने बृहस्पतिवार को संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान किया था। आरए-सएस ने कहा था कि इन शब्दों को आपातकाल के दौरान शामिल किया गया था और ये कभी भी आंबेडकर द्वारा तैयार संविधान का हिस्सा नहीं थे।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने आरए-सएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले के इस आह्वान की आलोचना की है कि इस मुद्दे पर राष्ट्रीय ▶10 पर

हिमंत बिस्व सरमा ने की संविधान की प्रस्तावना से धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को हटाने की मांग

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को द इमरजेंसी डायरीज नामक पुस्तक का विमोचन किया। सरमा ने कहा कि आपातकाल की विरासत को हटाने का यह सही समय है, जिसमें संविधान में जोड़े गए धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये शब्द मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे और इन्हें हटा दिया जाना चाहिए, क्योंकि धर्मनिरपेक्षता सर्व धर्म समभाव के भारतीय विचार के खिलाफ है और समाजवाद कभी भी भारत की मूल आर्थिक दृष्टि का हिस्सा नहीं था। पत्रकारों से बात करते हुए हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि आज हमने ▶10 पर

जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह में मोदी बोले

भारत के विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि हजारों वर्षों से अमर है

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को दुनिया की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता बताते हुए कहा है कि यह देश हजारों वर्षों से अमर है क्योंकि इसके विचार, दार्शनिक सोच और विश्वदृष्टि शाश्वत हैं।

श्री मोदी ने शनिवार को यहां जाने-माने जैन संत आचार्य विद्यानंद महाराज के शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा, हमारा भारत विश्व की सबसे प्राचीन जीवंत सभ्यता है। हम हजारों वर्षों से अमर हैं, क्योंकि हमारे विचार अमर हैं, हमारा चिंतन अमर है, हमारा दर्शन अमर है। और इस दर्शन के स्रोत हैं- हमारे ऋषि, मुनि, महर्षि, संत और आचार्य! आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज भारत की इसी पुरातन परंपरा के आधुनिक प्रकाश स्तम्भ रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज राष्ट्र अपनी आध्यात्मिक परंपरा में एक महत्वपूर्ण अवसर देख रहा है। उन्होंने कहा कि आज का दिन एक अन्य कारण से भी विशेष महत्व रखता है क्योंकि 28 जून 1987 को श्री विद्यानंद मुनिराज को औपचारिक रूप से 'आचार्य' की उपाधि प्रदान की गई थी। उन्होंने कहा कि यह महज एक उपाधि नहीं बल्कि एक पवित्र धारा की शुरुआत थी जिसने जैन परंपरा को विचार, अनुशासन और करुणा से जोड़ा है। श्री मोदी ने आचार्य को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि यह शताब्दी समारोह कोई साधारण आयोजन नहीं है, यह एक युग और एक महान तपस्वी के जीवन की याद दिलाता है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक अवसर

को मनाने के लिए विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए गए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उन्हें 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि प्रदान की गई है और वह इसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार कर मां भारती के चरणों में समर्पित कर रहे हैं। उन्होंने कहा , मैं विशेष रूप से आचार्य श्री प्रज्ञ सागर जी का अभिनंदन करता हूँ, उन्हें प्रणाम करता हूँ। आपके मार्गदर्शन में आज करोड़ों अनुयायी पूज्य गुरुदेव के बताए रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। आज इस अवसर पर आपने मुझे 'धर्म चक्रवर्ती' की उपाधि देने का जो निर्णय लिया है, मैं खुद को इसके योग्य नहीं समझता, लेकिन हमारा संस्कार है कि हमें संतों से जो कुछ मिलता है, उसे प्रसाद समझकर स्वीकार किया जाता हैं। और इसीलिए, मैं आपके इस प्रसाद को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूँ, और माँ भारती के चरणों में समर्पित करता हूँ। ▶10 पर

पीएम मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मौजूद ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से बातचीत की। पीएम मोदी ने कहा,इस समय सिर्फ़ हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं। मेरी आवाज़ में सभी भारतीयों का उत्साह और उमंग है। मैं आपको अंतरिक्ष में हमारा झंडा फहराने के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। क्या वहां सब ठीक है? क्या आप ठीक हैं?। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला कहते हैं,..थोड़ी देर पहले, जब मैं खिड़की से बाहर देख रहा था, तो हम हवाई के ऊपर उड़ रहे थे। हम कक्षा से दिन में 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखते हैं...हमारा देश बहुत तेज़ गति से आगे बढ़ रहा है । ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि आपकी शुभकामनाओं और 140 करोड़ ▶10 पर

डॉ. अंबेडकर की विचारधारा के खिलाफ थी धारा-370 सीजेआई गवई बोले-

एक देश-एक संविधान जरूरी

नागपुर, 28 जून (एजेंसियां)।

देश के चीफ जस्टिस बीआर गवई ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का ख्वाब था कि देश के लिए एक ही संविधान हो, जिससे भारत एकजुट बना रहे, उन्होंने कभी भी किसी राज्य के लिए अलग संविधान की हिमायत नहीं की। नागपुर में संविधान की प्रस्तावना पार्क के उद्घाटन के मौके पर बोलते हुए बीआर गवई ने यह बात कही। इस दौरान उन्होंने धारा 370 से जुड़े फैसले का भी जिक्र किया।

चीफ जस्टिस ने कहा,'जब धारा-370 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी तब बेंच ने अंबेडकर के विचारों से ही प्रेरणा ली थी और एकमत से केंद्र सरकार के जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा ▶10 पर

बिहार नगरपालिका चुनाव में मोबाइल से वोटिंग

देश में पहली बार आजमाया जा रहा यह तरीका

पटना, 28 जून (एजेंसियां)।

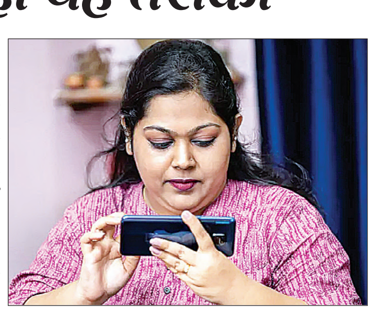

बिहार देश का ऐसा पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां मोबाइल के ज़रिए ऑनलाइन वोटिंग होगी। यह ई-वोटिंग 28 जून को बिहार के नगरपालिका चुनाव से शुरू होगी।

इस प्रणाली के लिए 51,155 मतदाताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें 26,038 पुरुष और 25,117 महिला मतदाता शामिल हैं। पटना, पूर्वी चंपारण, रोहतास, गया, बक्सर, बांका, सारण और सिवान की नगरपालिकाओं में होने वाले इन चुनावों में सबसे ज़्यादा रजिस्ट्रेशन बक्सर से हुआ है। इस ई-वोटिंग का प्रयोग बिहार राज्य निर्वाचन आयोग कर रहा है। आयोग स्थानीय निकायों यानी नगर निकाय चुनाव कराने के लिए ज़िम्मेदार होता है।

आसान शब्दों में, जब कोई मतदाता मोबाइल के ज़रिए कहीं से भी वोटिंग प्रक्रिया में हिस्सा ले, तो उसे ई-वोटिंग कहते हैं।

बिहार राज्य के निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने बीबीसी को बताया, देश में पहली बार बिहार राज्य में ऐसा होने जा रहा है। दुनिया के कुछ ही देशों में ऐसा होता है, जिनमें एस्टोनिया एक उदाहरण है। हमने 10 जून से 22 जून तक एक विशेष अभियान चलाया था। रिटर्निंग ऑफ़िसर की टीमों ने लोगों को ई-वोटिंग के लिए जागरूक किया। हेल्प डेस्क, रैली और पोस्टरों के ज़रिए प्रचार किया गया। इसके नतीजे उत्साहजनक हैं।

इन चुनावों में मुख्य पार्षद, उप मुख्य पार्षद और वार्ड पार्षद के लिए कुल 570 उम्मीदवार मैदान में हैं। यह सुविधा उन मतदाताओं के लिए है जो वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग, गंभीर बीमारी से पीड़ित, गर्भवती महिला या प्रवासी मज़दूर हैं। पारंपरिक वोटिंग सुबह 7 से शाम 5 बजे तक चलेगी, ▶10 पर

मोड़ पर फँसा बलभद्र का रथ

भगदड़ मचने से 500 श्रद्धालु घायल 8 की हालत गंभीर

पुरी, 28 जून (एजेंसियां)।

ओड़ीशा के पुरी में भगवान जगन्नाथ की शुक्रवार को रथयात्रा थी। रथ यात्रा के दौरान बहुत भीड़ जमा हो गई। भीड़ ज़्यादा होने से 500 से ज़्यादा लोग घायल हो गए।

भगवान बलभद्र का रथ खींचते समय बहुत लोग एक साथ एक ही जगह जमा हो गए। रथ रास्ते में एक मोड़ पर अटक गया था, जिससे लोग वहीं इकट्ठा होते गए।

इससे भीड़ और बढ़ गई।सुरक्षा अधिकारियों ने बताया कि लोग उन जगहों पर भी चले गए जहाँ जाने की मनाही थी। इससे रास्ते में रुकावट आ गई। भीषण गर्मी और ज़्यादा भीड़ के कारण कई श्रद्धालुओं की तबियत बिगड़ने लगी। उन्हें तुरंत पुरी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। लगभग 8 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। ओड़ीशा के मंत्री मुकेश महालिंग ने कहा कि ज़्यादा नमी के कारण लोग बेहोश हुए।

पराग जैन को रॉ का नया प्रमुख नियुक्त किया गया, रवि सिन्हा की जगह लेंगे

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

भारत की बाहरी खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (आरएडब्ल्यू) को 1 जुलाई 2025 से एक नया 'सुपर जासूस' मिलने जा रहा है। मोदी सरकार ने शनिवार (28 जून 2025) को पंजाब कैडर के 1989 बैच के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी पराग जैन को आरएडब्ल्यू का नया प्रमुख नियुक्त किया। वे मौजूदा प्रमुख रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म हो रहा है। पराग जैन का नाम खुफिया हलकों में 'सुपर जासूस' के तौर पर गूँजता है। चाहे वह 'ऑपरेशन सिंदूर' में आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद करना हो, जम्मू-कश्मीर में जमीनी स्तर पर खुफिया नेटवर्क बनाना हो या फिर कनाडा और श्रीलंका में भारत-विरोधी साजिशों को नाकाम करना हो। आईपीएस पराग जैन ने हर मोर्चे पर अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया है। वो हमेशा पर्दे के पीछे रहकर भारत की सुरक्षा की ढाल बने रहे हैं। आज जब भारत को पाकिस्तान, चीन, खालिस्तानी नेटवर्क और साइबर हमलों जैसे कई बाहरी खतरों का सामना करना पड़ रहा है। तब पराग जैन की नियुक्ति एक मजबूत संदेश देती है - भारत अब अपनी खुफिया रणनीति को और सशक्त करने जा रहा है।

पराग जैन कोई साधारण पुलिस अधिकारी नहीं हैं। 1989 बैच के पंजाब कैडर के इस आईपीएस अधिकारी ने अपने करियर की शुरुआत तब की, जब पंजाब आतंकवाद के आग में जल रहा था। भटिंडा, मानसा और होशियारपुर जैसे संवेदनशील जिलों में उन्होंने आतंकवादियों के खिलाफ मोर्चा संभाला। उस दौर में जैन ने जमीनी स्तर पर खतरनाक ऑपरेशनों को अंजाम दिया। बाद में वे चंडीगढ़ के एसएसपी और लुधियाना के डीआईजी बने, जहाँ उन्होंने आतंकवाद-विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाई।

लेकिन पराग जैन की असली ताकत तब सामने आई, जब वे रॉ से जुड़े। वर्तमान में वे रॉ के विशेष निदेशक हैं और एविएशन रिसर्च सेंटर (एआरसी) का नेतृत्व कर रहे हैं। एआरसी वो इकाई है, जो हवाई निगरानी और तकनीकी खुफिया जानकारी जुटाने में माहिर है। जैन ने इसे और मजबूत किया। उनकी खासियत है कि वे इंसानों से मिली खुफिया जानकारी और तकनीकी जानकारी को मिलाकर ऐसी रणनीति बनाते हैं, जो दुश्मनों के लिए पहेली बन जाती है।

उनका करियर सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रहा। कनाडा और श्रीलंका में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने खालिस्तानी नेटवर्क और भारत-विरोधी साजिशों पर गहरी नजर रखी। 1 जनवरी 2021 को उन्हें पंजाब में पुलिस महानिदेशक का प्रमोशन मिला, लेकिन तब वे केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर थे, इसलिए सिर्फ नाममात्र का लाभ मिला। फिर भी उन्हें केंद्रीय महानिदेशक के समकक्ष पद पर रखा गया, जो उनकी साख को दर्शाता है।

जैन चुपचाप काम करते हैं, लेकिन उनके काम का असर इतना बड़ा होता है कि दुश्मन के होश उड़ जाते हैं। ▶10 पर

महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे की बढ़ी मुश्किलें!

मुंबई की अदालत ने जारी किया गैर-जमानती वारंट

मुंबई, 28 जून (एजेंसियां)।

मुंबई की एक मजिस्ट्रेट अदालत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के बंदरगाह विकास मंत्री नितेश राणे के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। यह वारंट उनके वकील द्वारा दायर छूट आवेदन को खारिज करने के बाद जारी किया गया। राणे अदालती कार्यवाही में अनुपस्थित थे और मामले में उनकी लगातार गैर-हाजिरी के कारण छूट याचिका को खारिज कर दिया गया। इससे पहले अदालत ने सुनवाई में शामिल न होने के कारण पिछले महीने राणे के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। 2 जून को, भाजपा नेता ने उपस्थिति से स्थायी छूट की मांग करते हुए एक आवेदन दायर किया था, जिसे अदालत ने ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 23°

चीन, पाकिस्तान और तुर्की के लिए सीधी चुनौती शुरू

भारत ने 2000 करोड़ के ड्रोन खरीद को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)।

भारत अब अपनी ड्रोन शक्ति को उस मुकाम पर ले जा रहा है, जहां से चीन, पाकिस्तान और तुर्की के लिए सीधी चुनौती शुरू हो चुकी है। रक्षा मंत्रालय ने 2000 करोड़ रुपए की आपातकालीन खरीद को मंजूरी दे दी है। इसका मतलब कि भारतीय सेना को अगले स्तर की टेक्नोलॉजी से लैस करना है। दरअसल, रक्षा मंत्रालय की तरफ से ये मंजूरी एक आपातकालीन खरीद के तौर पर दी गई है। इसका मतलब है कि खतरा सिर पर है और सेना को तुरंत तैयार किया जा रहा है। ये फंड ऐसे ड्रोन्स के लिए जारी किया गया है जो भारत की सीमा सुरक्षा को न केवल मजबूत बनाएंगे बल्कि दुश्मन की हरकतों पर पल-पल की नजर भी रखेंगे और जरूरत पड़ने पर तुरंत हमला कर सकेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में

कहा कि 1,981.90 करोड़ रुपये की राशि के ये अनुबंध भारतीय सेना के लिए 2,000 करोड़ रुपये के कुल स्वीकृत परिव्यय के मुकाबले अंतिम रूप दिए गए हैं। आपातकालीन खरीद योजना के तहत फास्ट-ट्रैक प्रक्रियाओं के माध्यम से निष्पादित, उपकरण और हथियारों का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी वातावरण में तैनात सैनिकों के लिए स्थितिजन्य जागरूकता, मारक क्षमता, गतिशीलता और सुरक्षा को बढ़ाना है। मंत्रालय ने कहा कि तेजी से क्षमता वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए अधिग्रहण को संकुचित समयसीमा के भीतर पूरा किया गया था। ये खरीद भारतीय सेना को उभरती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए मिशन-महत्वपूर्ण और पूरी तरह से स्वदेशी प्रणालियों से लैस करेगी। सूत्रों ने कहा कि इस तरह की और खरीद हो सकती है क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल की गई सूची को फिर से भरने के लिए बलों को करीब 40,000 करोड़ रुपये ▶10 पर

अब्बा डब्बा जब्बा से पिंकी बुआ तक, उपासना सिंह ने हर किरदार में बिखेरा हंसी का जादू

अब्बा डब्बा जब्बा का जादू हो या 'पिंकी बुआ' की हाजिरजवाबी, उपासना सिंह ने अपने अभिनय और कॉमिक टाइमिंग से हर किरदार से दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई। 29 जून को उपासना का 50वां जन्मदिन है। उनकी जिंदगी की कहानी भी उतनी ही खूबसूरत और प्रेरणादायक है, जितने उनके किरदार। पंजाब के छोटे से शहर से निकलकर टीवी और फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वाली उपासना की कहानी किसी स्क्रिप्ट से कम नहीं।

पंजाब के होशियारपुर में 29 जून 1975 को जन्मीं उपासना सिंह का बचपन सादगी और सपनों से भरा था। मध्यमवर्गीय परिवार में पली-बढ़ी उपासना को बचपन से ही अभिनय का शौक था। महज सात साल की उम्र में वह स्कूल की ओर से दूरदर्शन पर कार्यक्रम प्रस्तुत करती थीं। यह वह दौर था जब उपासना का सपना डॉक्टर बनने का था, लेकिन किस्मत ने उन्हें अभिनय की दुनिया में पहुंचा दिया। पंजाब यूनिवर्सिटी से ड्रामेटिक आर्ट्स में मास्टर्स की डिग्री हासिल करने वाली उपासना ने पढ़ाई के दौरान ही एक्टिंग की शुरुआत कर दी थी। उपासना ने 1986 में राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'बाबुल' से बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट करियर की शुरुआत की। हालांकि, असली पहचान उन्हें साल 1988 में राजस्थानी फिल्म 'बाई चली सासरिए' से मिली, जो उस दौर की सबसे सफल राजस्थानी फिल्मों में से एक थी। यह फिल्म 100 दिनों तक सिनेमाघरों में चली और उपासना की अभिनय प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले गई। इसके बाद उन्होंने पंजाबी, गुजराती, भोजपुरी और हिंदी सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी।

'जुदाई' (1997) में उनके 'अब्बा डब्बा जब्बा' डायलॉग ने उन्हें मशहूर कर दिया। इस फिल्म में उपासना की कमाल की कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया।

उपासना ने करीब 70 से अधिक हिंदी फिल्मों और 40 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों के साथ ही पंजाबी, गुजराती और राजस्थानी सिनेमा में भी काम किया है। 'लोफर', 'हंगामा', 'हलचल', 'एतराज' और 'जुड़वा 2' जैसी फिल्मों में उनके छोटे लेकिन प्रभावशाली किरदारों ने दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया।

वहीं, पंजाबी सिनेमा में 'जट्ट एंड जूलियट' और 'डिस्को सिंह' जैसी फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने उन्हें क्षेत्रीय सिनेमा में भी लोकप्रिय बनाया। साल 2024 में उपासना ने 14 साल बाद भोजपुरी सिनेमा में 'सास सरकार बहू चौकीदार' से वापसी की, जिसमें वह एक सशक्त सास के किरदार में थीं। उपासना सिंह एक ऐसा नाम है, जो न केवल फिल्म बल्कि टीवी की दुनिया में भी सफल रहीं। फिर 'द कपिल शर्मा शो' में 'पिंकी बुआ' के किरदार की बात हो या 'सोनपरी' की 'काली परी' की। 'पिंकी बुआ' की हाजिरजवाबी और पंजाबी अंदाज में अंग्रेजी बोलने की शैली ने दर्शकों को खूब हंसाया। यह किरदार इतना लोकप्रिय हुआ कि उपासना 'टीवी की बुआ' के नाम से मशहूर हो गईं। इसके अलावा, स्टार प्लस के बच्चों के पसंदीदा शो 'सोनपरी' में 'काली परी' के नकारात्मक किरदार ने भी उन्हें खूब सुर्खियां दिलाईं। शैतान से जन्मी, अंधेरों में पली, कहते हैं सब मुझको काली परी यह डायलॉग आज भी बच्चों के जेहन में ताजा है। इसके अलावा, 'मायका', 'राजा की आएगी बारात', 'बानी-इश्क दा कलमा' और 'फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' के साथ 'जीजा जी छत पर हैं' जैसे सीरियल्स में भी उनकी एक्टिंग को सराहा गया।

उपासना सिंह की सबसे बड़ी खासियत उनकी कॉमिक टाइमिंग है। चाहे वह 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' में 'पिंकी बुआ' का किरदार हो या 'गैंग्स ऑफ फिल्मिस्तान' में स्टैंड-अप कॉमेडी, उन्होंने हर बार दर्शकों को हंसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उनकी पंजाबी और अंग्रेजी मिश्रित डायलॉग डिलीवरी दर्शकों को खूब पसंद आती है।

उपासना ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह श्रीदेवी की फैन हैं और 'जुदाई' में काम करने के लिए उन्होंने खुद निर्देशक राज कंवर से संपर्क किया था। उपासना की निजी जिंदगी भी सुर्खियों में रही। साल 2009 में उन्होंने टीवी अभिनेता नीरज भारद्वाज से शादी की, जिनके साथ उन्होंने सीरियल 'ऐ-दिल-ए-नादान' में काम किया था। हालांकि, दोनों तलाक की अर्जी दाखिल करने के साथ ही एक-दूसरे से अलग हो गए थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, उपासना पति के पास वापस लौट चुकी हैं। उनका एक बेटा है, जिसका नाम उन्होंने नानक सिंह रखा है। 50 साल की उम्र में भी उपासना सिंह की ऊर्जा और जुनून में कोई कमी नहीं है। हाल ही में उन्होंने पंजाबी फिल्म 'बाई जी कुट्टन गै' का निर्देशन किया, जिसके लिए वह मिस यूनिवर्स हरनाज कौर संधू के खिलाफ कानूनी विवाद में भी उलझीं। उपासना ने हरनाज पर फिल्म के प्रमोशन के लिए समय नहीं देने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था।

चुनौतियों से भरे किरदार करना चाहती हूं : सोनाक्षी सिन्हा

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय की रिलीज को लेकर उत्साहित हैं। कई फिल्मों में दमदार अदायगी से वाहवाही लूटने वाली सोना ने आईएएनएस से बातचीत में एक दबी हुई ख्वाहिश का भी इजहार किया! जब उनसे पूछा कि एक अभिनेत्री के तौर पर वह और क्या करना चाहेंगी, तो इस पर दबंग अभिनेत्री ने कहा, वह इन दिनों ऐसे किरदार की तलाश में हैं जो उन्हें अलग तरह से चुनौती दें और उन्हें अलग-अलग तरीके से स्क्रीन पर पेश करें।

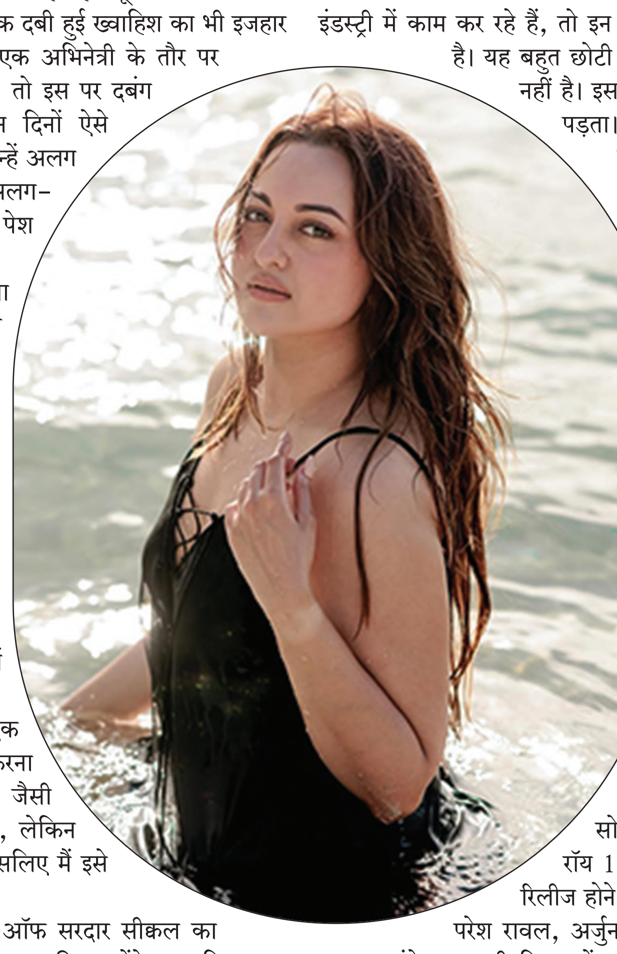

उन्होंने आगे कहा, मैं ऐसा कुछ नहीं करना चाहती जो मैंने पहले किया हो या ऐसा जो मैं अपनी नींद में कर सकती हूं, बल्कि मैं ऐसा किरदार चाहती हूं जो वास्तव में मुझे नई चुनौती दे और मुझे मेरे कंफर्ट से बाहर ले जाए। इसलिए मैं पिछले नौ सालों से अलग-अलग किरदार चुन रही हूं। वहीं, मुझे नई चीजें करना पसंद भी है और इसमें काफी मजा भी आता है।

सोनाक्षी ने कहा, मैं एक पीरियड ड्रामा या बायोपिक करना पसंद करूंगी। मैंने हीरामंडी जैसी पीरियड ड्रामा सीरीज की है, लेकिन मैंने बायोपिक नहीं की है। इसलिए मैं इसे करना पसंद करूंगी।

इस बीच सोनाक्षी ने सन ऑफ सरदार सीक्वल का हिस्सा न होने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि शायद फिल्म की कहानी अब किसी और दिशा में जा रही है और उसमें नए किरदार होंगे। मैं इस बदलाव को पूरी तरह समझती हूं और इसका सम्मान करती हूं। सोनाक्षी सिन्हा ने आगे कहा, मैं अब प्रोफेशनल तरीके से सोचती हूं। हम इतने सालों से इस इंडस्ट्री में काम कर रहे हैं, तो इन बातों को समझना आ गया है। यह बहुत छोटी सी बात है, कोई बड़ी बात नहीं है। इसका मुझ पर कोई असर नहीं पड़ता।

बता दें, अभिनेत्री साल 2012 में रिलीज फिल्म सन ऑफ सरदार में थी। साथ ही फिल्म में अजय देवगन ने जस्सी और संजय दत्त ने बिल्लू का किरदार निभाया था। इसमें एक्ट्रेस जूही चावला भी अहम किरदार में नजर आई थीं। यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म साल 2010 की तेलुगू फिल्म मर्यादा रमन्ना की रीमेक थी। अब इसके सीक्वल में अजय देवगन और मृणाल ठाकुर की जोड़ी नजर आएगी।

वर्कफ्रंट की बात करें, तो सोनाक्षी की फिल्म निकिता रॉय 18 जुलाई को सिनेमा घरों में रिलीज होने वाली है। जिसमें उनके साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नायर नजर आएंगे। साथ ही फिल्म में उनके भाई कुश सिन्हा बतौर निर्देशक शुरुआत करने जा रहे हैं।

अभिनेता सयाजी शिंदे ने लगाए 75 नए पौधे

हिंदी के साथ ही मराठी और साउथ की कई सफल फिल्मों का हिस्सा रहे एक्टर सयाजी शिंदे पर्यावरण संरक्षण को अक्सर बढ़ावा देते दिखते हैं। शनिवार को उन्होंने 75 नए पौधे लगाए और बताया कि उनका लक्ष्य 10 हजार पौधों को लगाने का है।एक्टर सयाजी शिंदे ने समाचार एजेंसी बताया कि वह हरियाली और पर्यावरण को लेकर काम करते रहते हैं, इससे उन्हें सुकून मिलता है।

उन्होंने बताया, पिछली बार हमने बीड जिले के पल्लवन में पौधे लगाए थे और रामगढ़ में भी पौधे लगाए, जो काफी सफल रहे। इस खुशी में हमने 75 नए पौधे लगाए। अभी रामगढ़ में भी लगभग 10 हजार पौधे लगाने बाकी हैं, हमारा लक्ष्य 10 हजार पौधे लगाने का है।

सयाजी शिंदे कुछ वर्षों से पौधरोपण अभियान को लेकर सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। उनके एनजीओ ने कई पौधे लगाए हैं। महाराष्ट्र के सतारा जिले के साखरवाड़ी नामक एक छोटे से गांव में जन्मे सयाजी अपने गांव में भी 10 हजार से ज्यादा पौधे लगा चुके हैं।

सयाजी शिंदे ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत मराठी थिएटर से की। उन्होंने 1978 में नाटक में काम शुरू किया और 'जुल्वा' (1987), 'वन रूम किचन' (1989) और 'आमच्या या घरात' (1991) जैसे नाटकों में भी काम किया। इसके बाद वह मराठी सिनेमा में नजर आए। उनकी प्रतिभा को हिंदी सिनेमा में पहचान तब मिली, जब अभिनेता मनोज बाजपेयी ने उनका नाम राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'शूल' (1999) के लिए सुझाया। सयाजी साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी सफल रहे, जहां उनकी तमिल फिल्म 'भारती' (2000) सफल रही, जिसमें उन्होंने प्रसिद्ध तमिल कवि 'सुब्रमण्यम भारती' की भूमिका निभाई। इस किरदार ने उन्हें खूब सराहना दिलाई। इसके बाद वह बॉलीवुड में 'सरकार राज' (2008) और 'संजू' (2018) जैसी फिल्मों में नजर आए। सयाजी ने अपने करियर में कई भूमिकाएं निभाईं, जिसमें खलनायक, सहायक भूमिका के साथ कॉमेडी रोल भी शामिल हैं।

बिहार में फिल्म शूट करना चाहती हैं मल्लिका शेरावत, बोलीं- मैं रवि किशन की फैन

अभिनेत्री मल्लिका शेरावत शुक्रवार को पहली बार बिहार की राजधानी पटना पहुंचीं, जहां उन्होंने न केवल लिट्टी-चोखा खाने की इच्छा जताई, बल्कि कहा कि वह रवि किशन की फैन हैं और मौका मिलने पर बिहार में फिल्म बनाएंगी। मल्लिका शेरावत ने बताया, मैं पहली बार बिहार आई हूं और यहां पर मुझे हर जगह एक्सप्लोर करना है। यहां की फेमस डिश लिट्टी-चोखा के साथ कचौड़ी खानी है। मेरी इच्छा है कि सड़क के किनारे जो मिलता है, वही खाऊं, मैंने सुना है, वो टेस्टी होता है।

राज्य में हुए विकास को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, बिहार काफी डेवलप हो चुका है। मैं एयरपोर्ट देखकर बहुत ही खुश और हैरान हूं कि इतना अच्छा एयरपोर्ट बना है। सड़कें और यहां के विकास को देखकर खुश हूं। कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकीं मल्लिका ने बताया कि वह अभिनेता रवि किशन की प्रशंसक हैं और उनके साथ काम भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया, मुझे बिहार और यहां के कलाकार काफी पसंद हैं। मैं रवि किशन की फैन हूं और मौका मिला तो जरूर फिल्म बनाना चाहूंगी। मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया।मल्लिका शेरावत कई शानदार फिल्मों में काम कर चुकी हैं, जिनमें 'मर्डर', 'ख्वाहिशें', 'बचकर रहना रे बाबा', 'डर्टी पॉलिटिक्स', 'वेलकम', 'प्यार के साइड इफेक्ट्स', 'डबल धमाल', 'जीनत' जैसी फिल्में शामिल हैं।वह कई हॉलीवुड फिल्म 'द मिथ', 'पॉलिटिक्स ऑफ लव' और 'टाइम रेडर्स' में भी काम कर चुकी हैं।हाल ही में मल्लिका शेरावत, राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी के साथ 'विक्की विद्या का वो वाला वीडियो' में नजर आई थीं। इस फिल्म के जरिए मल्लिका ने लंबे समय के बाद कमबैक किया था।

इलियाना डिक्रूज ने दूसरे बेटे की तस्वीर शेयर कर बताया नाम भी, फिल्मी हस्तियों ने दी बधाई

दूसरी बार मां बनी इलियाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर दूसरे बेटे की पैदाइश की जानकारी दी। एक मोनोक्रोम पिक्चर के साथ बेटे का नाम भी बताया। प्रशंसकों और फिल्म जगत के कई सितारों ने उन्हें बधाई दी।अभिनेत्री ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की, जिस पर लिखा था, मिलिए नन्हे 'कीयनू राफे डोलन' से। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, हम बेहद खुश हैं।इलियाना को दूसरी बार मां बनने की बधाई देते हुए प्रियंका चोपड़ा ने कमेंट सेक्शन में लिखा, बधाई हो, सुंदरी, जिसके बाद अथिया ने लिखा, मुबारक हो, आई लव यू। वहीं, विद्या बालन ने कमेंट किया, बधाई हो और भगवान आप सभी का भला करे।

मलाइका अरोड़ा ने कमेंट सेक्शन में बधाई हो के साथ दो हार्ट इमोजी शेयर किए। सोफी चौधरी ने लिखा, बधाई हो डार्लिंग, आपको और बच्चे को मेरी तरफ से ढेर सारा प्यार। अभिनेत्री ने इस साल फरवरी में एक खास इंस्टाग्राम पोस्ट के साथ अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी थी। इंस्टाग्राम स्टोरी सेक्शन में पॉपकॉर्न स्नैक्स और एंटासिड चू के पैकेट की एक तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा था, बिना मुझसे कहे कि आप प्रेग्नेंट हैं, मुझे बताएं कि आप प्रेग्नेंट हैं। इलियाना डिक्रूज की एक रील सामने आई थी, जिसमें उनके पति माइकल डोलन और बेटे कोआ फीनिक्स डोलन दिख रहे थे।

एक्ट्रेस ने माइकल से साल 2023 में गुपचुप तरीके से शादी की थी। अप्रैल 2023 में उन्होंने अपनी पहली प्रेग्नेंसी अनाउंस की थी। इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, जल्द आ रहा है। तुमसे मिलने का इंतजार नहीं हो रहा, मेरे प्यारे बच्चे। इसके बाद अगस्त 2023 में, उन्होंने अपने बेटे की पहली तस्वीर शेयर की थी। तस्वीर शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कोआ फीनिक्स डोलन का परिचय जन्म 1 अगस्त 2023... बयां नहीं कर सकते कि हम अपने प्यारे बेटे से कितना प्यार करते हैं। हमारा दिल खुशी से भर गया है।

इलियाना ने हिंदी के अलावा तेलुगू और तमिल सिनेमा में काम किया है। उन्होंने 2006 में तेलुगू फिल्म 'देवदासू' से डेब्यू किया था, जिसके लिए उन्हें साउथ में फिल्मफेयर का बेस्ट फीमेल डेब्यू अवॉर्ड मिला था। उन्होंने 2012 में अनुराग बसु की 'बर्फी' में काम किया, जिसमें रणबीर कपूर के साथ उनकी केमिस्ट्री खूब सराही गई।

अभिनेत्री शेफाली जरीवाला का 42 की उम्र में निधन

कांटा लगा गर्ल शेफाली जरीवाला की अचानक मौत ने बॉलीवुड को गहरा सदमा दिया है। देर रात शेफाली जरीवाला की मौत की खबर आई, जिसका कारण कार्डियक अटैक बताया जा रहा है। हालांकि जिस तरह मुंबई पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच शुरू की है, उससे मामला संदेहास्पद लग रहा है। शेफाली के घर काम करने वाले कुक और मेड से भी पूछताछ की गई है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह मुंबई पुलिस और फॉरेंसिक टीम शेफाली के घर पहुंची। ये टीमें घर के अंदर मौजूद हैं और जांच की जा रही है। घर में परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद हैं, जिनसे पूछताछ हुई है। शेफाली की मेड और कुक को रात में ही अंबोली पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उनसे पूछताछ की गई।

शुरुआती रिपोर्ट में आया है कि शेफाली की मौत कार्डियक अटैक के चलते हुई है, लेकिन पोस्टमार्टम के बाद ही मौत के पीछे की वजह साफ होगी। अभी तक परिवार की तरफ से कार्डियक अटैक से ही मौत बताई गई है, लेकिन मुंबई पुलिस अपनी प्राथमिक जांच कर रही है।

बिल्डिंग वॉचमैन शत्रुघ्न महतो के मुताबिक, उसने शेफाली को नहीं देखा था। उनकी कार निकली थी, तब उसने गेट खोल दिया, लेकिन शेफाली की मौत को लेकर कोई जानकारी नहीं थी। वॉचमैन ने कहा, मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं है। मुझे रात करीब 1 बजे पता चला, जब एक आदमी ने मुझे बताया कि शेफाली की मौत हो गई है। शेफाली को उनके पति और अभिनेता पराग त्यागी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। अंधेरी के हॉस्पिटल में उन्हें एडमिट कराया गया। शेफाली का मुंबई के कूपर अस्पताल में पोस्टमार्टम चल रहा है।

अभी तक शेफाली की मौत की परिस्थितियों को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। इस बीच पुलिस और फॉरेंसिक टीमों की मौजूदगी से मामले को संदिग्ध माना जा रहा है।

अभिनेत्री शेफाली का 42 साल की उम्र में निधन हुआ है। शेफाली जरीवाला 'कांटा लगा' गाने से फेमस हुई थीं और उन्होंने बिग बॉस 13 में अपनी भूमिका निभाई थी।

सूर्य से लेकर शनि तक, जानें किस ग्रह के लिए कौन-सा दीपक जलाएं

ज्योतिष शास्त्र में माना गया है कि नौ ग्रहों का प्रभाव व्यक्ति पर किसी-न-किसी रूप में पड़ सकता है। अगर आपको किसी ग्रह से अशुभ प्रभाव मिल रहे हैं, तो आप इससे राहत पाने के लिए दीपक के जुड़ें ये उपाय कर सकते हैं। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं, कि किस ग्रह के लिए आप कौन-सा दीपक जला सकते हैं।

सूर्य ग्रह के लिए दीपक

सूर्य ग्रह के लिए तांबे या मिट्टी के दीपक के दीपक का उपयोग करना शुभ माना जाता है। सूर्य देव की कृपा प्राप्ति के लिए आपको रविवार के दिन सूर्योदय के समय देशी घी या तिल का तेल का दीपक जलाना चाहिए। दीपक का मुख पूर्व दिशा की ओर होना चाहिए।

मंगल ग्रह दीपक

मंगल ग्रह के लिए भी मिट्टी या तांबे का दीपक जलाया जा सकता है। इसके लिए मंगलवार के दिन तिल का तेल का दीपक दक्षिण दिशा की ओर दीपक करके जलाएं। ऐसा करने से आपको मंगल ग्रह से जुड़ी समस्याओं से राहत मिल सकती है।

बुध ग्रह के लिए दीपक

बुध ग्रह के लिए आप कांसे या पीतल के दीपक में गाय का घी डालकर दीपक जला सकते हैं। इस दीपक को जलाने के लिए उत्तर दिशा या ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) दिशा को सबसे उत्तम माना गया है।

गुरु ग्रह के लिए दीपक

गुरु या बृहस्पतिवार ग्रह के शुभ परिणाम प्राप्त करने के लिए पीतल के दीपक में गाय का घी डालकर जलाना चाहिए। इसके साथ ही इस दीपक को जलाने के लिए उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे उत्तम माना गया है।

शुक्र ग्रह के लिए

शुक्र ग्रह के लिए आप चांदी या फिर मिट्टी से बना दीपक जला सकते हैं। इसके लिए घी या सफेद तिल के तेल का इस्तेमाल करें। इस दीपक को जलाने के लिए पूर्व दिशा को सबसे उत्तम माना गया है।

चंद्र ग्रह के लिए दीपक

चंद्रमा के लिए आप सोमवार की रात या फिर चंद्रमा के उदय के समय दीपक जा सकते हैं। दीपक में कपूर या घी डालकर इसे पश्चिम दिशा की ओर रखें। ऐसा करने से जातक को मानसिक शांति और भावनात्मक संतुलन का अनुभव होता है।

शनि ग्रह के लिए दीपक

शनि देव की कृपा प्राप्ति के लिए आप शनिवार के दिन काली मिट्टी या लोहे का दीपक जला सकते हैं। इसके लिए सरसों का तेल सबसे उत्तम माना जाता है। इस दीपक को पीपल के पेड़ के नीचे या फिर घर के दक्षिण-पश्चिम कोने में रखें।

राहु और केतु के लिए दीपक

राहु ग्रह के लिए आप शनिवार या बुधवार के दिन मिट्टी या लोहे का दीपक सरसों का तेल डालकर जला सकते हैं। इस दीपक को घर के दक्षिण-पश्चिम कोने या फिर तुलसी के पास रखना शुभ माना जाता है। वहीं केतु मंगलवार या शनिवार के दिन सरसों के तेल का दीपक जलाना शुभ माना जाता है। आप इस दीपक को घर की दक्षिण दिशा में जला सकते हैं।

क्या है गुप्त नवरात्रि? क्यों साधकों और तांत्रिकों को रहता है इसका इंतजार?

आषाढ़ मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि से गुप्त नवरात्रि की शुरुआत हो गई है और इस अवसर पर माता ज्वाला का द्वार भी पूरा सज गया है। आपको बता दें कि इस वर्ष 26 जून गुरुवार से गुप्त नवरात्रि पर माता के नौ रूपों की पूजा शुरू हो चुकी है। आगामी 04 जुलाई तक गुप्त नवरात्रि पर खासतौर पर तांत्रिक साधना, विशेष अनुष्ठान और गुप्त उपासना होगी। गुप्त नवरात्रि के दौरान कई साधक महाविद्या तंत्र साधना के लिए आराधना करते हैं, जबकि अन्य लोग पूरे नौ दिनों तक मां आदिशक्ति के नौ रूपों की पूजा-अर्चना विधि-विधान से करेंगे।

गुप्त नवरात्रों में इन देवियों की करते हैं पूजा

तांत्रिकों को तंत्र साधना करने के लिए गुप्त नवरात्रि का इंतजार रहता है, इस दौरान लोग लंबी साधना कर दुर्लभ शक्तियों को प्राप्त करने का प्रयास करते हैं। गुप्त नवरात्र के दौरान कई साधक महाविद्या (तंत्र साधना) के लिए मां काली, तारा देवी, त्रिपुर सुंदरी, भुवनेश्वरी, माता छिन्नमस्ता, त्रिपुरा भैरवी, मां धूमावती, माता बगलामुखी, मातंगी और कमला देवी की पूजा करते हैं।

क्या गुप्त नवरात्रि का महत्व

वसंत और शारदीय नवरात्रि गृहस्थों और सामान्य जनों के लिए है परंतु गुप्त नवरात्रि संतों और साधकों को लिए है। यह साधना की नवरात्रि है उत्सव की नहीं। इसलिए, इसमें खास तरह की पूजा और साधना का महत्व होता है। यह नवरात्रि विशेष कामना हेतु तंत्र-मंत्र की सिद्धि के लिए होती है। गुप्त नवरात्रि में विशेष पूजा से कई प्रकार के दुखों से मुक्ति पाई जा सकती है।अघोर तांत्रिक लोग गुप्त नवरात्रि में महाविद्याओं को सिद्ध करने के लिए उपासना करते हैं। यह नवरात्रि मोक्ष की कामना से भी की जाती है।

साधकों के लिए होती है गुप्त नवरात्रि

गुप्त नवरात्रों का अपना अलग महत्व होता है यह नवरात्र साधकों के लिए विशेष होते हैं। हर वर्ष की भांति इस बार भी माता ज्वाला के दरबार को सजा दिया गया है। उन्होंने बताया कि इन आगामी 9 दिनों में अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

9 जुलाई से इन तीन राशियों की चमक उठेगी किस्मत! मिलेगा प्रमोशन और खुशियों की सौगात

हिंदू धर्म में कई ऐसे शास्त्र हैं, जिनका अलग-अलग महत्व है। उन्ही शास्त्रों में से एक ज्योतिष शास्त्र है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, कई ग्रह एक निश्चित अवधि में न केवल राशि परिवर्तन करते हैं, बल्कि नक्षत्र परिवर्तन भी करते हैं। इसका प्रभाव सभी 12 राशियों पर किसी न किसी रूप में अवश्य पड़ता है। बता दें कि देवताओं के गुरु बृहस्पति मिथुन राशि में अस्त हो गए हैं। मिथुन राशि में गुरु के अस्त होने से कुछ राशि के जातकों के जीवन में किसी न किसी तरह से प्रभाव देखने को मिल सकता है।

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, देव गुरु बृहस्पति 9 जुलाई 2025 को मिथुन राशि में उदित हो रहे हैं। करीब 27 दिनों तक अस्त रहने के बाद गुरु के उदित होने से कुछ राशि के जातकों को बंपर लाभ मिल सकता है। जीवन में खुशियों की दस्तक होने के साथ-साथ धन लाभ हो सकता है।

जानिए किन राशियों का शुरू होगा गोल्ड्न समय

वृषभ – इस राशि के जातको को देवगुरु बृहस्पति का उदित होना बेहद शुभ फल देगा। इन लोगों को जबरदस्त आर्थिक लाभ होगा। धर्म के प्रति रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जो परेशानियां चल रही हैं, वे समाप्त हो जाएंगी। सूर्य की कृपा से रोग दोष खत्म होंगे। संतान इच्छुक दंपति को कोई खुशखबरी मिल सकती है।

सिंह – इस राशि के जातको का गुरु का उदय होना काफ़ी मंगल व शुभ परिणाम देखने को मिलेगा। रुके हुए धन की प्राप्ति होगी। जबरदस्त आर्थिक लाभ का योग बनेगा। नए व्यापार का भी आरंभ कर सकते हैं।घर मे पूजा पाठ हवन मांगलिक कार्य इत्यादि संपन्न हो सकता है। वैवाहिक जीवन में भी सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

कन्या – देव गुरु ब्रस्पति के उदय होने से इस राशि जातक के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। करियर में ग्रोथ होगा। नौकरी में प्रमोशन और वेतन वृद्धि का भी योग बन सकता है। रोजी रोजगार की तलाश पूरी हो सकती है। कोर्ट कचहरी के मामले में फैसला आपके पक्ष में होगा। आकस्मिक धन लाभ का योग बनेंगे। प्रॉपर्टी,जमीन या वाहन खरीदने का भी योग बन सकता है।

घर में अक्सर दिखती है लाल या काली चींटी? शुभ या अशुभ किस बात का देती हैं संकेत

अक्सर घरों में चीटियां निकलना आम बात होती है। हम में से अधिकतर लोग इन चींटियों को देखकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन इनका मतलब बेहद खास होता है। हालांकि सीलन, गंदगी और खाने के सामान वाली जगहों पर भी चींटियां नजर आने लगती हैं। घर में लाल चींटी या काली चींटी का निकलना कई तरह के शुभ-अशुभ संकेत देता है। घर में चींटियों के निकलने की दिशा, उनका व्यवहार बताता है कि आपको धन लाभ होने वाला है धन हानि। इसके अलावा चींटियां का निकलना यह भी बताता है कि भविष्य में आपको करियर में नए मौके मिलने वाले हैं।

लाल चींटी दिखने का अर्थ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, अगर घर में अचानक लाल चींटियां दिखाई देने लगे तो समझिए आर्थिक विपत्ति आने वाली है। कहीं कोई घाटा होने वाला है। अचानक कोई ऐसी जरूरत आने वाली है जिसके कारण आपको कर्ज लेना पड़ सकता है। लाल चीटियां अनचाहे लोन का संकेत देती है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि चींटियां संकेत देती हैं।

काली चींटी दिखने का अर्थ

वास्तु शास्त्र के अनुसार, यदि घर में अचानक काले रंग की चींटियां दिखाई देने लगे तो यह एक शुभ संकेत है। आपके जीवन में कोई बदलाव होने वाला है। कोई ऐसा परिवर्तन जो आपके लिए लाभदायक होगा। जब आपको स्पष्ट रूप से समझ आ जाए कि काले रंग की चीटियों का आगमन जीवन में बदलाव के लिए ही हो रहा है तो उनके स्वागत में आटा डालना शुरू कर दे। आपके इष्ट देव को जब यह पता चल जाएगा कि आप तक संकेत पहुंच चुका है तो चीटियां अपने आप वापस लौट जाएंगी।

शास्त्रों के अनुसार, अगर चीटियां चावलों के भरे बर्तन में से निकलें तो यह आपके लिए शुभ है। ऐसा माना जाता है कि कुछ दिनों बाद ही धन वृद्धि का योग शुरू होने वाला है। इस स्थिति में व्यक्ति की आर्थिक स्थिति अच्छी होती है।

घर में जहां सोने की चीजें रखी हुई हैं, उस जगह से काली चींटियां निकले तो यह अत्यंत शुभ माना जाता है। इसका मतलब होता है कि स्वर्णादि धन की वृद्धि होने वाली है।अगर चींटियां छत से निकले तो इसका मतलब होता है कि शीघ्र ही धन, संपत्ति और भौतिक चीजों में इजाफा होने वाला है।

रसोईघर में यह तस्वीर लगाने से भरे रहेंगे अन्न के भंडार!

घर का किचन यानी रसोईघर न सिर्फ स्वाद का केंद्र होती है, बल्कि समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का भी मुख्य स्रोत मानी जाती है। भारत में किचन को गृह लक्ष्मी का स्थान दिया जाता है और यहीं से पूरे घर को ऊर्जा मिलती है। इसी वजह से वास्तु शास्त्र में घर के किचन का विशेष महत्व है। मान्यताओं के अनुसार, किचन यानी रसोई का सही वास्तु परिवार में प्रेम, समझ और आर्थिक स्थिरता लाता है और धन धान्य की कभी कमी नहीं होती। लेकिन अगर आप घर में तोड़ फोड़ करवा पाने की स्थिति में नही हैं तो किचन में एक तस्वीर लगा दें, इससे आपके घर के भंडार भरे रहेंगे।

मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाएं

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में किचन सबसे महत्वपूर्ण जगहों में से एक है। किचन की खूबसूरती और सौभाग्य का ध्यान रखते हुए किचन में एक अन्नपूर्णा मां की फोटो लगा लें। मां अन्नपूर्णा अन्न की अधिष्ठात्री देवी हैं, इनकी पूजा या चित्र लगाने से कभी अन्न की कमी नहीं होती है। साथ ही इस उपाय से घर में तिजोरी भी कभी खाली नहीं होती है और अन्न के भंडार सदैव भरे रहते हैं।

मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाने के फायदे

हर घर की रसोई को मां अन्नपूर्णा की कृपा का स्थान माना गया है। यहां पकने वाला अन्न-संस्कार न सिर्फ पेट भरता है बल्कि जीवन में समृद्धि, स्वास्थ्य और सुख-शांति लाता है। कहा जाता है कि जहां मां अन्नपूर्णा का वास होता है, वहां भूख और गरीबी फटकती भी नहीं। किचन में मां अन्नपूर्णा की तस्वीर उत्तर-पूर्व दिशा में लगाएं। तस्वीर में मां अन्नपूर्णा के हाथ में अन्न का पात्र हो, ये विशेष शुभ माना जाता है।

कई ग्रह दोष होते हैं दूर

मां की उपस्थिति किचन को सात्विक बनाती है। इससे जो भोजन पकाया जाता है, वह सिर्फ स्वादिष्ट नहीं बल्कि ओजसपूर्ण (ऊर्जादायक) होता है। अगर कुंडली में चंद्र, शुक्र या राहु संबंधी दोष हैं जो अन्न या भुखमरी से जुड़े होते हैं, तो उनकी शांति में भी यह सहायता करती हैं। साथ ही मां अन्नपूर्णा को ज्ञान और वाणी की देवी भी कहा गया है। किचन में उनका चित्र नारी में सृजनात्मकता और संतुलन बढ़ाता है।

माँ अन्नपूर्णा के साक्ष्य

तीसरी और चौथी शताब्दी के दौरान लिखी गई देवी भागवत में अन्नपूर्णा को कांचीपुरम की देवी और विशालाक्षी को वाराणसी की देवी के रूप दर्शाया गया है।

7 वीं शताब्दी के दौरान लिखे गए स्कंद पुराण में कहा गया है, कि ऋषि व्यास एक श्राप के कारण वाराणसी आए थे, और अन्नपूर्णा ने उन्हें एक गृहिणी के रूप में भोजन कराया था। वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर की कथा इस कहानी से जुड़ी है कि शिव ने उनके सम्मान में मंदिर का निर्माण किया था।

भारत के प्रसिद्ध अन्नपूर्णा मंदिर

✻ अन्नपूर्णा को समर्पित सबसे प्रसिद्ध मंदिर अन्नपूर्णा देवी मंदिर वाराणसी, यूपी में है। अन्नपूर्णा काशी (वाराणसी) शहर की देवी हैं, जहाँ उन्हें वाराणसी की रानी के रूप में माना जाता है। मंदिर में प्रसाद के रूप में भोजन वितरित किया जाता है। नवरात्रि में भी बड़े पैमाने पर भोजन का वितरण किया जाता है।

✻ प्रसिद्ध मंदिर कर्नाटक के पश्चिमी घाट चीकामागालुरू में होरानडू में स्थित अन्नपूर्णेश्वरी मंदिर है, जहां भक्तों को भोजन कराने के बाद दोपहर और शाम की प्रार्थना होती है।

✻ केरल के पुदुकोड शहर में, पुदुकोड अन्नपूर्णनेश्वरी मंदिर है, जहां नवरात्रि का भव्य उत्सव वार्षिक रूप से भव्य भोज के साथ आयोजित किया जाता है, जिसमें दुनिया भर के हजारों भक्तों की भीड़ होती है।

✻ अन्नपूर्णा देवी के मंदिर का निर्माण वातृप के पास, सद्‌गुरि के रास्ते में किया गया है। मंदिर आठ-तरफ से पिरामिड के आकार में है।

✻ तमिलनाडु में रामनाथपुरम जिले के तिरुवदनई टाउन के पास अचंगुड़ी में अन्नकेश्वरी नाम के अन्नपूर्णी मंदिर का निर्माण चल रहा है और आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के पथिकोंडा में एक और मंदिर निर्माणाधीन है।

✻ हैदराबाद में, उसके मंदिर जाफ़रगुडा में पाए जाते हैं। उसके मंदिर जालंधर और पंजाब के भटिंडा में हैं।

✻ अन्नपूर्णा देवी मंदिर गुजरात में भी पाए जाते हैं। गुजरात के ऊंझा में उन्हें उमिया माता के रूप में पूजा जाता है। गुजरात और राजस्थान के कुछ लोग आशापुरा माता को अन्नपूर्णा माता का अवतार भी मानते हैं। राजस्थान में, उसके मंदिर झालावाड़ जिले के मिश्रोली गाँव, पाली जिले के कागदरा गाँव, चित्तौड़ किले में अन्नपूर्णा माता का एक मंदिर है। इसे महाराणा हमीर सिंह ने बनवाया था। किले में अन्नपूर्णा माता मंदिर के पास अन्य मंदिर हैं जो बाण माता, चारभुजा और लक्ष्मी-नारायण को समर्पित हैं।

✻ केरल के चेरुकुन्नम में श्री अन्नपूर्णनेश्वरी मंदिर है। उस मंदिर में पूजा करने वाले हर भक्त को भोजन कराया जाता है। परंपरा यह है कि रात में, हर एक को खिलाने के बाद, भोजन का एक पैकेट एक पेड़ की शाखा से बांधा जाता है, यह विचार किया जाता है कि रात में चोर को भी भोजन के बिना नहीं जाना चाहिए।

सावन में इन वास्तु उपायों से घर के मंदिर में करें छोटा सा बदलाव, बरसेगी भगवान भोलेनाथ की कृपा

सावन का महीना हिंदू धर्म में बेहद पवित्र और खास माना जाता है। यह महीना विशेष रूप से भगवान शिव को समर्पित होता है। इस दौरान लाखों लोग व्रत रखते हैं, उपवास करते हैं और शिव जी की पूजा-अर्चना में जुट जाते हैं। कहा जाता है कि सावन में की गई भक्ति जल्दी फल देती है और भगवान शिव अपने भक्तों पर विशेष कृपा बरसाते हैं। इस पवित्र माह में अगर आप अपने घर के मंदिर में कुछ आसान वास्तु उपाय कर लें तो आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है। इससे न केवल परिवार में सुख-शांति बनी रहती है, बल्कि पूरे साल आर्थिक और मानसिक समृद्धि भी बनी रहती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार जब घर का मंदिर सही दिशा में, सही तरीके से और पूरी श्रद्धा के साथ सजाया जाता है तो वहां से निकलने वाली ऊर्जा पूरे घर को लाभ पहुंचाती है।

घर का मंदिर ईशान कोण में होना चाहिए

वास्तु शास्त्र में ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व दिशा को सबसे पवित्र दिशा माना गया है। कहा जाता है कि इसी दिशा में देवताओं का वास होता है। इसलिए अगर आपके घर का मंदिर इस दिशा में है या आप सावन के महीने में अपने मंदिर को इस दिशा में शिफ्ट कर सकते हैं तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है। जब आप इस दिशा में बैठकर पूजा-पाठ करते हैं तो घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और नकारात्मकता दूर रहती है। साथ ही मानसिक शांति भी मिलती है।

आम के पत्तों का तोरण सजाएं

सावन हरियाली का महीना माना जाता है। ऐसे में अगर आप अपने घर के मंदिर के दरवाजे पर आम के हरे पत्तों का तोरण लगाएं तो यह घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करता है। वास्तु के अनुसार आम के पत्तों में प्राकृतिक ऊर्जा भरी होती है जो आपके मंदिर और घर के माहौल को शुद्ध बनाए रखती है। आप इसमें पीले फूल भी जोड़ सकते हैं जिससे यह और सुंदर दिखेगा और शुभता बढ़ेगी।

शिवलिंग की स्थापना करें

अगर आपके घर के मंदिर में अभी तक शिवलिंग नहीं है तो सावन का महीना उसकी स्थापना के लिए सबसे अच्छा समय है। आप पारद शिवलिंग या किसी भी शुभ धातु का छोटा शिवलिंग अपने मंदिर में स्थापित कर सकते हैं। ध्यान रखें कि शिवलिंग को सीधे जमीन पर न रखें बल्कि एक चौकी या आसन पर रखें। रोजाना शिवलिंग को जल से स्नान कराएं, बेलपत्र अर्पित करें और चंदन का तिलक लगाएं। इससे भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं।

मूर्तियों की सही दिशा

आपके घर के मंदिर में भगवान की मूर्तियां या चित्र पूर्व या पश्चिम की ओर मुख करके रखे जाने चाहिए। इससे पूजा करते समय आपका मुख पूर्व या पश्चिम की ओर होता है जो बेहद शुभ माना जाता है। कभी भी दक्षिण दिशा की ओर मुख करके पूजा नहीं करनी चाहिए। विशेषकर सावन में भगवान शिव की मूर्ति बीच में रखें और उनके साथ माता पार्वती का भी पूजन करें। ध्यान रखें कि मूर्ति थोड़ी ऊंचाई पर यानी चौकी पर होनी चाहिए, सीधा फर्श पर नहीं।

मंदिर का दरवाजा

अगर आपके घर के मंदिर में दरवाजे लगे हैं तो वो लकड़ी के होने चाहिए। इनके डिजाइन में थोड़ी बहुत हवा-पानी के लिए जगह होनी चाहिए यानी वेंटिलेशन बना रहना चाहिए। दरवाजे बाहर की ओर खुलने चाहिए जिससे सकारात्मक ऊर्जा आसानी से भीतर प्रवेश कर सके।

साफ-सफाई का रखें विशेष ध्यान

मंदिर की नियमित सफाई बेहद जरूरी है। धूल-मिट्टी, बिखरे हुए फूल या टूटे हुए दीपक नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाते हैं। इसलिए रोज मंदिर को साफ करें और अगर संभव हो तो धूप-दीप भी जलाएं। इससे वातावरण शुद्ध होता है और भगवान की कृपा भी बनी रहती है। अगर आप सावन के महीने में इन आसान वास्तु उपायों को अपनाकर पूरे श्रद्धा और नियम से भगवान शिव की पूजा करें तो आपके घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहेगी। भोलेनाथ का आशीर्वाद पूरे साल आपके परिवार पर बरसेगा और जीवन में खुशहाली आएगी।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जिज्ञासा

विश्व की सबसे छोटी इलेज़्ट्रिक मोटर

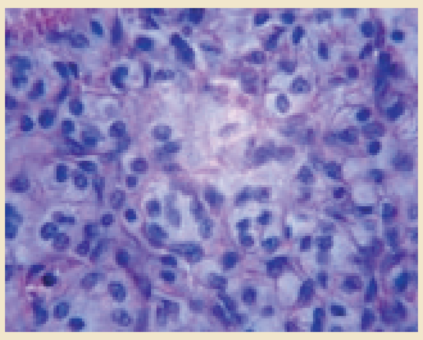

टफ्ट्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने विश्व की सबसे छोटी इलेक्ट्रिक मोटर तैयार की है, जिसका आकार अणु के बराबर है।

छोटे आकार की मोटर के विकास से वैज्ञानिकों को मेडिसीन से इंजीनियरिंग तक के क्षेत्रों में नए स्तर पर उपकरण तैयार करने में मदद मिलेगी।

विश्व की सबसे छोटे आकार की इलेक्ट्रिक मोटर एक नैनोमीटर से भी कम है, जबकि मौजूदा विश्व रिकॉर्ड 200 नैनोमीटर की मोटर के नाम है।

टफ्ट्स विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस मोटर के छोटे आकार का इसी बात के अनुमान लगाया जा सकता है कि मनुष्य के एक बाल की चौड़ाई 60,000 नैनोमीटर के बराबर होती है।

टफ्ट्स विश्वविद्यालय के शोधकर्ता चार्ल्स एच.स्काइस की टीम इस मोटर को एक 'लो टेम्प्रेचर स्कैनिंग टनेलिंग माइक्रोस्कोप' (एलटी-एसटीएम) के माध्यम से नियंत्रित करते हैं। एलटी-एसटीएम जैसे उपकरण अमेरिका में 100 के बराबर ही हैं।

दो सूर्य वाले ग्रह की खोज

खगोलशास्त्रियों ने एक ऐसे ग्रह के खोजने का दावा किया है जो दो सूर्य की परिक्रमा करता है। यह ठीक उसी तरह का है जैसा फिल्म स्टार वार्स में काल्पनिक ग्रह टैटूइन को दिखाया गया है।

नासा के केप्लर अंतरिक्षयान से पता लगाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय दल ने कहा कि यह केप्लर-16बी ग्रह पृथ्वी से करीब 200 प्रकाश वर्ष दूर है और संभवत: जमे हुए पत्थर और गैस का बना हुआ है और इसका आकार शनि ग्रह के बराबर है।

यह दो तारों की परिक्रमा कर रहा है और ये तारे भी एक दूसरे की परिक्रमा कर रहे हैं। इनमें से एक का आकार हमारे सूर्य का तिहाई है, जबकि दूसरा सूर्य के पांचवें हिस्से के बराबर है। प्रत्येक तारे को एक चक्र पूरा करने में 229 दिन का समय लगता है और प्रत्येक तीन हफ्ते पर एक दूसरे के पर ग्रहण उत्पन्न करते हैं।

इस दल के सदस्य और वाशिंगटन डीसी के कारनेजी इंस्ट्यिूशन फोर साइंस में अनुसंधानकर्ता अलान बोस के हवाले से मीडिया में कहा गया है दोनों तारों के एक दूसरे के अत्यंत निकट होने की वजह से कभी भी लगातार सूर्य का प्रकाश प्राप्त नहीं होता है।

मीडिया के मुताबिक, वे दोनों प्रत्येक 20.5 दिन में एक दूसरे के निकट ग्रहण के तौर आते हैं और उसके बाद अलग हो जाते हैं। अलगाव में बढ़ोतरी होने से वे अलग-अलग अवधियों में डूबते हैं। दल ने केप्लर अंतरिक्ष यान द्वारा संग्रहित आंकड़ों में असमान्य सिंग्नलों को देखकर इस ग्रह की खोज की।

लोभी दरजी

(बाल-कहानी)

एक था दरजां, एक थां दरांजन। दोनों लोभी थे। उनके घर कोई मेहमान आता, तो उन्हें लगता कि कोई आफत आ गई। एक बार उनके घर दो मेहमान आए। दरजी के मन में फिकर पैदा हो गई। उसने सोचा कि ऐसी कोई तरकीब चाहिए कि ये मेहमान यहां से चले जायें।

दरजी ने घर के अन्दर जाकर दरजिन से कहा, 'सुनो, जब मैं तुमको गालियां दूं, तो जवाब में तुम भी मुझे गालियां देना। और जब मैं अपना गज लेकर तुम्हें मारने दौड़ू तो तुम आटे वाली मटकी लेकर घर के बाहर निकल जाना। मैं तुम्हारे पीछे-पीछे दौड़ूगा। मेहमान समझ जायेंगे कि इस घर में झगड़ा है, और वे वापस चले जायंगे।'

दरजिन बोली, 'अच्छी बात है।'

कुछ देर के बाद दरजी दुकान में बैठा-बैठा दरजिन को गालियां देने लगा। जवाब में दरजिन ने भी गालियां दीं। दरजी गज लेकर दौड़ा। दरजिन ने आटे वाली मटकी उठाई और भाग खड़ी हुई।

मेहमान सोचने लगे, 'लगता है यह दरजी लोभी है। यह हमको खिलाना नहीं चाहता, इसलिए यह सारा नाटक कर रहा है। लेकिन हम इसे छोड़ेंगे नहीं। चलो, हम पहली मंजिल पर चलें और वहां जाकर-सो जाएं। मेहमान ऊपर जाकर सो गए। यह मानकर कि मेहमान चले गए होंगे, कुछ देर के बाद दरजी और दरजिन दोनों घर लौटे। मेहमानों को घर में न देखकर दरजी बहुत खुश हुआ और बोला, 'अच्छा हुआ बला टली।'

फिर दरजी और दरजिन दोनों एक-दूसरे की तारीफ करने लगे।

दरजी बोला, 'मैं कितना होशियार हूं कि गज लेकर दौड़ा!'

दरजिन बोली, 'मैं कितनी फुरतीली हूं कि मटकी लेकर भागी।'

मेहमानों ने बात सुनी, तो वे ऊपर से ही बोले, 'और हम कितने चतुर हैं कि ऊपर आराम से सोए हैं।'

सुनकर दरजी-दरजिन दोनों खिसिया गए। उन्होंने मेहमानों को नीचे बुला लिया और अच्छी तरह खिला-पिलाकर बिदा किया।

मिल गयी दूसरी पृथ्वी?

यूरोपीय खगोलविदों ने एक अमेरिकी सम्मेलन में, हमारी सौर प्रणाली के बाहर 50 अन्य ग्रहों की खोज की घोषणा की है। इन ग्रहों में सर्वाधिक दिलचस्प वह ग्रह है, जिसे खगोलविदों ने रहने योग्य क्षेत्र या गोल्डीलॉक्स जोन बताया है।

अनुसंधानकर्ताओं का कहना है कि यह ग्रह न तो बहुत गर्म है और न ही इतना अधिक ठण्डा है कि वहाँ पानी मौजूद न रहे। किसी भी ग्रह मे पानी की मौजूदगी का मतलब है उस ग्रह पर पृथ्वी की तरह जीवन के लिए अनकूलता। पहले ऐसे गोल्डीलॉक्स ग्रहों की खोज में केवल एक ही ग्रह का पता चला था। यह खोज 2007 में हुई थी।

नए ग्रह के साथ एक तारामंडल का भी पता चला है। नए ग्रह का द्रव्यमान पृथ्वी के द्रव्यमान की तुलना में 3.6 गुना अधिक है। इस ग्रह में अत्यधिक आर्द्रता के साथ तापमान 85 से 120 डिग्री (30 से 50 डिग्री सेल्सियस) हो सकता है। इस अध्ययन से जुड़ी, जर्मनी के मैक ?स प्लैंक इंस्टीटयूट की खगोलविद लीजा कैटनेजर ने कहा है कि यहां बहुत उमस होगी। हम यह नहीं कह रहे हैं कि यह आपके और मेरे रहने योग्य है, लेकिन हो सकता है कि यहाँ जीवन शायद छोटा हो या अन्य ग्रहों के प्राणी यहाँ हों। ये प्राणी शायद मानव की तुलना में भूमि के अधिक करीब हों क्योंकि पृथ्वी जैसे इस विशाल गृह में गुरूत्व हमारे ग्रह के गुरूत्व की तुलना में 1.4 गुना अधिक है।

खगोलविद मान रहे हैं कि यह ग्रह रहने योग्य है। इसका कम से कम 60 फीसदी भाग बादलों से ढ़का है। पृथ्वी का करीब 50 फीसदी भाग बादलों से ढ़का है। इसलिए 60 फीसदी असामान्य नहीं है। नए ग्रह का नाम एचडी-85512बी रखा गया है। यह उस तारे के वलयों के समीप है, जिसकी दूरी पृथ्वी में मौजूद तारामण्डल वेला से 35 प्रकाश वर्ष है। एक प्रकाश वर्ष का मतलब प्रकाश द्वारा एक वर्ष में चली गयी कुल दूरी होती है। यह लगभग 5.8 खरब मील होता है।

इस ग्रह में एक वर्ष में 60 दिन होते हैं। जीवन के लिए यह ग्रह अत्यधिक गर्म नहीं है और इसका कारण यह है कि इसका सूर्य हमारे सूर्य की तुलना में करीब 1800 डिग्री ठण्डा है। इन नए ग्रहों की खोज यूरोपियन सदर्न आब्जर्वेटरी से की गयी, जो चिली में है। इस खोज ने बृहस्पति जैसे ग्रहों की तुलना में पृथ्वी से अधिक मिलते-जुलते द्रव्यमान वाले ग्रहों की संख्या दोगुनी कर दी है।

नानी पड़ी हाथी पर भारी

लोक कथाए

एक घने जंगल में नदी किनारे छोटा-सा खरगोश रहता था। उस नदी का पानी मीठा व ताजा था। बहुत दिनों तक वर्षा न होने के कारण नदी-नाले सूखने लगे लेकिन वो नदी नहीं सूखी उस नदी में अभी बहुत जल था। घूमते-घूमते एक हाथी वहां आ पहुंचा। पानी देखते ही हाथी ने छलांग लगा दी और जी-भरकर स्नान किया और खरगोश से बोला-'देखो जी, यह नदी मेरी है।

यहां मैं और मेरा परिवार ही पानी पी सकते हैं। हाथी ने खरगोश को उस नदी की रखवाली के लिए नियुक्त किया। खरगोश इतने बड़े हाथी को देखकर पहले घबराया फिर विनय से बोला-'हाथी दादा, मेरी भी एक शर्त है?' 'वह क्या? हाथी ने मस्ती में पूछा।' 'मेरे भोजन का इंतजाम आप करेंगे, क्योंकि मैं तो पानी की रखवाली करूंगा।' हाथी खुशी-खुशी मान गया। अगले दिन हाथी परिवार के साथ वहां आ पहुंचा। वह खरगोश के लिए बहुत-सी गाजरें व हरी घास लाया था। बुद्धू हाथी इतना भी नहीं जानता था कि छोटा-सा खरगोश इतना सारा भोजन कैसे खा सकता है?

खैर, खरगोश भी कम चालाक न था। उसने सारा सामान भविष्य के लिए संभाल लिया। हाथी और उसके बच्चों ने खूब हुड़दंग मचाया और चले गए। शाम को कई छोटे-छोटे जीव पानी पीने आए किंतु खरगोश ने हाथी का डर दिखाकर उन्हें भगा दिया।

इसी तरह कई दिन तक वह भोजन इकट्ठा करता रहा और हाथी के पानी की रखवाली करता रहा। बेचारे छोटे-छोटे पशु-पक्षी प्यास से तड़पने लगे। एक दिन खरगोश की नानी आ पहुंची। वह प्यास के मारे बेदम थी। बहुत-सा पानी पीकर बोली, 'रास्ते में एक नदी पर पानी पीने रुकी तो एक बंदर ने रोक लिया और बोला कि यह ऊंट की नदी है। यहां तुम पानी नहीं पी सकतीं।'

खरगोश ने सुना तो उसने बंदर को खूब भला-बूरा कहा। नानी जानती थी कि उसका खरगोश भी हाथी की नदी की रखवाली करता है, जिसके कारण पशु-पक्षी परेशान हैं. वह खरगोश से बोली, 'जानते हो बेटा, यदि मुझे थोड़ा पानी न मिलता तो मैं मर जाती।' 'नहीं नानी, ऐसा मत कहो' छोटा खरगोश नानी से चिपक गया। नानी ने प्यार से समझाया-'बेटे, नदी के पानी पर सभी जीवों का बराबर का अधिकार है। यह पानी हमें भगवान ने दिया है ताकि उसे पीकर हम अपने प्राणों की रक्षा कर सकें. फिर भला हाथी, नदी का मालिक कैसे बन सकता है?' नानी ने खरगोश को एक तरकीब बता दी। अगली सुबह जब हाथी आया तो खरगोश फुदका-'हाथी दादा, ऊंट आया था। वह कहता है कि इस नदी का पानी भी उसका है। इसे कोई हाथ नहीं लगाएगा।' सुनते ही हाथी दादा आग-बबूला हो गए। वे सीधे ऊंट के पास पहुंचे और भिड़ गए। कुछ ही देर में दोनों शक्तिशाली जानवर घायल होकर विपरीत दिशाओं में भाग गए। दोनों नदियों का पानी सभी जीवों को मिलने लगा। फिर नानी ने छोटे खरगोश को गोद में बिठाकर प्यार किया और कहा- 'वह भोजन जो तुमने हाथी दादा से इकट्ठा किया था, वह सब खरगोशों में बांट दो। लालच में बटोरा गया भोजन हजम नहीं होता' उस शाम नदी के किनारे जंगल के सभी छोटे खरगोशों की दावत हुई। नानी ने सबको अच्छी-अच्छी बातें बताईं। छोटे खरगोश की कहानी से सबने सबक लिया कि वह कभी भी किसी बड़े जानवर से डरकर छोटे जीवों को कष्ट नहीं देंगे। लालच से भी बचकर रहेंगे

हास्य

संता को आए बुरे सपने

संता को हर रात बुरे सपने आ रहे थे। उसने डॉक्टर के पास जाने की सोची।

डॉक्टर ने पूछा, 'हां, तो आप सपने नें क्या देखते हैं?'

संता: मैं देखता हूं कि खून पीने वाले चमगादड़ मेरा पीछा कर रहे हैं। डॉक्टर को मन ही मन हंसी आ गई। उसने फिर पूछा, 'इस सपने का दृश्य कैसा था?'

संता: मैं हॉल में दौड़ रहा था और सभी चिमगादड़ मेरा पीछा कर रहे थे।

डॉक्टर: फिर क्या हुआ?

संता: यही तो अजीब बात थी! हर बार मैं एक ही चीज देखता हूं, मैं हर बार भाग कर दरवाजे तक जाता हूं पर दरवाजा नहीं खोल पाता। मैं दरवाजे पर धक्के मारता रहता हूं पर दरवाजा जरा भी नहीं खुलता!

डॉक्टर: क्या दरवाजे पर कुछ लिखा हुआ भी देखा था?

संता: अरे हां। लिखा था, 'दरवाजा अंदर की तरफ खींचें'।

क्या आप जानते हैं।

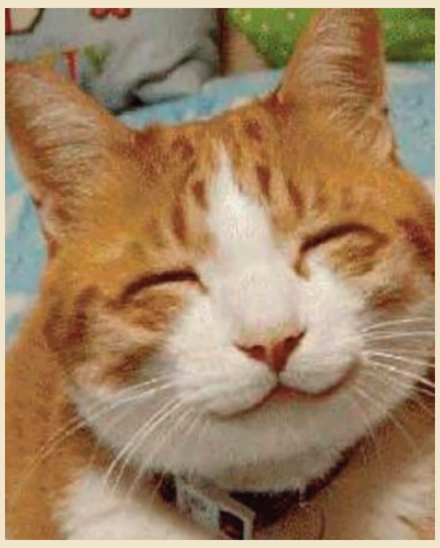

- किसी भी सामान्य आकार के कागज को 7 से अधिक बार दोहरा मोड़ा (folded in half) नहीं जा सकता।
- एक रानी मधुमक्खी प्रतिदिन 1500 अण्डे देती है।
- केवल हाथी ही 4 घुटनों वाला एक मात्र जानवर है।
- जब बिल्लियाँ खुश होती हैं तो वे अपनी आँखें बंद कर लेती हैं।
- हिन्दी वेबसाइटसमस्त विश्व में प्रतिवर्ष लगभग 500,000 पता लगाए जा सकने वाले भूकंप आते हैं जिनमें से लगभग 100,000 का अनुभव किया जा सकता है और लगभग 100 विनाशकारी होते हैं।
- शरीर में केवल जीभ ही एक ऐसी मांस पेशी (muscle) जो केवल एक ओर से जुड़ी होती है।
- मनुष्य अपने द्वारा देखे गए सपनों में से 90प्रतिशत को भूल जाता है।
- सोचते समय हम अपने दिमाग के लगभग 35प्रतिशत भाग का ही प्रयोग करते हैं।
- रंगीन टीवी आने के बाद से लोगों को आने वाले सपनों में श्वेत श्याम (black and white) सपनों की संख्या कम हो गई है।क्या आप जानते हैं।

'गुब्बारे' जैसे हवाई जहाज में होगी माल ढुलाई

लंदन। इस दशक के आखिर तक माल ढुलाई की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव आ जाएगा और गुब्बारे जैसे विमानों (एयरशिप) से माल ढुलाई की जाने लगेगी।

अमेरिका का नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन हवाई जहाजों की नई पीढ़ी का विकास कर रहा है। अगले साल तक इसका प्रारम्भिक प्रारूप बन कर तैयार हो जाने की उम्मीद है। इसके विकास के बाद ट्रकों, ट्रेनों और पानी के जहाजों की जगह इन गुब्बारे जैसे विमानों से सैकड़ों टन माल की ढुलाई की जाने लगेगी।

परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि ये जहाज 2020 तक बन कर तैयार हो जाएंगे।

इस प्रकार के जहाजों का उपयोग 1920 और 1930 के दशक में काफी होता था, लेकिन अनेक दुर्घटनाओं के बाद इनकी लोकप्रियता घट गई। न्यूजर्सी में 1937 में हिंडेनबर्ग दुर्घटना में 36 लोग मारे गए थे।

गुब्बारे जैसे इन विमानों का प्रारूप कैलीफोर्निया की कम्पनी एरोस में तैयार किया जा रहा है।

पिंक पैरट फ्लावर

हरे रंग का तोता तो आप सभी ने देखा ही होगा, लेकिन क्या आपने कभी गुलाबी रंग का तोता देखा है? अगर नहीं, तो आज हम आपको इस गुलाबी तोते के बारे में बता रहे हैं। दरअसल, यह एक फूल है, जो देखने में बिलकुल ऐसा लगता है जैसे कोई तोता उड़ रहा हो। इसी कारण इसे 'पैरट फ्लावर' कहते हैं।

पैरट फ्लावर कुदरत की कई खूबसूरत रचनाओं में से एक है। यह तोते और फूल का सुंदर व दुर्लभ संयोजन है। पौधे पर लटकते हुए नाजुक पैरट फ्लावर को आप किसी भी कोण (एंगल) से देखें, आपको वे गुलाबी तोते जैसे ही दिखाई देंगे। यह फूल छह फुट तक ऊंचा हो सकता है। थाईलैंड के किसी फोटोग्राफर द्वारा इसकी तस्वीरें नेट पर डालने से पहले अधिकतर लोग यही मानते थे कि वास्तव में ऐसा कोई फूल नहीं हो सकता। इस प्लांट की बोटैनिकल वर्ल्ड से पहचान 1901 में बोटैनिस्ट ईडी हूकर ने करवाई थी। हूकर ने सबसे पहले यह प्लांट भारत के एक पूर्वी राज्य में देखा था। जहां से वह इसके बीजों को लंदन के रॉयल बोटैनिक गार्डन क्यू ले गए, लेकिन पहले साल के बाद इन बीजों ने पुर्नउत्पादन नहीं किया।

पैरट फ्लावर का वैज्ञानिक नाम 'इम्पेशंस पिस्ताचिना' है। पिस्ताचिना शब्द का अर्थ है- तोते जैसा। यह बहुत दुर्लभ प्लांट है, जो सिर्फ बर्मा के कुछ इलाकों और उत्तरी थाईलैंड के छोटे से हिस्से (चियांग माई के पास) और भारत के एक पूर्वी राज्य में ही पाया जाता है। पैरट फ्लावर की खेती करने वालों का कहना है कि इसे उगाना बहुत मुश्किल है। इसके लिए मिट्टी भी खास किस्म की जरूरी होती है। यह अक्तूबर और नवंबर के महीने में खिलता है। यह ऊष्णकटिबंधीय, आद्र और नम वातावरण में होता है। यदि आप सोच रहे हैं कि आप भी अपने घरों में इस फूल को लगाएंगे, तो आप जान लीजिए, ऐसा संभव नहीं है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति इसे खरीद नहीं सकता। चूंकि ये बहुत दुर्लभ फूल हैं, इसलिए थाईलैंड में इसे सुरक्षित फूल का दर्जा दिया गया है। यही कारण है कि फूल या इसके बीजों का निर्यात थाईलैंड में संघीय अपराध माना जाता है।

हम बताएं, आप बनाएं

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

पारिवारिक सदस्यों के साथ सुकून भरे और शांत दिन का लुत्फ़ लें। अगर लोग परेशानियों के साथ आपके पास आएँ तो उन्हें नज़रअंदाज़ करें और उन्हें अपनी मानसिक शांति भंग न करने दें। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

सेहत से जुड़ी समस्याएँ आपके लिए परेशानी का सबब बन सकती हैं। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपकी ऊर्जा का स्तर ऊँचा रहेगा– क्योंकि आपका प्रिय आपने लिए बहुत सारी ख़ुशी की वजह साबित होगा। यह ऐसा दिन है जब आप खुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा । सितारे इशारा कर रहे हैं कि किसी नज़दीकी स्थान की यात्रा हो सकत है। यह सफ़र मज़ेदार रहेगा और आपके प्रिय लोगों का साथ मिलेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

बच्चे आपकी शाम को ख़ुशी की चमक लाएंगे । जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक्कतें आ सकती हैं। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। आपके जीवन–साथी की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे। आपके और आपके जीवनसाथी के बीच कोई बाहरी व्यक्ति दूरी पैदा करने की कोशिश कर सकता है, लेकिन आप दोनों चीज़ें संभाल लेंगे। अगर आप थोड़ी कोशिश करें तो आपका दिन कुछ इसी तरह गुज़रेगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

जीवन–साथी ख़ुशी की वजह साबित होगा। अगर आप यात्रा पर जाने वाले हैं तो अपने कीमती सामान का ध्यान रखें उसके चोरी होने की संभावना है। खासकर अपने पर्स को आज बहुत संभालकर रखें। आज रात को जीवनसाथी के साथ खाली वक्त बिताते समय आपको लगेगा कि आपको उन्हें और भी वक्त देना चाहिए। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे। आपकी बातों को आपके घर वाले आज गौर से नहीं सुनेंगे इसलिए आज उनपर आपका गुस्सा फूट सकता है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के ज़रिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में भली–भांति जाँच–पड़ताल कर लें। आज आप–को अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। शाम ढलते–ढलते कोई आकस्मिक रुमानी झुकाव आपके दिलोदिमाग़ पर छा सकता है। महत्वपूर्ण लोगों के साथ बातचीत करते वक़्त अपने शब्दों को ग़ौर से चुनें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

ज़िंदगी की ओर एक उदार रवैया अपनाएँ। अपने हालात की शिकायत करने और उसे लेकर दुःखी होने से कुछ हासिल नहीं होने वाला। कुल मिलाकर फ़ायदेमंद दिन है। लेकिन आप समझते थे जिसपर आप आँखें बंद करके यक़ीन कर सकते हैं, वह आपके भरोसे को तोड़ सकता है। अगर आप कोशिश करें तो आप अपने जीवनसाथी के साथ अपने जीवन का सबसे अच्छा दिन आज गुज़ार सकते हैं। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा, क्योंकि यह मुफ़्त भी है और अच्छी एक्सरसाइज़ भी।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपका तेज़ काम आपको प्रेरित करेगा। सफलता हासिल करने के लिए समय के साथ अपने विचारों में बदलाव लाएँ। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। अपने प्रिय से कुछ भी तल्ख़ कहने से बचें– नहीं तो बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा। जीवन की परेशानियों को दूर करने के लिए आज आप किसी मनोवैज्ञानिक चिकित्सक से मिल सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सुकून हासिल करने लिए कुछ पल क़रीबी दोस्तों के साथ बिताएँ। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। खुशी आपके अंदर ही छुपी है आज बस आपको अपने अंदर झांकने की जरुरत है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप उन योजनाओं में निवेश करने से पहले दो बार सोचें जो आज आपके सामने आयी हैं। मनोरंजन से जुड़ी गतिविधियाँ मज़ेदार रहेंगी, अगर पूरे परिवार की उसमें सहभागिता हो। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। रोज़मर्रा की ज़रूरतें पूरी न होने से आपके वैवाहिक जीवन में तनाव संभव है। खाना, साफ़–सफ़ाई या कोई और घरेलू चीज़ इसका कारण हो सकती है। स्वास्थ्य को दुरुस्त करने के लिए आज किसी पार्क या जिम में आप जा सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा–ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। शाम के समय अपने जीवनसाथी के साथ बाहर खाना या फ़िल्म देखना आपको सुकून देगा और ख़ुशमिज़ाज बनाए रखेगा। आज के दिन आप भी उस संगीत को सुन सकेंगे, जो दुनिया के बाक़ी सभी गीतों को भुलवा देगा। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है; आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।आपकी खूबियां आज लोगों को बीच आपको प्रशंसा का पात्र बनाएंगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें और महज़ मूक दर्शक न बने रहें। आपका व्यक्तित्व और लोगों से थोड़ा अलग है आप अकेले वक्त बिताना पसंद करते हैं। आज आपको अपने लिए वक्त तो मिलेगा लेकिन ऑफिस की कोई समस्या आपको सताती रहेगी। जीवनसाथी की वजह से आपकी कोई योजना या कार्य गड़बड़ हो सकता है; लेकिन धैर्य बनाए रखें।

आज का पंचांग

दिनांक : 29 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 09:17 तक
नक्षत्र : आश्लेषा प्रातः 06:35 तक
योग : वज्र सायं 05:58 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:17 तक
चन्द्रराशि : कर्क प्रातः 06:35 तक
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:49 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:48 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:37, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल चालू है , विनायक चतुर्थी व्रत ,
भद्रा प्रातः 09:15 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

युवा मॉक पार्लियामेंट नीति-निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला : सैनी

चंडीगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, यह लोकतंत्र का उत्सव और नीति–निर्माण की एक जीवंत प्रयोगशाला है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस मॉक पार्लियामेंट के माध्यम से देश को यह स्पष्ट संदेश दें कि लोकतंत्र की रक्षा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज गुरुग्राम में आयोजित युवा मॉक पार्लियामेंट में युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवा मॉक पार्लियामेंट केवल एक शैक्षणिक अभ्यास भर नहीं है, बल्कि आज के दिन को संविधान हत्या दिवस के रूप में भी याद करते हुए, आपातकाल के उस काले अध्याय पर विमर्श करने का अवसर है, जिसने लोकतंत्र की आत्मा को कुचलने का दुस्साहस किया था। गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुग्राम की धरती पर आयोजित यह कार्यक्रम न केवल युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है, बल्कि लोकतंत्र की एक सशक्त प्रयोगशाला के रूप में इसकी भूमिका अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि गुरु द्रोण की इस पावन भूमि और मिलेनियम सिटी के रूप में प्रसिद्ध गुरुग्राम ने हमेशा नवाचार और आकांक्षा की भावना को आगे बढ़ाया है। आज का यह आयोजन इस शहर की पहचान को और अधिक सशक्त करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे आप जैसे ऊर्जावान युवाओं को देखते हैं, तो विकसित भारत और विकसित हरियाणा का संकल्प और भी सुदृढ़ हो जाता है। उन्होंने कहा कि अमृतकाल की यह पीढ़ी ही वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में अग्रसर करेगी। इस लक्ष्य की प्राप्ति में युवा मॉक पार्लियामेंट मील का पत्थर साहिब होगी। संसद में गूंजने वाला हर शब्द और बनने वाला हर कानून देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को करता है प्रभावित

नायब सिंह सैनी ने युवाओं से कहा कि वे संसद को केवल एक इमारत के रूप में न देखें बल्कि उसे 140 करोड़ देशवासियों की आकांक्षाओं के केंद्र के रूप में समझें। संसद में गूंजने वाला हर शब्द और बनने वाला हर कानून देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करता है। इस युवा मॉक पार्लियामेंट का उद्देश्य केवल संसदीय प्रक्रियाओं की नकल भर करना नहीं है बल्कि उस भावना को आत्मसात करना है जो भारतीय लोकतंत्र को विशिष्ट बनाती है।

मुख्यमंत्री ने युवाओं को प्रेरित किया कि वे किसी भी विषय पर बोलते समय गहन अध्ययन करें और तथ्यों व आंकड़ों के आधार पर अपनी बात रखें। जब वे सरकार की किसी नीति का समर्थन करें, तो उसके पीछे की सोच और उसके दूरगामी परिणामों को अवश्य समझाएं। उन्होंने कहा कि विरोध करना लोकतंत्र का अधिकार है लेकिन केवल विरोध के लिए विरोध नहीं बल्कि समाधान और विकल्प के साथ रचनात्मक आलोचना ही लोकतंत्र की असली ताकत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए न कि अवरोध।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत वह देश नहीं रहा जो दुनिया से मदद मांगता था बल्कि अब भारत वैश्विक समस्याओं के समाधान में भागीदार बन चुका है। उन्होंने कहा कि रक्षा, डिजिटल, स्टार्टअप, टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, स्पेस टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सेमीकंडक्टर मिशन जैसे क्षेत्रों में भारत अब वैश्विक मंच पर अग्रणी स्थान प्राप्त कर रहा है। युवा संकल्प लेकर एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक मजबूत करें मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे युवा मॉक पार्लियामेंट से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में चार महत्वपूर्ण संकल्प अपनाएं। वे देश के किसी भी एक ज्वलंत मुद्दे पर गहन अध्ययन करें और उसके समाधान के लिए समाज में जागरूकता फैलाएं। अपने जीवन में किसी भी प्रकार के शॉर्टकट को न अपनाएं। परिवारवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारें और एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को और अधिक मजबूत करें।

खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि वर्ष 1975 में लगाए गए आपातकाल को केवल आपातकाल कहना उस दौर की क्रूरता को कम करके आंकना होगा। असल में वह अन्याय काल था, जब संविधान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आम नागरिकों के अधिकारों का बेरहमी से दमन किया गया। जब कोई चुना हुआ प्रतिनिधि तानाशाही की राह पर चल पड़ता है और सत्ता के मद में संविधान तक की अवमानना करता है, तब लोकतंत्र पर जो कुठाराघात होता है, उसका सबसे बड़ा उदाहरण आपातकाल है। इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक, विधायक मुकेश शर्मा, तेजपाल तंवर, विमला चौधरी सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा सरकार ने किया सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन

सेवानिवृत्त मुख्य सचिव संजीव कौशल होंगे अध्यक्ष

चंडीगढ़, 28 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य, पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) और शहरी स्थानीय निकायों के बीच वित्तीय संसाधनों के वितरण की समीक्षा और सिफारिश करने के लिए सातवें राज्य वित्त आयोग का गठन किया है। हरियाणा के पूर्व मुख्य सचिव संजीव कौशल को आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि आईएएस अधिकारी अंशज सिंह इसके सदस्य सचिव होंगे। अन्य सदस्यों की नियुक्ति बाद में की जाएगी। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। आयोग राज्य सरकार और जिला परिषदों, पंचायत समितियों तथा ग्राम पंचायतों के बीच करों, शुल्कों, उपकरों और टैक्सों की शुद्ध आय के वितरण के लिए सिद्धांतों की सिफारिश करेगा। साथ ही, यह भी बताएगा कि किन करों और शुल्कों को पंचायती राज संस्थाओं को सौंपा या उनके द्वारा संग्रहित किया जा सकता है। इसके अलावा, आयोग राज्य के कंसोलिडेटेड फंड से पीआरआई को दिए जाने वाले अनुदानों और उनकी वित्तीय स्थिति को सुधारने के उपायों पर भी सिफारिश करेगा।

इसी तरह, आयोग शहरी स्थानीय निकायों के बारे में भी सुझाव देगा, जिसमें नगरपालिकाओं और राज्य सरकार के बीच करों और शुल्कों का वितरण, नगरपालिकाओं को सौंपे जाने योग्य करों की पहचान करना, उन्हें मिलने वाले अनुदान और उनके वित्तीय सशक्तिकरण के लिए आवश्यक उपाय करना शामिल है। सातवां राज्य वित्त आयोग 31 मार्च, 2026 तक हरियाणा के राज्यपाल को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपेगा। यह रिपोर्ट वर्ष 2026–27 से 2030–31 तक पांच वर्ष की अवधि को कवर करेगी और स्थानीय शासन की वित्तीय रूपरेखा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार 28 जून, 2025 को राजभवन में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय पी.वी. नरसिम्हा राव को उनकी जयंती के अवसर पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राज्यपाल ने उनके ऐतिहासिक योगदान को याद किया।श्री दत्तात्रेय ने कहा कि स्व. श्री पी.वी. नरसिम्हा राव के दूरदर्शी नेतृत्व ने भारत को आर्थिक उदारीकरण के युग में प्रवेश कराया। उनकी नीतियों ने देश को वैश्विक बाजार संचालित अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया, जिसने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दिलाई। राज्यपाल ने कहा कि स्वर्गीय श्री पीवी नरसिम्हा राव, जिन्होंने तत्कालीन आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में भी कार्य किया, का नेतृत्व अर्थशास्त्र से परे था। उन्होंने महत्वपूर्ण चुनौतियों के दौर में भारत के राजनीतिक परिदृश्य को भी संभाला।

खड़े कैंटर में घुसी कार, तीन महिलाओं समेत चार की मौत

दौसा, 28 जून (एजेंसियां)। जयपुर–आगरा एनएच–21 पर कलेक्ट्रेट चौराहे के पास आरटीओ ऑफिस के सामने शुक्रवार देर रातखड़े कैंटर में पीछे से कार जा घुसी। हादसे में कार सवार तीन महिलाओं सहित 4 की मौत हो गई। कार में सवार लोग मेहंदीपुर बालाजी के दर्शन कर लौट रहे थे। परिवहन दल ने वसूली के लिए सड़क किनारे कैंटर को रोक रखा था, जिससे हादसा हो गया। हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए और कार कैंटर में फंस गई। सूचना मिलने पर डीएसपी रविप्रकाश शर्मा और कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंचे। कार को कैंटर से अलग कर शवों को आधे घंटे बाद निकाला जा सका। कार में फंसे हताहतों को काफी मशक्कत के बाद निकालकर जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया।

एसीबी अधिकारी पर ही एसीबी का शिकंजा

जयपुर में 48.85 लाख की नकदी, शराब और संदिग्ध दस्तावेज बरामद

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भ्रष्टाचार के विरुद्ध अभियान चला रही भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। इस बार जाल में कोई सामान्य अधिकारी नहीं, बल्कि खुद एसीबी चौकी झालावाड़ में पदस्थापित अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा फंसे हैं। उनके पास से कुल 48.85 लाख रुपए की नकदी, अवैध रूप से संग्रहित विदेशी शराब की 85 बोतलें और संभावित रूप से कालेधन से खरीदी गई चल–अचल संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए गए हैं। गोपनीय निगरानी के बाद जाल में फंसे एएसपी एसीबी के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि ब्यूरो की जयपुर इकाई को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना मिली थी कि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगराम मीणा झालावाड़ में पदस्थ होने के बावजूद वहां तैनात विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों से हर माह अवैध सुविधा शुल्क और मासिक वसूली करता रहा है। इतना ही नहीं, उन्हें भ्रष्टाचार करने की मौन स्वीकृति और संरक्षण देने का भी आरोप है।

न अस्थियाँ बहाईं, न पाँव में पहनी चप्पल

तीन साल से इंतजार कर रहा कन्हैया लाल का बेटा, अब तक नहीं मिला न्याय

उदयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। उदयपुर में 25 जून 2025 को हुए चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड को तीन साल बीतने वाले हैं। लेकिन अब तक उन्हें इंसाफ नहीं मिल सका है। 28 जून 2022 को हुए इस हत्याकांड ने पूरे देश को झकझोर दिया था। कन्हैयालाल तेली पेशे से दर्जी थे। उनकी दुकान पर दिनदहाड़े गला रेतकर उन्हें मौत के घाट उतार दिया गया था। कन्हैयालाल के बड़े बेटे यश तेली पिता के निधन के तीन साल बाद आज भी न्याय और इंसाफ की उम्मीद लिए बैठे हुए हैं। पिता की हत्या के बाद यश ने तीन प्रण लिये थे। इसी प्रण के तहत उन्होंने अब तक न पिता की अस्थियों का विसर्जन किया है। न ही अपने बाल कटवाए हैं और न ही पैरों में चप्पल पहनी है।बीते तीन साल से यश बिना जूते–चप्पल के नंगे पैर रहते हैं। यश का कहना है कि जब तक पिता के हत्यारों को फाँसी की सजा नहीं मिल जाती। वह अपना कोई भी प्रण नही तोड़ेंगे।क्या था मामला?28 जून 2022 को उदयपुर के हथीपोल क्षेत्र में कन्हैयालाल की सिलाई की दुकान पर आरोपित मोहम्मद रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद ग्राहक बनकर आए थे।

कन्हैयालाल जब उनकी नाप ले रहे थे उसी समय दोनों ने उन पर पर धारदार हथियार से हमला किया और उनकी हत्या कर दी।इतना ही नहीं, इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया। वायरल वीडियो में दोनों आरोपितों ने हत्या करने की बात भी स्वीकार की थी। हत्या करने के पीछे दोनों ने कन्हैयालाल द्वारा इस्लाम का अपमान करने का हवाला दिया था।दरअसल कन्हैयालाल ने पूर्व बीजेपी प्रवक्ता नूपुर शर्मा के पैगंबर मोहम्मद पर विवादित बयान का समर्थन करने वाली पोस्ट शेयर की थी। दोनों ने इसे ही हत्या का कारण बताया। मनबढ़ हत्यारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी धमकी दी थी। इस घटना के बाद उदयपुर में इंटरनेट सेवा सस्पेंड कर कर्फ्यू लगा दिया गया था।

मामले में अब तक क्या–क्या हुआ? बेटे यश ने नेताओं पर लगाया झूठे वादे करने का आरोपघटना के बाद राजस्थान पुलिस ने रियाज अत्तारी और गौस मोहम्मद को राजसमंद जिले से गिरफ्तार कर लिया था। बाद में 29 जून 2022 को राष्ट्रीय जाँच एजेंसी ने मामले की जाँच शुरू की।एजेंसी ने इसे आतंकी घटना करार देते हुए गैरकानूनी गतिविधियाँ (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। और मुख्य आरोपितों सहित कुल 9 आरोपितों को गिरफ्तार किया। इन आरोपितों में मोहम्मद जावेद, फरहाद मोहम्मद, मोहसिन,आसिफ, मोहम्मद मोहसिन, वसीम अली और मुस्लिम मोहम्मद शामिल रहे। वहीं दो अन्य आरोपितों में पाकिस्तान के कराची के रहने वाले सलमान और अबू इब्राहिम आज भी फरार हैं।गिरफ्तार हुए 9 आरोपितों में से दो आरोपितों को राष्ट्रीय जाँच एजेंसी की विशेष अदालत ने जमानत दे दी। अदालत ने कहा कि आरोपित फरहाद मोहम्मद उर्फ बबला को जमानत इसलिए दी गई, क्योंकि उस पर केवल आर्म्स एक्ट के तहत मामला था और कोई हथियार बरामद नहीं हुआ था। वहीं, 5 सितंबर 2024 को राजस्थान हाईकोर्ट ने मोहम्मद जावेद को जमानत दी, क्योंकि राष्ट्रीय जाँच एजेंसी उसकी लोकेशन या उसके खिलाफ कोई ठोस सबूत पेश नहीं कर सकी।कन्हैयालाल के बड़े बेटे यश का कहना है कि अभी तक इस मामले को फास्ट ट्रैक में नहीं लिया गया है। 6 महीने से कोई पेशी भी नहीं हुई है। उनका कहना है कि घटना के बाद राजनेताओं ने बड़े–बड़े वादे किए थे और आरोपितों को फाँसी की सजा दिलाने का भरोसा दिया था। लेकिन आज भी आरोपितों को सजा नहीं मिल पाई है और वे न्याय के इंतजार में बैठे हुए हैं।

राजस्थान सतत विकास के लक्ष्यों की वेबसाइट 2.0 की मुख्यमंत्री आज करेंगे लॉन्चिंग

जयपुर, 28 जून (एजेंसियां)। सांख्यिकी दिवस के अवसर पर रविवार सवेरे 11 बजे राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा शिरकत करेंगे। सांख्यिकी विभाग के निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव विनेश सिंघवी ने बताया कि सांख्यिकी दिवस की इस वर्ष की थीम '75ींह ूशरी`ष छर–ींळेपरश्र डराश्रिश डींींशू' रखी गई है। समारोह में विभाग द्वारा राज्य की महत्वपूर्ण सांख्यिकी के संदर्भ में प्रकाशित किये जाने वाले वार्षिक प्रकाशन स्टेटिस्टिकल ईयर बुक –2025', राजस्थान सतत विकास के लक्ष्यों पर रिपोर्ट –2025' का विमोचन तथा सतत विकास के लक्ष्यों पर वेबसाइट – 2.0 को लॉन्च किया जाएगा।

समारोह में सांख्यिकी सेवा के राज्य स्तरीय कार्यालयों में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारी, राजस्थान विश्वविद्यालय के आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के प्रोफेसर्स, विभिन्न एजेंसियों के प्रतिनिधि व सांख्यिकी के क्षेत्र से जुडे विभिन्न विषय विशेषज्ञों द्वारा भाग लिया जाएगा। इस अवसर पर राज्य में सांख्यिकी के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रो. पी.सी. महालनोबिस राज्य स्तरीय सांख्यिकी अवार्ड से भी सम्मानित किया जाएगा।

समारोह में आयोजित होने वाली कार्यशाला में विषय विशेषज्ञों द्वारा इस वर्ष की थीम व अन्य संबंधित विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिये जायेंगे। इसके अलावा राज्य के सभी जिलों में भी जिला आर्थिक एवं सांख्यिकी कार्यालयों द्वारा जिला स्तरीय सांख्यिकी दिवस समारोह एवं कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि प्रो. प्रशांत चन्द्र महालनोबिस द्वारा सांख्यिकी के क्षेत्र में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के उपलक्ष्य में उनके जन्म दिवस 29 जून को प्रतिवर्ष सांख्यिकी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आएंगी राष्ट्रपति मुर्मू

मुख्यमंत्री योगी ने लिया तैयारियों का जायजा

गोरखपुर, 28 जून (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक जुलाई को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय आएंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तैयारियों का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश दिए।

पिपरी में बने महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का लोकार्पण राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक जुलाई को करेंगी। राष्ट्रपति के आगमन से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को इस विश्वविद्यालय परिसर का हवाई सर्वेक्षण, स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा बैठक कर लोकार्पण समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने आयुष विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रपति की फ्लीट रूट, राष्ट्रपति के हाथों होने वाले पौधरोपण के स्थल, स्विस कॉटेज/सेफ हाउस, मुख्य मंच, दर्शक दीर्घा आदि की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और सुरक्षा, लोगों की सुविधा और स्वच्छता को लेकर जरूरी दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कुलपति और प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि वे राष्ट्रपति के अवलोकन के लिए आयुष विश्वविद्यालय का एक मॉडल भी बनवाएं। इसमें अकादमिक भवन, ओपीडी, आईपीडी, ओटी, पंचकर्म केंद्र आदि सभी क्षेत्र और विशेषताएं प्रदर्शित की जाएं। निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री ने आयुष विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस में राष्ट्रपति के आगमन से जुड़ी तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक भी की। स्थापना के चार साल के भीतर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के नाम उपलब्धियों की लंबी सूची है। पूरे प्रदेश में इसकी पहचान समयानुकूल, रोजगारपरक शिक्षा तथा आधुनिक एवं प्राचीन चिकित्सा के संगम के रूप में सुदृढ़ हुई है। 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के हाथों लोकार्पित इस विश्वविद्यालय में 1 जुलाई को वर्तमान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का आगमन होने जा रहा है। राष्ट्रपति यहां अकादमिक भवन, करीब पंद्रह सौ लोगों के बैठने की क्षमता के ऑडिटोरियम, ग्यारह कॉटेज वाले विश्व स्तरीय पंचकर्म केंद्र का लोकार्पण और एक हजार की क्षमता के गर्ल्स हॉस्टल का शिलान्यास करेंगी।

एमजीयूजी मॉडर्न मेडिकल एजुकेशन, आयुर्वेद चिकित्सा शिक्षा, नर्सिंग शिक्षा, फार्मेसी शिक्षा के साथ स्नातक और परा स्नातक के अत्याधुनिक रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन वाले एक बड़े राष्ट्रीय केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। यहां के आयुर्वेद कॉलेज में बीएएमएस की पढ़ाई विश्वविद्यालय स्थापना के पहले सत्र से ही हो गई थी जबकि मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस कोर्स का संचालन पिछले सत्र से हुआ है। यही नहीं, नर्सिंग एवं पैरा मेडिकल संकाय में दर्जनभर रोजगारदायी पाठ्यक्रम पूर्ण क्षमता से संचालित हैं। विश्वविद्यालय में एलाइड हेल्थ साइंसेज फार्मेसी, एग्रीकल्चर, व्यवसाय प्रबंधन से संबंधित डिप्लोमा से लेकर मास्टर डिग्री तक के दो दर्जन पाठ्यक्रम संचालित हैं।

विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह बताते हैं कि यहां के सभी पाठ्यक्रम रोजगारपरक हैं और उनकी बहुत मांग है। यहां भारतीय ज्ञान मूल्यों का संरक्षण व संवर्धन, वर्तमान और भावी समय को ध्यान में रखकर अनुसंधानिक तरीके से किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के परिप्रेक्ष्य में यहां पाठ्यक्रम ऐसे हैं जो समाज के लिए लाभकारी, विद्यार्थी के लिए सहज रोजगारदायी हैं। शिक्षा, चिकित्सा, कृषि अनुसंधान, रोजगार व ग्राम्य विकास के क्षेत्र में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय नेपाल, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजाति विश्वविद्यालय, एम्स गोरखपुर, केजीएमयू लखनऊ, आरएमआरसी गोरखपुर, महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद, वैद्यनाथ आयुर्वेद, इंडो-यूरोपियन चैंबर ऑफ स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय लखनऊ, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो, भारतीय बीज विज्ञान संस्थान, जुबिलेंट एग्रीकल्चर रूरल डेवलपमेंट सोसाइटी, लॉजिस्टिक सेक्टर स्किल काउंसिल आदि के साथ एमओयू किया है। इन एमओयू के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में विश्व स्तरीय शोध अनुसंधान के साथ ही स्टार्टअप को बढ़ावा मिलेगा।

कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव कहते हैं कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय की नींव में युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज व राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज के विचार हैं, जिनका मानना था कि दासता से मुक्ति, स्वावलंबन व सामाजिक विकास के लिए शिक्षा ही सबसे सशक्त माध्यम है। वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं इस विश्वविद्यालय के कुलाधिपति योगी आदित्यनाथ भी इसी वैचारिक परंपरा के संवाहक हैं। उनके मार्गदर्शन में इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य भारतीय ज्ञान मनीषा के आलोक में मूल्य संवर्धित, रोजगारपरक उस शिक्षा को बढ़ावा देना है जो समग्र रूप में सामाजिक व राष्ट्रीय हितों का पोषण कर सके। एमजीयूजी के कुलाधिपति (गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री) योगी आदित्यनाथ की मंशा 2032 तक गोरखपुर को 'नॉलेज सिटी' के रूप में ख्यातिलब्ध कराने की है और इसमें एमजीयूजी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को अग्रसर है।

योगी सरकार 2025 में कराएगी एक लाख जोड़ों का सामूहिक विवाह

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बेटियों को विवाह में सहयोग देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना को योगी सरकार ने और अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनहितकारी रूप दे दिया है। सरकार ने इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष एक लाख से अधिक जोड़ों के विवाह कराने का लक्ष्य तय किया है। इस योजना को सख्त निगरानी और तकनीकी माध्यम से जोड़ते हुए लाभार्थियों तक पहुंचाने की व्यापक रणनीति बनाई गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने योजना में वित्तीय सहायता राशि को दोगुना किए जाने के बाद अब इस योजना की निगरानी व्यवस्था को भी और मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। योगी सरकार वित्तीय वर्ष 2025-26 से हर जोड़े पर एक लाख रुपए खर्च कर रही है। सीएम योगी ने कई बार कहा है कि यह योजना सिर्फ विवाह कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक सम्मान, पारदर्शिता और जरूरतमंदों को सशक्त करने की दिशा में एक सार्थक कदम है।

समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि अब योजना को तकनीकी माध्यम से और अधिक सरल, सुलभ और पारदर्शी बनाया जा रहा है ताकि वास्तविक लाभार्थियों तक इसका फायदा पहुंच सके। इसके लिए आवेदन प्रक्रिया से लेकर सामग्री आपूर्ति तक के सभी चरणों को डिजिटल निगरानी में लाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उपहारों की गुणवत्ता और वितरण को लेकर भी विशेष व्यवस्था की गई है। अब फर्मों का चयन जिला नहीं, बल्कि निदेशालय स्तर से किया जाएगा, जिससे किसी भी स्तर पर गड़बड़ी की संभावना को खत्म किया जा सके।

सामूहिक विवाह कार्यक्रमों में पारदर्शिता और जवाबदेही बनाए रखने के लिए सरकार ने जनपदों में ऑब्जर्वर तैनात करने का निर्णय लिया है। इसके तहत एक जिले के समाज कल्याण अधिकारी को दूसरे जिले में ऑब्जर्वर के रूप में भेजा जाएगा। मंडलीय उपनिदेशक और जिला समाज कल्याण अधिकारी की उपस्थिति विवाह समारोहों में अनिवार्य होगी। कार्यक्रम की निगरानी के लिए आब्जर्वर सीधे निदेशालय या मंडलीय उपनिदेशक को रिपोर्ट करेंगे। यह प्रणाली यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी अनियमितता छिप न सके। अब ऑनलाइन आवेदन से पहले कन्या के आधार सत्यापन में लापरवाही पर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। इसके साथ ही विवाह स्थल पर वर-वधू दोनों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होगी, ताकि फर्जीवाड़ा रोका जा सके।

शासन स्तर से जनपदीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द पात्र लाभार्थियों की सूची तैयार की जाए और इस संबंध में समर्पित अभियान चलाया जाए, जिससे हर वास्तविक पात्र को योजना का लाभ मिल सके। शासन स्तर पर कहा गया है कि सभी जिलों में पारदर्शी और सटीक तरीके से आवेदन की जांच की जाए, साथ ही स्थानीय निकाय, ग्राम पंचायत और आंगनबाड़ी केंद्रों के सहयोग से पात्र जोड़ों की पहचान सुनिश्चित की जाए। योजना के प्रभारी उपनिदेशक आरपी सिंह ने बताया कि इस वर्ष लगभग एक लाख जोड़ों के सामूहिक विवाह कराए जाने का लक्ष्य समाज कल्याण विभाग ने तय किया है। यह न केवल एक सामाजिक सहायता है बल्कि सामूहिक सहयोग, सामुदायिक भावना और महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने का प्रयास भी है।

लापरवाह अफसरों पर चला सीएम योगी का चाबुक

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार ने एक बार फिर लापरवाह अफसरों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। इस बार परती भूमि विकास विभाग के प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के चार परियोजना प्रबंधक और तीन अवर अभियंताओं को कार्य में लापरवाही बरतने पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। वहीं सीएम योगी ने उच्च अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि लापरवाह अधिकारियों के कार्य में कार्रवाई के बाद भी सुधार नहीं आता है, तो उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। परती भूमि विकास विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के राज्य स्तरीय नोडल एजेंसी के मुख्य कार्य अधिकारी जीएस नवीन ने बताया कि सीएम योगी की मंशा के अनुरूप समय-समय पर योजनाओं की प्रगति की विभागीय समीक्षा की जाती है। इसी क्रम में हाल ही में योजना के परियोजना प्रबंधक और अवर अभियंताओं के साथ समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान परियोजना प्रबंधक और अवर अभियंताओं से परियोजनाओं के डीपीआर के अनुसार पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों के विवरण की जानकारी की गई, लेकिन चार परियोजना प्रबंधक और तीन अवर अभियंता कार्यों का विवरण नहीं दे सके।

इसके साथ ही वर्तमान वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना के बारे में भी नहीं बताया सके।

हाल में हुई बैठक में कार्य में सुस्ती और लापरवाही पर चार परियोजना प्रबंधक और तीन अवर अभियंताओं की कार्यशैली पर सवाल उठे सवाल पर, इसे मुख्यमंत्री ने गंभीरता से लिया। इसके बाद एक्शन लिया गया। उन्होंने उच्च अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि अगर कार्रवाई के बावजूद वे अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं करते हैं, तो भविष्य में और भी कड़ी कार्रवाई की जाए।

सीओ जीएस नवीन ने बताया कि सीएम के निर्देश पर प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना प्रथम और द्वितीय की समीक्षा के दौरान प्रयागराज परियोजना प्रबंधक सुरेंद्र प्रताप सिंह, महोबा परियोजना प्रबंधक संजय कुमार, चित्रकूट कर्वी, परियोजना प्रबंधक देवेंद्र सिंह निरंजन और प्रतापगढ़ परियोजना प्रबंधक चमन सिंह को कार्यों में लापरवाही पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है। इसके साथ ही प्रयागराज के अवर अभियंता विश्वजीत यादव, प्रतापगढ़ प्रथम भूमि संरक्षण अधिकारी कार्यालय के अवर अभियंता दिनकर और आशीष कुमार यादव को भी कार्यों में लापरवाही पर प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

कांवड़ यात्रा के लिए योगी सरकार ने की व्यापक तैयारी

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों के अनुपालन में, नगर विकास विभाग ने आगामी श्रावण मास की कांवड़ यात्रा, सावन मेला और अन्य त्यौहारों के दृष्टिगत नगरीय निकायों में सफाई, रौशनी और पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु व्यापक योजना शुरू की है। इसके अतिरिक्त, राज्य में 1 से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 11 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान भी संचालित किया जा रहा है। इन तैयारियों को लेकर नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात की अध्यक्षता में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख सचिव ने सभी शहरी निकायों को सुबह 5 बजे से 8 बजे तक प्रतिदिन सफाई अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। स्थानीय स्तर पर माइक्रो-प्लान बनाकर सफाईकर्मियों की बीट तय की जाएगी, ताकि सड़कों, गलियों और मुख्य मार्गों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जा सके। घाटों और कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष ध्यान देते हुए वहां विशेष सफाई कर्मी तैनात किए जाएंगे। एकत्रित कचरे और गाद को तुरंत लैंडफिल स्थलों या निर्धारित स्थानों पर भेजने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे सड़कों पर गंदगी न फैले।

जलभराव की समस्या से निपटने हेतु चिन्हित क्षेत्रों में माइक्रो-प्लान बनाकर नियमित एंटी-लार्वा छिड़काव दिन में और फॉगिंग शाम को कराया जाये। कांवड़ शिविर स्थलों पर भी प्रतिदिन एंटी-लार्वा स्प्रे और फॉगिंग अनिवार्य रूप से करने के भी निर्देश दिए गए। यात्रा मार्गों और अन्य नगरीय क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर, मलेथियान और चूने का छिड़काव भी नियमित रूप से किया जाएगा। कांवड़ मार्गों और शिविर स्थलों पर पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग मोबाइल व अस्थायी शौचालय बनाए जाएंगे, जिन्हें दिन में कम से कम दो बार साफ किया जाएगा। यात्रा मार्गों पर झाड़ियों और अवांछनीय वनस्पति की सफाई, नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को प्राथमिकता दी जाएगी।

कांवड़ मार्गों पर नियमित अंतराल पर पानी की टंकियां और प्याऊ लगाई जाएंगी। हैंडपंप, पाइपलाइन व अन्य जलापूर्ति उपकरणों की निगरानी व मरम्मत सुनिश्चित की जाएगी। जल के नमूनों का ओटी टेस्ट, विषाणुजनित, जीवाणुजनित और रासायनिक परीक्षण नगरीय निकाय और स्वास्थ्य विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। सीवर और जल पाइप लाइनों की जांच कर किसी भी प्रकार की टूट-फूट को तत्काल ठीक किया जाएगा। नगरीय निकायों के यांत्रिक विभाग यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी स्ट्रीट लाइटें कार्यशील रहें। जहां आवश्यक हो वहां मरम्मत, रखरखाव या प्रतिस्थापन किया जाएगा। कांवड़ यात्रा मार्गों और शिविर स्थलों पर नियमित विद्युत आपूर्ति के साथ पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक जैसे प्लास्टिक थैली, कप, प्लेट, थर्माकोल आदि के उपयोग पर रोक लगाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा। कांवड़ यात्रा को जीरो प्लास्टिक इवेंट के रूप में आयोजित किया जाएगा। कचरे के उचित निस्तारण के लिए डस्टबिन लगाए जाएंगे और जनता को जूट या कपड़े के बैग के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। इस अभियान में एनसीसी कैडेट, विद्यार्थी, स्वयंसेवी व सामाजिक संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। नगरीय निकायों में पार्कों, सड़कों, फुटपाथों व पार्किंग क्षेत्रों से अतिक्रमण हटाने हेतु विशेष अभियान चलाए जायेंगे । निराश्रित गौवंश को संवेदनशीलता के साथ गौशालाओं में पहुंचाया जाएगा। तीर्थयात्रियों के विश्राम हेतु अस्थायी सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही, सूचना, शिक्षा और संचार अभियान के माध्यम से स्वच्छता, कचरा पृथक्करण और प्लास्टिक प्रतिबंध को लेकर जनजागरूकता फैलाई जाएगी। यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगमों में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर और इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम की सहायता ली जाएगी।

प्रत्येक नगरीय निकायों में नगर आयुक्त या अधिशासी अधिकारी की अध्यक्षता में एक समर्पित निगरानी सेल गठित की जाएगी। ये अधिकारी माइक्रो-प्लान तैयार कर दैनिक प्रगति की निगरानी करेंगे तथा निदेशक, स्थानीय निकाय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। निदेशालय द्वारा डीसीसीसी के माध्यम से निगरानी की जाएगी और राज्य सरकार को साप्ताहिक रिपोर्ट भेजी जाएगी।

नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा राज्य सरकार सभी श्रद्धालुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सुव्यवस्थित कांवड़ यात्रा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

हमारी व्यापक योजना में सफाई, स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल व प्रकाश व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। हम जनस्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए रोग नियंत्रण अभियानों को भी गति दे रहे हैं और कांवड़ यात्रा को प्लास्टिक-मुक्त बनाकर पर्यावरण अनुकूल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। नगरीय निकायों को इन योजनाओं का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

मशरूम की खेती को मिल रहा यूपी में प्रोत्साहन

मशरूम की खेती से लेकर कारोबार तक में महिलाएं भी सक्रिय

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। योगी सरकार प्रदेश में मशरूम की खेती को भी प्रोत्साहन दे रही है। प्रदेशभर में इसके तहत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। राजधानी लखनऊ समेत आठ जिलों में इस लाभकारी कारोबार ने रफ्तार भी पकड़ ली है। विशेष अभियान के तहत किसानों को मशरूम की खेती से जोड़कर न केवल रोजगार दिया जा रहा है, बल्कि उन्हें तकनीकी व वैज्ञानिक खेती की ओर भी अग्रसर किया जा रहा है।

मशरूम की खेती केवल पुरुषों तक सीमित नहीं रही, अब महिलाएं भी इस क्षेत्र में मजबूती से कदम रख रही हैं। मथुरा की गीता देवी और हरदोई की सोनाली सभरवाल प्रदेश की महिलाओं के लिए नई प्रेरणा बन गई हैं। गीता देवी ने ढाई साल पहले मशरूम की खेती की शुरुआत की थी। उन्होंने योगी सरकार के सहयोग से 1 करोड़ 61 लाख रुपए के प्रोजेक्ट की नींव रखी। उन्हें 70 लाख रुपए का लोन मिला और आज मथुरा से लेकर आगरा और दिल्ली तक उनकी उगाई गई मशरूम की सप्लाई हो रही है। गीता देवी के इस प्रोजेक्ट से उन्हें हर साल 20 से 25 लाख रुपए तक की आय हो रही है। वे न केवल आसपास के लोगों के लिए बल्कि अन्य जिलों की महिलाओं के लिए भी प्रेरणास्रोत बन गई हैं। सोनाली सभरवाल ने भी हरदोई में मशरूम की खेती को एक मिशन के तौर पर अपनाया है और अन्य ग्रामीण महिलाओं को भी इसके लिए प्रेरित कर रही हैं।

जिन आठ जिलों में मशरूम की खेती से किसानों की अच्छी कमाई हो रही है, उनमें लखनऊ, मथुरा, सहारनपुर, मिर्जापुर, जौनपुर, हरदोई, रायबरेली और भदोही जिले शामिल हैं। योगी सरकार तकनीकी और वैज्ञानिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर कृषक समन्वित विकास योजना और एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के जरिए किसानों को संसाधन और सहयोग दे रही है। इन योजनाओं से किसान न केवल पारंपरिक खेती से आगे बढ़ रहे हैं, बल्कि हाई प्रॉफिट वाले एग्री बिजनेस को भी अपना रहे हैं।

एआईएफ के तहत लाभार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। जिसमें केंद्र सरकार द्वारा 3 प्रतिशत और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 3 प्रतिशत ब्याज सहायता प्रदान की जा रही है। मशरूम उत्पादन को लेकर किसानों को ट्रेनिंग, वर्कशॉप और फील्ड विजिट के जरिए पूरी तकनीकी जानकारी दी जा रही है। विशेषज्ञ टीमें किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए लगातार मार्गदर्शन कर रही हैं। इससे उत्पादकता बढ़ने के साथ-साथ किसानों की आमदनी में भी इजाफा हो रहा है। उत्तर प्रदेश में तकनीकी कृषि और महिलाओं की भागीदारी से अब खेती केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता और समृद्धि का माध्यम बन चुकी है।

टेरर फंडिंग पर अंकुश लगाने के गुर सीखेंगे पुलिसकर्मी

एएसपी से लेकर सिपाही तक को मिलेगी ट्रेनिंग

लखनऊ, 28 जून (एजेंसियां)। यूपी के पुलिसकर्मी टेरर फंडिंग पर अंकुश लगाने के गुर सीखेंगे। इसके लिए एएसपी से लेकर सिपाही तक के नामांकन मांगे गए हैं। इन्वेस्टिगेशन ऑफ टेरर फंडिंग के तीन कोर्सों के तहत वर्चुअल डाटा एसेट्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। मुंबई आतंकी हमले के बाद गठित नेशनल काउंटर टेररिज्म सेंटर के अनुरोध पर गृह मंत्रालय गाजियाबाद स्थित ब्यूरो ऑफ पुलिस रिसर्च एंड डेवलपमेंट (बीपीआरएंडडी) के सीडीटीआई सेंटर में इसका बेसिक, इंटरमीडिएट और एडवांस कोर्स कराएगा। इसके लिए एडिशनल एसपी से लेकर सिपाही तक के नामांकन मांगे गए हैं।

ये कोर्स 8 सितंबर से 5 दिसंबर तक संचालित होंगे। इससे पुलिस को आतंकियों की धरपकड़ के बाद फाइनेंशियल ट्रेल का पता लगा उनके मददगारों पर भी कानूनी शिकंजा कसने में आसानी होगी। इस बाबत पुलिस मुख्यालय में डीआईजी प्रशिक्षण राम सिंह यादव ने पुलिस की सभी शाखाओं के प्रमुखों, एडीजी जोन, पुलिस कमिश्नर आदि को पत्र भेजकर एडिशनल एसपी से लेकर सिपाहियों तक के नामांकन 10 अगस्त तक मुहैया कराने को कहा है। पत्र के मुताबिक इन्वेस्टीगेशन ऑफ टेरर फंडिंग के तीनों कोर्स के तहत वर्चुअल डाटा एसेट्स का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रत्येक कोर्स के लिए 40 कर्मियों का चयन किया जाना है, जिसमें सिपाही, मुख्य आरक्षी, सब इंस्पेक्टर, इंस्पेक्टर, डिप्टी एसपी और एडिशनल एसपी रैंक के अफसर शामिल होंगे।

असामाजिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी : चित्तरंजन

कुमरमभीम/आसिफाबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । भोली-भाली युवतियों को बहला-फुसलाकर मध्य प्रदेश में बेचने की घटना का खुलासा पीड़िताओं की शिकायत के बाद हुआ। एएसपी ने शुक्रवार को आसिफाबाद थाने में महिलाओं की अवैध तस्करी के संबंध में आयोजित प्रेस वार्ता में इसका खुलासा किया।आसिफाबाद मंडल के वादीगोंडी गांव की एक युवती एक साल पहले लापता हो गई थी और उसका पिता अपनी बेटी की तलाश कर रहा था। महिला ने पिछले महीने अपना आधार कार्ड अपडेट कराया और यह पोस्ट में पीड़िता के घर पहुंचा। जब कार्ड पर लिखे फोन नंबर पर डायल किया गया तो पता चला कि यह मध्य प्रदेश का है, इसलिए पीड़िता के पिता ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसकी जानकारी होने पर जिला मुख्यालय की एक अन्य पीड़िता ने पुलिस से संपर्क कर शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत के आधार पर कई संदिग्धों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई और उन्होंने अपराध कबूल कर लिया।कुल दस आरोपियों में से आठ को 10 दिन पहले गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया था और शेष दो को आज यानी 27.06.2025 को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेजा गया।कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के आसिफाबाद पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मानव तस्करी के एक मामले में हाल ही में 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी, जबकि शेष दो को गिरफ्तार कर रिमांड पर भेज दिया गया, आसिफाबाद एएसपी एस. चित्तरंजन, आईपीएस ने आज एक बयान में कहा। दो सप्ताह पहले आसिफाबाद थाने द्वारा दर्ज की गई शिकायत की जांच करते हुए, आसिफाबाद मंडल के वाडीगोंडी गांव से एक युवती के लापता होने के संबंध में आसिफाबाद थाने में एफआईआर दर्ज की गई।

सड़क पर गहरे गड्ढों से राहगीर परेशान

मदनूर, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । स्थानिक जनता ने शुक्रवार के दिन पत्रकार के साथ बात चीत करते समय बताए कि डोंगली मंडल में कही साल से मुख सड़क पर बड़े बड़े गहरे खड़े गिरने से बारिश का पानी जमा होने से राहगीरों को आने जाने के लिए कही समस्या सामना करना पड़ रहा है।

देश का भविष्य नई पीढ़ी युवाओं के हाथों में है : संजय

जगतियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । जगतियाल जिले कोरुट्ला विधायक डॉ. कलवकुंटला संजय ने कहा कि देश का भविष्य नई पीढ़ी युवाओं के हाथों में है और सभी को, चाहे वे पुरुष हों या महिला, अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए और नौकरियों में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए। कोरुट्ला विधायक डॉ. संजय कलवकुंटला ने कहा कि शहर के कटकम संगय्या फंक्शन हॉल में कोरुट्ला विधायक डॉ. संजय द्वारा आयोजित मेगा जॉब फेयर में 1756 छात्रों ने भाग लिया। कोरुट्ला विधायक डॉ. संजय कलवकुंटला ने कहा कि देश का भविष्य नई पीढ़ी और युवाओं के हाथों में है और सभी को, चाहे वे पुरुष हों या महिला, अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए और नौकरियों में उत्कृष्टता हासिल करनी चाहिए।

इंदिराम्मा आवास देने में दलितों के साथ किया जा रहा भेदभाव : प्रवीण कुमार

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । बीआरएस के वरिष्ठ नेता आरएस प्रवीण कुमार ने सीएम रेवंत रेड्डी सरकार के खिलाफ झंडा बुलंद किया है आरएसपी ने इंदिराम्मा आवास देने के मामले में दलितों के साथ किए जा रहे भेदभाव पर रोष व्यक्त किया है आरएसपी ने मंचेरियल जिले के भीमाराम मंडल के पोलमपल्ली के दंपत्ति नक्का साना और वेणु के इंदिराम्मा आवास की कार्यवाही रोके जाने की घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है इसका मतलब यह है कि अगर आप अपने -ख भाषा मॉडल में व्हाट्सएप पर इठड स्टेटस डालते हैं तो आपने शर्तों के साथ एक प्रोग्राम बनाया है कि अगर आप डउ है तो आपको इंदिराम्मा को घर देने की ज़रूरत नहीं है! क्या यह इतना छोटा शासन है? ठड प्रवीण कुमार ने झंडा उठाया मंचेरियाल जिले के भीमाराम मंडल के पोलमपल्ली के रहने वाले नक्का साना और वेणु नामक दंपति ने इस बात पर दुख जताया है कि मंत्री विवेक द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्हें इंदिराम्मा हाउस की कार्यवाही नहीं दी गई क्योंकि उन्होंने तेलंगाना स्थापना दिवस के अवसर पर केसीआर और बीआरएस पार्टी की तस्वीर पोस्ट की थी उन्होंने पोलमपल्ली में अपनी झोपड़ी के सामने बात की उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें इंदिराम्मा हाउस की कार्यवाही नहीं दी गई।

मंडल और सरकार बदल गए लेकिन नाम व तस्वीर नहीं बदली

डोंगली, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानिक जनता ने शुक्रवार के दिन पत्रकार के साथ बात चीत करते समय बताए कि अंदाजे तीन वर्ष पहिले पूर्व सरकार के आरोग्य शाखा मंत्री हरीश राव ने मदनूर मंडल में से कुछ ग्राम पंचायत निकालकर नूतन डोंगली मंडल का नूतनी कारण किया लेकिन अधिकारियों ने आज तक प्राथमिक आरोग्य स्वास्थ केंद्र के पर बोर्ड पर मदनूर मंडल के जगह डोंगली मंडल का नाम नहीं लिखा गया इस के साथ साथ तेलंगाना में सरकार बदल कर दो वर्ष पूर्ण होने जा रहे है लेकिन पूर्व मुख्य मंत्री की तस्वीर नहीं बदली सरकार बदलने के बाद संयुक्त मदनूर मंडल के विविध कार्यालय में पूर्व मुख्य मंत्री की तस्वीर बदलकर नूतन मुख्यमंत्री की तस्वीर रखी गई समय पत्रकार ने प्राथमिक स्वास्थ केंद्र भवन का फोटो निकाल ने पर स्थानिक अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री के फोटो पर सफेद कागद चिपका दिया लेकिन मदनूर मंडल के जगह डोंगली मंडल नहीं लिखा गया।

मंचेरियाल विधायक का तेलंगाना मॉडल स्कूल का दौरा

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव ने तेलंगाना मॉडल स्कूल दांडेपल्ली मंडल के लिंगापुर गांव में जूनियर कॉलेज और कर्नापेटा गांव में कस्तूरबा गर्ल्स स्कूल का दौरा किया और स्कूल कक्षाओं और कॉलेज के कमरों का निरीक्षण किया विधायक प्रेम सागर राव ने शिक्षकों और छात्रों से बात की उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली संबंधित अधिकारियों से बात की और कहा कि समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए ।

अडाणी समूह के आने के बाद देवापुर से क्लिंकर को मनमाने तरीके से ले जाया जा रहा है !

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियाल जिले के कासिपेटा मंडल के देवापुर में ओरिएंट (अडानी) सीमेंट कंपनी का कच्चा माल गायब हो रहा है अडानी समूह द्वारा ओरिएंट कंपनी को खरीदने के बाद वह मनमाने तरीके से खुदाई कर रही है और देश भर में उसका परिवहन कर रही है चिंता की बात यह है कि क्लिंकर जो पहले केवल ट्रेनों में ले जाया जाता था अब ट्रकों में ले जाया जा रहा है अगर ऐसा ही चलता रहा तो संसाधनों की कमी हो जाएगी और कंपनी का भविष्य सवालों के घेरे में आ जाएगा ऐसा ग्रामीण चिंतित हैं जबकि यह सर्वविदित है कि सरकारी निगरानी के अभाव में करोड़ों की लूट हो रही है आदिवासी मांग कर रहे हैं कि कच्चे माल की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाए कासिपेटा मंडल के देवापुर और गटरवपल्ली उपनगरों में सीमेंट के लिए इस्तेमाल होने वाले चूना पत्थर की खुदाई की जा रही है ओरिएंट (अडानी) कंपनी राज्य खनिज विकास निगम को 20 रुपए प्रति टन और सरकार को 80 रुपए टैक्स के रूप में दे रही है यह खुदाई करीब 210 हेक्टेयर में चल रही है कंपनी में खुदाई किए गए चूना पत्थर को क्लिंकर में बदलकर सीमेंट उत्पादन में इस्तेमाल किया जाता है यहां सीमेंट बनाने के अलावा क्लिंकर को सप्ताह में एक बार रेल द्वारा महाराष्ट्र के जलगांव में ओरिएंट कंपनी की कंपनी में भी पहुंचाया जाता है स्थानीय लोगों का कहना है कि अडानी समूह द्वारा ओरिएंट सीमेंट कंपनी के अधिग्रहण के बाद से देश की सभी अडानी कंपनियों को क्लिंकर की ढुलाई सप्ताह में चार से छह बार ट्रेनों से की जा रही है बताया जाता है कि अकेले मई महीने में ही हजारों टन चूना पत्थर की खुदाई की गई है अकेले इस महीने में ही करीब दर्जनों ट्रेनों से क्लिंकर को दूसरे राज्यों में ले जाया गया है स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले कुछ सालों में कंपनी का भविष्य सवालों के घेरे में आ सकता है इस बात से नाराज़ हैं कि क्लिंकर को पहले रेल से ले जाया जाता था लेकिन अब इसे ट्रकों में ले जाया जा रहा है स्थानीय लोगों का आरोप है कि खदानों से कितना खनन किया जा रहा है इसकी जानकारी देने के लिए कोई सरकारी अधिकारी नहीं है और कंपनी खुद किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं देती है स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की उम्मीद में आदिवासियों ने 1980 में बिरला कंपनी को उद्योग की स्थापना के लिए जमीन दी थी इस तरह शुरू हुआ सीमेंट उद्योग समय के साथ तीन प्लांट तक फैल गया कंपनी ने एक विशेष रेल लाइन भी बिछाई और देश में खास पहचान बनाई करीब 44 साल से बिरला कंपनी के नाम से चल रही ओरिएंट कंपनी को पिछले साल अडानी समूह ने खरीद लिया अडानी समूह पिछले महीने से ही काम कर रहा है मालूम हो कि अडानी समूह से जुड़ी कई कंपनियों ने पहले महीने में ही हजारों टन क्लिंकर यहां से रेल और ट्रक के जरिए ले जाया है इसका मतलब है कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कच्चा माल जल्दी खत्म होने की संभावना है संभावना है कि कंपनी जल्द ही बंद हो जाएगी और स्थानीय लोगों की नौकरियां चली जाएंगी अगर यहां के संसाधनों का इस्तेमाल करके सीमेंट बनाया जाता है तो इससे रोजगार के अवसर पैदा होंगे और सरकार को टैक्स के रूप में आय भी होगी हालांकि चूना पत्थर निकालने और उसे क्लिंकर में बदलने के लिए ज्यादा मैनपावर की जरूरत नहीं होती इससे आने वाले दिनों में स्थानीय लोगों को रोजगार मिलना मुश्किल हो सकता है सरकार ने राज्य सरकार से संबद्ध तेलंगाना खनिज विकास निगम के माध्यम से कंपनी को चूना पत्थर की खदानें आवंटित की हैं करीब 210 हेक्टेयर में खनन किया जा रहा है कंपनी निगम को प्रति टन 20 रुपए देती है जबकि सरकार को 80 रुपए दिए जा रहे है कंपनी को खनन किए गए चूना पत्थर को क्लिंकर में बदलना चाहिए और यहां सीमेंट बनाना चाहिए लेकिन यहां का कच्चा माल विभिन्न राज्यों में ले जाया जाता है अभी तक यह सिर्फ महाराष्ट्र के जलगांव स्थित कंपनी तक ही पहुंचाया जाता था लेकिन अब इसे देश की कई कंपनियों तक पहुंचाया जा रहा है।पिछली सरकार ने नए उद्योग और खदानें लगाने के लिए सब्सिडी की घोषणा की थी अगर सब्सिडी पाने वाले मालिक सीमेंट का निर्माण तुरंत करते है तो बैग पर लगने वाला टैक्स भी राज्य सरकार के खजाने में जाएगा वे सिर्फ यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि 100 रुपए प्रति टन का भुगतान किया जाए लोगों का मानना है कि सरकार सीमेंट न बनाने से होने वाले नुकसान पर ध्यान नहीं दे रही है स्थानीय लोगों का कहना है कि उन्हें समझ में नहीं आता कि जब इतने कीमती संसाधनों का दुरुपयोग हो रहा है तो सरकार इस पर ध्यान क्यों नहीं दे रही हैराज्य सरकार को भी कर राजस्व का नुकसान हो रहा है क्योंकि कंपनी बिना 100 रुपये प्रति टन रॉयल्टी चुकाए क्लिंकर का निर्यात कर रही है और बिना कोई कर चुकाए सीमेंट बना रही है आदिवासी अपनी शिकायत व्यक्त कर रहे हैं कि कंपनी केवल उनके कच्चे माल को दूसरे क्षेत्रों में निर्यात करके लाभ कमा रही है।

अंतराष्ट्रीय आरटीओ चेक पर नो चेकिंग नो कलेक्शन

मदनूर 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल साल्बतपुर अतंराष्ट्रीय चेक पोस्ट पर बुधवार के देर रात ए सी बी अधिकारियों ने छापा मारने के बाद आर टी ओ कार्यालय में कार्य करने वाले दो निजी व्यक्तियों को हिरासत में लेकर जांच पड़ताल करने पर आर टी ए कार्यालय में कार्यालय में कार्य करने वाले दो निजी व्यक्तियों द्वारा हर एक वाहन चालकों के पास से अवैध रूप से वसूले गए 92000 हजार रुपए को ए सी बी अधिकारी हिरासत में लेने के बाद ए सी बी अधिकारियों ने आर टी ए अधिकारी व एक पुलिस कांस्टेबल के साथ दो निजी व्यक्तियों पर कानूनी कार्य वाहिका करने के बाद उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद आर टी ओ कार्यालय के बाजू में अवैध रूप से रुपए वसूल करने वाली निजी व्यक्तियों की टीन शेड क्याबिन निकाल दिया गया।

बीसी की न्यायोचित मांगों पर ध्यान दिया जाना चाहिए

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । बी.सी. की जायज मांगें राष्ट्रीय बीसी अधिकार संघर्ष समिति के जिला अध्यक्ष गुमुला श्रीनिवास ने मांग की कि इस मुद्दे का समाधान किया जाए। राष्ट्रीय बीसी आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहिरकू ने नेताओं के साथ जिला मुख्यालय में एक खुला पत्र जारी किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र में बीसी मंत्रालय की स्थापना की जानी चाहिए और 2 लाख करोड़ रुपये से बीसी सबन की स्थापना की जानी चाहिए और केंद्र सरकार की नौकरियों में बीसी को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना चाहिए।

इस कार्यक्रम में बीसी अधिकार संघर्ष समिति के वरिष्ठ जिला नेता तुला मधुसूदन, कर्रे लछन्ना, गजेल्ली वेंकटय्या, भीमसेन, गजुला प्रभाकर, एस किशतय्या और अंकम सतीश ने भाग लिया।

सौ बेड का अस्पताल तुरंत पूरा करने की मांग : डॉ. राजा रमेश

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मंचेरियाल जिला बीआरएस पार्टी के निर्वाचन क्षेत्र स्तर के नेता डॉ. राजा रमेश ने मांग की है कि चेन्नूर कस्बे में रुके हुए 100 बेड के अस्पताल का निर्माण कार्य तुरंत शुरू किया जाए और पूरा किया जाए उन्होंने शनिवार को बीआरएस नेताओं के साथ चेन्नूर कस्बे में रुके हुए 100 बेड के अस्पताल के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. राजा रमेश ने कहा कि बीआरएस पार्टी के जिला अध्यक्ष बालका सुमन ने एक विधायक और लोगों की समस्याओं से अवगत नेता के रूप में तत्कालीन सीएम केसीआर के आशीर्वाद से चेन्नूर कस्बे में सौ बिस्तरों वाला अस्पताल स्वीकृत किया था।

लोगों को अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखनी चाहिए : राजन

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । मानसून के मौसम को देखते हुए, मंचेरियाल जिला चिकित्सा अधिकारी हरीश राजन ने कहा कि लोगों को अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखनी चाहिए। शनिवार को उन्होंने लक्ष्मीपेटा नगर पालिका के अंतर्गत इटिक्या में वार्डों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि इटिक्या में पिछले साल कई लोग डेंगू से संक्रमित हुए थे और इसे डेंगू मुक्त घोषित करने के लिए कार्रवाई की जानी चाहिए। कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी प्रसाद, डॉक्टर सतीश कुमार, लिंगा रेड्डी और अन्य ने भाग लिया।

शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान और साहस देती है : विनोद

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । बेल्लमपल्ली विधायक गद्दाम विनोद ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान और साहस देती है। शुक्रवार को उन्होंने जिलाधीश कुमार दीपक और पूर्व जेडपीटीसी आर. संतोष कुमार के साथ निलवाई जूनियर कॉलेज में 66 लाख रुपये की लागत से अतिरिक्त कमरों के निर्माण की आधारशिला रखी। वेमनपल्ली में 33/11 केवी बिजली सबस्टेशन का उद्घाटन किया गया। बाद में विधायक ने कहा कि स्कूलों में किसी भी समस्या को उनके ध्यान में लाया जाना चाहिए।

शॉट सर्किट के पीड़ित परिवार को प्रजा ट्रस्ट की ओर से आर्थिक मदद

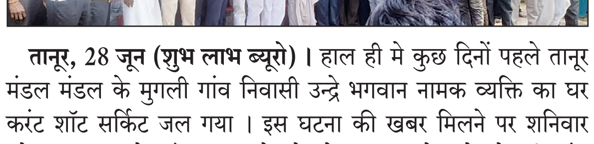

तानूर, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । हाल ही मे कुछ दिनों पहले तानूर मंडल मंडल के मुगली गांव निवासी उन्द्रे भगवान नामक व्यक्ति का घर करंट शॉट सर्किट जल गया । इस घटना की खबर मिलने पर शनिवार को प्रजा ट्रस्ट के संस्थापक भोसले मोहन राव पटेल ने मोगली गाँव जाकर पीड़ित परिवार के लोगो खाद्ध सामग्री आवश्यक वस्तुएँ और आर्थिक मदत के तोरपर राशि प्रधान कर तेलंगाना सरकार से माँग की है की तेलंगाना सरकार इस घटना की अधिकारीयों द्वारा जाँच कराकर शीघ्र ही पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और आवश्यक वस्तुएँ दिए ।

ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । ट्रैक्टर पलटने से 21 वर्षीय चालक की मौके पर ही मौत टेकुलापल्ली के 21 वर्षीय ट्रैक्टर चालक मल्लेथुला विग्नेश की मौके पर ही मौत हो गई, जब उसका वाहन थंडूर मंडल के अचुलापुर गांव के पास एक नाले में पलट गया। उसके पिता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया है।मंचेरियल: थंडूर मंडल के अचुलापुर गांव में शनिवार को एक ट्रैक्टर पलट जाने से 21 वर्षीय चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि टेकुलापल्ली गांव के मल्लेथुला विग्नेश को ट्रैक्टर के नाले में पलट जाने से गंभीर चोटें आईं। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। -विग्नेश दुर्घटना के समय अचुलापल्ली से टेकुलापल्ली जा रहा था। उसके पिता कृष्णमूर्ति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। मामला दर्ज कर लिया गया है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज में बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कदम: आयशा खान

कुमरमभीम /आसिफाबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

राज्य स्वास्थ्य विभाग निदेशक आयशा मसरत खानम ने कहा कि सरकारी मेडिकल कॉलेज में छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए कदम उठाए जाएंगे। शनिवार को उन्होंने जिला मुख्यालय के पास अंकुशपुर में सरकारी मेडिकल कॉलेज का दौरा किया, जिला कलेक्टर वेंकटेश दोत्रे के साथ कॉलेज में कमरों और कक्षाओं का निरीक्षण किया, छात्रों से बात की और सुविधाओं और शिक्षा का विवरण जाना। बाद में, कॉलेज के प्राचार्य और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

गांव में चल रहे पेयजल संकट को लेकर निवासियों ने किया विरोध प्रदर्शन

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । कागजनगर मंडल के बट्टुपल्ली गांव के निवासियों ने शुक्रवार को खाली बर्तन लेकर सड़क पर धरना दिया और अधिकारियों से लंबे समय से चल रहे पेयजल संकट को हल करने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की गांव के पुरुषों और महिलाओं ने गहरी पीड़ा व्यक्त की कि बार-बार अपील के बावजूद पीने के पानी की समस्या सालों से अनसुलझी है उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के बदलने के बाद भी पानी की गंभीर कमी बनी हुई है जो प्रशासन की ओर से निरंतर गंभीरता की कमी को दर्शाता है।

अपोलो फार्मेसी द्वारा 100 रिक्तियों को भरा जाएगा : रविकृष्ण

मंचेरियाल, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) । कस्बे के एमआईएमएस डिग्री कॉलेज परिसर में सोमवार को एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी रविकृष्ण ने एक बयान में कहा कि अपोलो फार्मेसी द्वारा 100 रिक्तियों को भरा जाएगा। इस अभियान के दौरान फार्मासिस्ट, प्रशिक्षु फार्मासिस्ट, फार्मेसी सहायक और खुदरा प्रशिक्षु सहयोगियों की भूमिकाएं निभाई जाएंगी। एसएससी, इंटरमीडिएट, डी फार्मेसी, बी फार्मेसी या डिग्री कोर्स पास करने वालों इस अभियान में भाग लेने की सलाह दी जाती है।

एफआईएच हॉकी जूनियर वर्ल्ड कप 2025 : पूल ड्रॉ जारी, 24 टीमों के बीच कांटे की टक्कर!

लुसाने, 28 जून (एजेंसियां) ।

एफआईएच हॉकी पुरुष जूनियर वर्ल्ड कप 2025 के लिए पूल ड्रॉ की घोषणा कर दी गई है। इस बार टूर्नामेंट पहली बार 24 टीमों के साथ खेला जाएगा और इसकी मेज़बानी भारत का राज्य तमिलनाडु करेगा। टूर्नामेंट 28 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चेन्नई और मदुरै शहरों में खेला जाएगा।

ड्रॉ इस प्रकार है-

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड) में आयोजित एक विशेष समारोह में टूर्नामेंट के छह पूलों का ड्रॉ निकाला गया। पूलों की संरचना इस प्रकार है:-

पूल ए: जर्मनी, द. अफ्रीका, कनाडा, आयरलैंड
पूल बी: भारत, पाकिस्तान, चिली, स्विट्ज़रलैंड
पूल सी: अर्जेंटीना, न्यूज़ीलैंड, जापान, चीन
पूल डी: स्पेन, बेल्जियम, मिस्र, नामीबिया
पूल ई : नीदरलैंड, मलेशिया, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया
पूल एफ : फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, कोरिया, बांग्लादेश

एफआईएच अध्यक्ष ने भारत और तमिलनाडु सरकार का किया आभार व्यक्त - एफआईएच अध्यक्ष तय्यब इक़राम ने ड्रॉ समारोह में कहा, यह वर्ल्ड कप हमारे यूथ-फोकस्ड दृष्टिकोण की शुरुआत है। मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन का आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने युवा हॉकी सितारों का अपने राज्य में स्वागत किया। इस टूर्नामेंट के माध्यम से मदुरै में एक नए आधुनिक हॉकी स्टेडियम का निर्माण भी होगा।

उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने हॉकी को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई है।

भारतीय हॉकी संघ ने जताया गर्व - हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, यह दिन हॉकी जगत के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि पहली बार 24 देशों के बीच जूनियर वर्ल्ड कप खेला जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के समर्थन और खेल मंत्री मंडाविया के मार्गदर्शन में भारतीय हॉकी ने एक नई रफ्तार पकड़ी है। हम तमिलनाडु सरकार और एफआईएच अध्यक्ष तय्यब इक़राम का भी आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने सभी 24 टीमों को बधाई देते हुए भारत में गर्मजोशी से स्वागत करने की बात कही।

न्यूज़ ब्रीफ

किशाने थॉम्पसन बने दुनिया के छठे सबसे तेज़ धावक, जमैका ट्रायल्स में जीता गोल्ड

नई दिल्ली। जमैका के एथलेटिक्स नेशनल ट्रायल्स में किशाने थॉम्पसन ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए इतिहास रच दिया। 23 वर्षीय थॉम्पसन ने 9.75 सेकंड का शानदार समय दर्ज करते हुए न केवल व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, बल्कि वह इतिहास में 100 मीटर की दौड़ में छठे सबसे तेज़ धावक बन गए हैं। इस इवेंट में थॉम्पसन से तेज समय अब तक केवल उसेन बोल्ट (9.58 सेकंड), टायसन गे और योहान ब्लेक (दोनों 9.69 सेकंड), असफा पॉवेल (9.72 सेकंड) और जस्टिन गैटलिन (9.74 सेकंड) ने ही दर्ज किया है।

100 मीटर दौड़ के ऑल-टाइम टॉप 10 में शामिल किशाने थॉम्पसन का नाम अब उन महान धावकों की सूची में शामिल हो गया है जो 100 मीटर स्प्रिंट में 9.77 सेकंड से कम समय में दौड़ चुके हैं। थॉम्पसन ने जून 2024 में बनाए गए अपने ही रिकॉर्ड (9.77 सेकंड) को दो सौवें हिस्से से तोड़ा और 2025 सीज़न का सबसे तेज़ 100 मीटर समय दर्ज किया। ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट ने लगातार दूसरी बार जीता नेशनल खिताब गौरतलब है कि थॉम्पसन 2024 पेरिस ओलंपिक के 100 मीटर फाइनल में केवल 0.005 सेकंड के अंतर से नोआ लाइल्स से हारकर रजत पदक जीत पाए थे। लेकिन उन्होंने अपने नेशनल ट्रायल्स में शानदार वापसी करते हुए लगातार दूसरी बार 100 मीटर का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। सेविले और ब्लेक ने भी किया दमदार प्रदर्शन इस रेस में ओब्लिक सेविले ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की चिंता को पीछे छोड़ते हुए 9.83 सेकंड में दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि अकीम ब्लेक ने 9.88 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया।

हर गेंद पर चौका-छक्का नहीं जरूरी शेफाली वर्मा, सचिन से प्रेरित होकर मजबूत लौटीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम में वापसी कर रहीं 21 वर्षीय शेफाली वर्मा ने स्वीकार किया है कि टीम से बाहर रहने के दौरान उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के नजरिए में बड़ा बदलाव किया। खराब फॉर्म के चलते बाहर होने के बाद शेफाली ने टेस्ट क्रिकेट में सचिन तेंदुलकर की पारियां देख-देखकर यह समझा कि हर गेंद को उसकी मेरिट पर खेलना कितना जरूरी है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच से पहले बीसीसीआई के एक वीडियो में शेफाली ने कहा, पहले मैं हर गेंद पर चौका या छक्का मारने के बारे में सोचती थी लेकिन फिर मुझे समझ में आया कि अच्छी गेंद का सम्मान करना जरूरी है। मैंने सचिन सर की टेस्ट पारियां देखीं और उनसे काफी प्रेरणा मिली। शेफाली ने बताया कि सचिन को देखते हुए उन्हें अपने बचपन के दिन याद आ गए। उस समय मैं उनका एक भी मैच मिस नहीं करती थी। इस बार मैंने उनके हर मैच को फिर से देखा और सीखा कि अच्छी गेंद को सम्मान देना ही लंबी और अच्छी पारी खेलने की कुंजी है। शेफाली का यह आत्मचिंतन उनके खेल में भी दिखा। घरेलू क्रिकेट और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में शानदार प्रदर्शन कर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह वापस पक्की की।

जायसवाल की नजरें एजबेस्ट टेस्ट में सुनील गावस्कर का रिकॉर्ड तोड़ने पर

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाना हैं, जहां टीम इंडिया की नजरें सीरीज में वापसी पर होंगी। इस मुकाबले में खासतौर पर सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पर सबकी निगाहें होंगी, जो भारतीय टेस्ट क्रिकेट में सुनील गावस्कर का करीब 50 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने के बेहद करीब हैं। इंग्लैंड दौरे की शुरुआत जायसवाल के लिए शानदार रही। उन्होंने पहले टेस्ट में शतक जमाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी थी। हालांकि शुभमन गिल, केएल राहुल और ऋषभ पंत के शतक के बावजूद भारत को हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दूसरे टेस्ट में भारत के बल्लेबाजों से एक बार फिर बड़े स्कोर की उम्मीद होगी। यशस्वी जायसवाल के अब तक के टेस्ट करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 20 मैचों में 52.86 की औसत से 1903 रन बनाए हैं। वह 2000 रन के मील के पत्थर से सिर्फ 97 रन दूर हैं। अगर वह एजबेस्टन टेस्ट में यह 97 रन बना लेते हैं तो वह सबसे कम मैचों में 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बन जाएंगे। अभी यह रिकॉर्ड दिग्गज सुनील गावस्कर के नाम है, जिन्होंने 23 टेस्ट में 2000 रन पूरे किए थे।

नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड रैंकिंग में फिर हासिल किया शीर्ष स्थान, अरशद नदीम चौथे नंबर पर

नई दिल्ली,28 जून (एजेंसियां) ।

भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा ने एक बार फिर विश्व रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। इस सप्ताह वर्ल्ड एथलेटिक्स की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी ताजा रैंकिंग में नीरज ने ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान दोबारा प्राप्त किया।

पिछले साल 17 सितंबर को ब्रुसेल्स में डायमंड लीग फाइनल जीतने के बाद पीटर्स ने नीरज से नंबर-1 स्थान छीना था। लेकिन लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए नीरज ने फिर से बाज़ी मार ली। ताजा रैंकिंग के अनुसार, नीरज के 1445 अंक हैं जबकि पीटर्स 1431 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

जर्मनी के जूलियन वेबर 1407 अंकों के साथ तीसरे और पाकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम 1370 अंकों के साथ चौथे स्थान पर हैं।

27 वर्षीय नीरज चोपड़ा इस साल सितंबर में टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में अपने खिताब का बचाव करेंगे। उन्होंने इस सीजन की शुरुआत अप्रैल में दक्षिण अफ्रीका के पॉटचेफस्ट्रूम में हुई एक इनविटेशनल मीट से की थी, जहां उन्होंने 84.52 मीटर की थ्रो के साथ जीत दर्ज की।

इसके बाद मई में दोहा डायमंड लीग में उन्होंने पहली बार 90 मीटर की दूरी पार करते हुए 90.23 मीटर की थ्रो फेंकी, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ थ्रो रही। हालांकि वे इस प्रतियोगिता में दूसरे स्थान पर रहे, क्योंकि जूलियन वेबर ने 91.06 मीटर की थ्रो कर पहला स्थान हासिल किया।

इसके बाद पोलैंड के चोरज़ो में जनुश कुसोचिंस्की मेमोरियल में भी नीरज (84.14 मीटर) वेबर (86.12 मीटर) से पीछे रहे। लेकिन पेरिस डायमंड लीग में नीरज ने वापसी करते हुए 88.16 मीटर की थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता।

मंगलवार को उन्होंने अपने सीजन की तीसरी जीत चेक गणराज्य के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक मीट में दर्ज की, जहां उन्होंने एक बार फिर 88.16 मीटर की दूरी तय की।

नीरज चोपड़ा का अगला मुकाबला 5 जुलाई को बेंगलुरु के श्री कांतिरवा स्टेडियम में होने जा रहे पहले 'नीरज चोपड़ा क्लासिक' में होगा।

हेज़लवुड की घातक गेंदबाज़ी, ऑस्ट्रेलिया ने तीन दिन में ही जीता टेस्ट, वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस)। ऑस्ट्रेलिया ने जोश हेज़लवुड (5/43) की घातक गेंदबाज़ी के दम पर वेस्टइंडीज को बारबाडोस टेस्ट के तीसरे दिन ही शुक्रवार को 159 रनों से हराकर सीरीज़ में शानदार जीत दर्ज की। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी अंतिम सत्र में ही सिमट गई, जिसमें आखिरी दो विकेट नाथन लायन ने लगातार दो गेंदों पर लेकर मुकाबले का अंत किया। शमर जोसेफ के आक्रामक तेवर और जस्टिन ग्रीव्स की रक्षात्मक बल्लेबाज़ी की बदौलत एक समय ऐसा लगा कि मैच चौथे दिन तक खींचेगा, हालांकि, शमर जोसेफ स्लिप में और जेडन सील्स शॉर्ट लेग पर आउट हुए, जिससे मैच का अंत उसी शाम हो गया। हेड को मिला 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार ट्रैविस हेड को दोनों पारियों में अर्धशतक लगाने के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। उन्होंने मुश्किल पिच पर साहसिक बल्लेबाज़ी की और वेस्टइंडीज की खराब फील्डिंग से भी लाभ उठाया। मैच में वेस्टइंडीज ने 7 कैच छोड़े। ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में कैरी, वेबस्टर और हेड चमके ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में एलेक्स कैरी (65), ब्यू वेबस्टर (63) और ट्रैविस हेड (61) ने अहम पारियां खेलीं। कैरी ने केवल 40 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया, जिसमें कुछ दर्शनीय स्ट्रोक भी शामिल थे। उन्होंने शमर जोसेफ और जस्टिन ग्रीव्स के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाते हुए सीधे छक्के भी लगाए। झटके अहम विकेट, लायन ने किया अंत वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में हेज़लवुड ने सबसे ज्यादा कहर बरपाया। उन्होंने एक ही ओवर में ब्रैंडन किंग और जॉन कैम्पबेल को आउट किया, जबकि रॉस्टन चेस और केसी कार्टी को भी चलता किया। कप्तान पैट कमिंस को भी एक कम गेंद पर शाई होप का विकेट मिला, जो अंदर की ओर आई गेंद पर बोल्ड हो गए। मर्नस लाबुशेन ने एक सटीक थ्रो से अल्जारी जोसेफ को रनआउट किया, जबकि लायन ने आखिरी दो विकेट लेकर मैच समाप्त किया। शमर जोसेफ की संघर्षपूर्ण पारी और गेंदबाज़ी वेस्टइंडीज की तरफ से शमर जोसेफ ने 44 रनों की तेज़तर्रार पारी खेली और दूसरी पारी में 5 विकेट भी चटकाए, लेकिन उनका यह प्रदर्शन हार को नहीं टाल सका। उन्होंने मैच में सबसे ज्यादा ओवर भी फेंके। स्कोरकार्ड संक्षेप में: ऑस्ट्रेलिया: 180 × 310 (कैरी 65, वेबस्टर 63, हेड 61, शमर जोसेफ 5/87) वेस्टइंडीज: 190 × 141 (शमर जोसेफ 44, हेज़लवुड 5/43)। ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराया।

श्रीलंका ने बांग्लादेश को पारी और 78 रनों से हराकर सीरीज़ पर किया कब्जा

कोलंबो,28 जून (एजेंसियां) ।

श्रीलंका ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ को 1-0 से जीत लिया है। सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब, कोलंबो में खेले गए दूसरे टेस्ट में मेज़बान टीम ने पारी और 78 रन से धमाकेदार जीत दर्ज की। इस जीत के हीरो रहे बाएं हाथ के स्पिनर प्रबाथ जयसूर्या, जिन्होंने टेस्ट करियर का 12वां पांच विकेट हॉल लेते हुए विपक्षी बल्लेबाज़ों की कमर तोड़ दी।

चौथे दिन शनिवार की शुरुआत बांग्लादेश के 115/6 के स्कोर से हुई, उन्हें श्रीलंका को दोबारा बल्लेबाज़ी पर मजबूर करने के लिए 97 रन की ज़रूरत थी। लेकिन मैच सिर्फ आधे घंटे में खत्म हो गया। जयसूर्या ने अंतिम चार में से तीन विकेट झटके और बांग्लादेश की दूसरी पारी 133 रन पर सिमट गई।

पहली पारी में निसंका का शतक, चंदीमल और मेंडिस का साथ

इससे पहले श्रीलंका ने पहली पारी में 458 रन बनाए थे। ओपनर पथुम निसंका ने शानदार शतक जड़ा, जबकि दिनेश चांदीमल (93 रन) और कुसल मेंडिस (84 रन) ने अहम अर्धशतक लगाए। बांग्लादेश की पहली पारी 247 रन पर सिमटी थी।

जयसूर्या ने फिर मचाया कहर, 5 विकेट झटके

चौथे दिन बांग्लादेश की पारी को निपटाने में जयसूर्या ने कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने पहले लिटन दास (14) को उन्होंने कुसल मेंडिस के हाथों कैच आउट कराया।, इसके बाद नायेम हसन (5) को आगे बढ़कर खेलने पर मजबूर किया और मेंडिस ने उन्हें स्टंप कर दिया। ताइजुल इस्लाम (6) को उन्होंने खुद ही कैच किया। आखिरी विकेट एबादत हुसैन (6) का था, जिसे थरिंदु रतनायके ने एलबीडब्ल्यू आउट कर मैच समाप्त किया।

जयसूर्या ने 5 विकेट देकर 56 रन दिए, जबकि कप्तान धनंजय डी सिल्वा और रतनायके ने 2-2 विकेट लिए।

दो मैचों की इस सीरीज़ का पहला मुकाबला गॉल में खेला गया था, जो ड्रॉ रहा। लेकिन दूसरे टेस्ट में श्रीलंका ने पूरी तरह से अपना दबदबा कायम रखते हुए सीरीज़ जीत ली।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प्रस्तावना पवित्र...

बहस होनी चाहिए कि 'धर्मनिरपेक्ष' व 'समाजवादी' शब्दों को संविधान की प्रस्तावना में रहना चाहिए या नहीं। विपक्ष ने इसे 'राजनीतिक अवसरवाद' और संविधान की आत्मा पर जानबूझकर किया गया हमला करार दिया है। होसबाले के बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। इस बीच, आरएसएस से संबद्ध एक पत्रिका में शुक्रवार को प्रकाशित एक लेख में कहा गया है कि सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' शब्दों की समीक्षा करने का आह्वान, इसे तहस-नहस करने के लिए नहीं है, बल्कि आपातकाल के दौर की नीतियों की विकृतियों से मुक्त होकर इसकी ''मूल भावना'' को बहाल करने के बारे में है।

हिमंत बिस्व सरमा ने...

इमरजेंसी डायरी नामक पुस्तक का विमोचन किया, जिसमें आपातकाल के दौरान संघर्ष और प्रतिरोध के बारे में बताया गया है। जब हम आपातकाल की बात करते हैं, तो यह उसके बचे हुए प्रभाव को मिटाने का सही समय है, ठीक वैसे ही जैसे प्रधानमंत्री मोदी औपनिवेशिक शासन की विरासत को मिटाने का काम कर रहे हैं। आपातकाल के दो प्रमुख परिणाम हमारे संविधान में धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद जैसे शब्दों का जुड़ना था। मेरा मानना है कि धर्मनिरपेक्षता सर्व धर्म समभाव के भारतीय विचार के खिलाफ है। समाजवाद कभी भी हमारी आर्थिक दृष्टि नहीं थी, हमारा ध्यान हमेशा सर्वोदय अंत्योदय पर रहा है।सरमा ने कहा, इसलिए, मैं भारत सरकार से अनुरोध करता हूं कि वह इन दो शब्दों, धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद को प्रस्तावना से हटा दे, क्योंकि वे मूल संविधान का हिस्सा नहीं थे और बाद में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा जोड़े गए थे। ब्लूक्राफ्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तक द इमरजेंसी डायरीज - इयर्स दैट फोर्ज्ड ए लीडर युवा नरेंद्र मोदी के साथ काम करने वाले सहयोगियों के पहले व्यक्ति के उपाख्यानों पर आधारित है, और अन्य अभिलेखीय सामग्रियों का उपयोग करते हुए, यह अपनी तरह की पहली पुस्तक है जो एक ऐसे युवा व्यक्ति के प्रारंभिक वर्षों पर नई विद्वता पैदा करती है, जिसने अत्याचार के खिलाफ लड़ाई में अपना सब कुछ दे दिया।

भारत के विचार...

श्री मोदी ने कहा कि आचार्य ने अपने साहित्य के जरिए और भजनों के माध्यम से प्राचीन प्राकृत भाषा का पुनरोद्धार किया। यह भगवान महावीर के उपदेशों की भाषा है। इसी भाषा में पूरा मूल 'जैन आगम' रचा गया। लेकिन संस्कृति की उपेक्षा करने वालों के कारण यह भाषा सामान्य प्रयोग से बाहर होने लगी थी। इसे देखते हुए सरकार ने आचार्य श्री जैसे संतों के प्रयासों को देश का प्रयास बनाया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष अक्टूबर में सरकार ने प्राकृत को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा दिया। इस दिशा में एक और कदम उठाते हुए सरकार प्राचीन पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण का अभियान भी चला रही है। इसमें बहुत बड़ी संख्या में जैन धर्मग्रन्थों और आचार्यों से जुड़ी पांडुलिपियाँ शामिल हैं।प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार उच्च शिक्षा में भी मातृभाषा को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि वह लालकिले से राष्ट्र के नाम संबोधन में कह चुके हैं , हमें देश को गुलामी की मानसिकता से मुक्ति दिलानी है। हमें विकास और विरासत को एक साथ लेकर आगे बढ़ना है। इसी संकल्प को केंद्र में रखकर, हम भारत के सांस्कृतिक स्थलों का, तीर्थस्थानों का भी विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 में सरकार ने भगवान महावीर के दो हजार पांच सौ पचासवें निर्वाण महोत्सव का व्यापक स्तर पर आयोजन किया था। सांस्कृतिक धरोहर और उसे अधिक समृद्ध बनाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम जरूरी हैं। इनके पीछे मूल मंत्र 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' है।श्री मोदी ने कहा कि आचार्य की प्रेरणा से आज देश विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है इसके लिए भारत की चेतना और संतों के अनुभवों को लेकर सरकार ने देश के लिए अमृतकाल का दृष्टिकोण सामने रखा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का मतलब है हर देशवासी के सपने को पूरा करना। उन्होंने कहा कि आज 140 करोड़ देशवासी देश के अमृत संकल्पों को पूरा करते हुए विकसित भारत के निर्माण में जुटे हैं। विकसित भारत के इस सपने का मतलब है- हर देशवासी के सपनों को पूरा करना! यही आचार्य श्री विद्यानंद जी मुनिराज जी ने हमें प्रेरणा दी है। उनके दिखाये प्रेरणापथ पर चलना, उनकी शिक्षाओं को आत्मसात करना, राष्ट्र निर्माण को अपने जीवन का पहला ध्येय बना लेना, ये हम सबकी ज़िम्मेदारी है। मुझे विश्वास है, आज इस पवित्र अवसर की ऊर्जा हमारे इन संकल्पों को सशक्त बनाएगी।

पीएम मोदी ने ...

भारतीयों की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। मैं यहाँ ठीक और सुरक्षित हूँ। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, यह एक नया अनुभव है... यह यात्रा केवल मेरी नहीं बल्कि पूरे देश की यात्रा है... आपके नेतृत्व में, आज का भारत अपने सपनों को पूरा करने के लिए असंख्य अवसर प्रदान करता है... मैं यहाँ भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बहुत गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ ।

एक देश-एक ...

खत्म करने के फैसले को सही ठहराया था। सीजेआई खुद भी उस 5 जजों की बेंच का हिस्सा थे, जिसकी अध्यक्षता उस समय के चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने की थी। इस बैंच ने 2019 में केंद्र सरकार के जरिए जम्मू-कश्मीर से370 हटाए जाने को सही करार दिया था।5 अगस्त 2019 को केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर से विशेष दर्जा वापस लेकर उसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया था। केंद्र सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई थी। इसी को लेकर गवई ने कहा,जब धारा-370 का मामला हमारे सामने आया, तब मैंने डॉ अंबेडकर के शब्दों को याद किया कि देश को एक रखने के लिए एक ही संविधान जरूरी है।

देश में पहली ...

जबकि ई-वोटिंग केवल सुबह 7 से दोपहर 1 बजे तक ही हो सकेगी।जिन मतदाताओं ने खुद को ई-वोटिंग के लिए रजिस्टर किया है, उन्हें अपने मोबाइल पर एक ऐप डाउनलोड करना होगा।नगरपालिका आम निर्वाचन 2025 के लिए एसईसीबीएचआर ऐप और उप निर्वाचन के लिए एसईसीबीआईएचआर ऐप का उपयोग किया जाएगा।ये ऐप केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर ही काम करेंगे। एक विकल्प राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के ज़रिए भी उपलब्ध है, लेकिन वह भी केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही सक्रिय होगा।निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने बताया, मतदान में किसी तरह की गड़बड़ी न हो, इसलिए केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही मतदान मान्य होगा। एक नंबर से अधिकतम दो लोग (जैसे पति-पत्नी) वोट डाल सकते हैं। इस प्रयोग को लेकर अच्छा रेस्पॉन्स मिला है। सिवान, पूर्वी चंपारण के साथ-साथ दुबई और क़तर जैसे देशों में रहने वाले प्रवासी मतदाता भी रजिस्टर हुए हैं।उन्होंने कहा, यदि किसी मतदाता को मदद चाहिए तो वेबसाइट पर हेल्पलाइन की सुविधा है। पूरी प्रक्रिया को बहुत सरल रखा गया है। मतदाता को स्टेप बाय स्टेप फॉलो करते हुए अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट करना होगा।इसी के साथ निर्वाचन आयोग ने मतदान के लिए ई-वोटिंग से जुड़ी कुछ सावधानियां भी जारी की हैं।

पराग जैन को...

पराग जैन का नाम हाल के समय में 'ऑपरेशन सिंदूर' के लिए सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। ये ऑपरेशन भारत की खुफिया और सैन्य ताकत का एक शानदार नमूना है। इस ऑपरेशन में जैन की अगुआई में रॉ और आर्क ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों की सटीक जानकारी जुटाई, जिसके आधार पर मिसाइल हमले किए गए।

मुंबई की अदालत...

भी खारिज कर दिया था। यह पहली बार नहीं है जब राणे के खिलाफ इस मामले में वारंट जारी किया गया है, यह मामला शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा दायर किया गया था। इससे पहले एक गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने इसके निष्पादन पर रोक लगा दी थी। मजिस्ट्रेट अदालत ने अब पुलिस को 18 जुलाई तक वर्तमान गैर जमानती वारंट के निष्पादन पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यह मामला 2023 के एक भाषण से जुड़ा है जिसमें राणे ने कथित तौर पर राउत को सांप कहा था जो 10 जून, 2023 तक उद्धव ठाकरे को छोड़कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में शामिल हो जाएगा - जो एनसीपी का 25वां स्थापना दिवस है। उस समय शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी दोनों ने राणे के दावों का तुरंत खंडन किया था।इस टिप्पणी के बाद राउत ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में राणे के खिलाफ मानहानि का मामला दर्ज कराया। जवाब देने के लिए समन भेजे जाने के बावजूद राणे लगातार कोर्ट में पेश नहीं हुए।

भारत ने...

उपलब्ध कराए गए थे। सेना को कौन कौन से ड्रोन मिलेंगे...1. इंटिग्रेटेड ड्रोन डिटेक्शन एंड इंटरडिक्शन सिस्टम यानी दुश्मन के ड्रोन को पहचान कर, ट्रैक कर और उसे हवा में ही निष्क्रिय करने में सक्षम होगा। भारत के पास अब वो टेक्नोलाजी होगी जिससे कोई भी विदेशी ड्रोन सीमा में दाखिल नहीं हो पाएगा। 2. रिमोटली पाइलेटेड एरियल व्हीकल्स खासतौर से निगरानी और स्ट्राइक मिशन दोनों के लिए तैयार किए गए हैं। सेना को ऐसे आरपीवी मिलेंगे जो दिन रात हर मौसम में ऑन ऑपरेट कर सकते हैं। 3. लायट्री म्यूनिशन ड्रोन टारगेट के आसपास चक्कर काटते हैं और जैसे ही कमांड मिलती है टारगेट पर गिरकर धमाका कर देते हैं। 4. सर्विलांसिग कॉम्बैट ड्रोन न केवल निगरानी करेंगे बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन के टारगेट पर लॉन्ग रेंज अटैक भी कर सकेंगे।

पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों के खिलाफ शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में इस्लामाबाद द्वारा बड़े पैमाने पर ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमलों का बदला लेने के लिए सीमा पार आतंकी ढांचे पर भारत के हवाई हमलों का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान ने बड़ी संख्या में ड्रोन और युद्धक हथियारों का इस्तेमाल किया था। भारत ने अपने स्वनिर्मित आकाशतीर वायु रक्षा प्रणाली का उपयोग करके पाकिस्तान द्वारा किए गए ड्रोन हमलों की श्रृंखला को विफल कर दिया था, जो युद्ध में रक्षा की प्रमुख पंक्ति के रूप में उभरी है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा मठ में भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव सम्पन्न

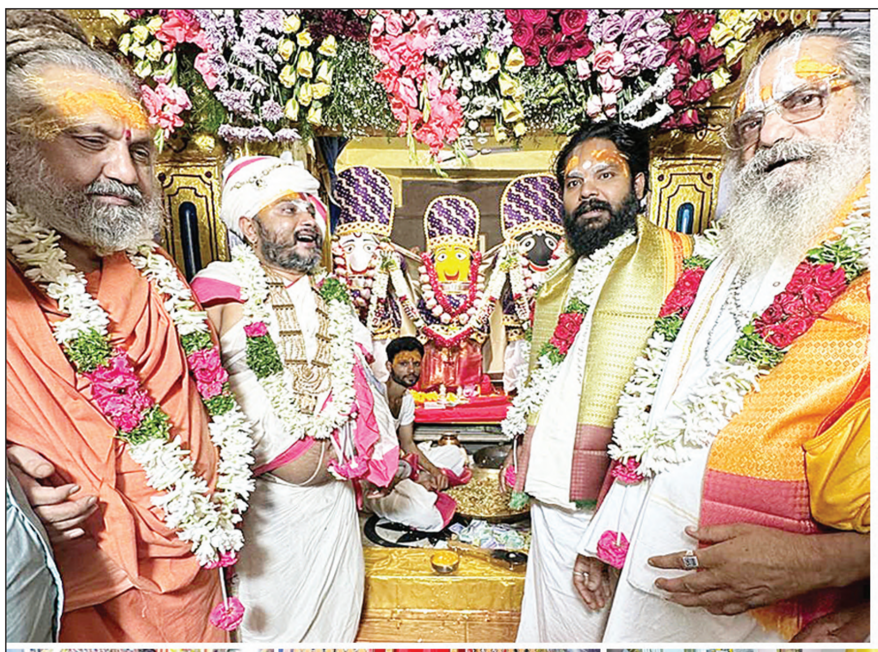

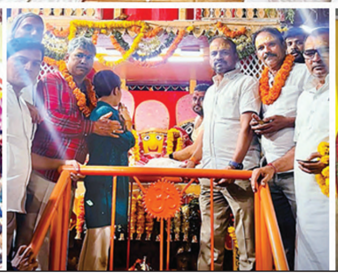

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
जगन्नाथद्वारा खाकी अखाड़ा मठ मंदिर, शंकर बाजार, बेगम बाजार में बाल योगी महंत अमृतदास खाकी के सान्निध्य में प्रातः अभिषेक, श्रृंगार-दर्शन और दोपहर को गोष्ठी प्रसाद के बाद वेदपाठी ब्राह्मणों द्वारा मंत्रोच्चार, मंगल शहनाई वादन, दिव्य भगवान वेंकटेश बालाजी की पालकी सवारी निकाली गई। सायं भगवान जगन्नाथ, भैया बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ रथ पर सवार होकर भक्तों को दर्शन दिये। इस अवसर पर श्रीमहंत मदन मो-हनदास, महंत राहुलदास, महंत अरूणदास, महंत योगी प्रशांतदास, महंत संजयदास, महंत बालकदास, महंत विष्णुदास, महंत चेतनगिरी आचार्य पवन भारद्वाज (अयोध्या), महावीर जोशी, विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, विधायक टी. राजा सिंह, गोशामहल पार्षद शंकर यादव, पार्षद राकेश जायसवाल, विजय चौधरी, नीलेश मूंदड़ा, अविनाश देवड़ा, लडडू यादव, रमेश यादव, योगेश यादव, पुजारी श्याम दायमा, पुजारी श्रीकांत, पुजारी श्याम शर्मा, सूरज महराज, गोपाल दरक, पुरुषोत्तम मिश्रा, गोपाल राठी, संजय तोतला, गिरिराज मिश्रा, अनिल मूंदड़ा, विजय कुमार तोतला, अरुणा तोतला, बबीता तोतला, भरत ओझा, संदीप ठाकुर, नवल जाजू, लखन तोतला, शुभम तोतला, केशव तोतला, आशीष कालिया, आनन्द शर्मा, बिहारी लाल यादव, मनीष मलानी, प्रेमराज एडवोकेट, आनन्द, पवन कुमावत, विनोद सिंह, सन्तोष शर्मा उपस्थित होकर भगवान जगन्ना के दर्शन किये। इस अवसर पर भजन गायक शत्रुहन दायमा ने अपनी मधुर वाणी में भजन प्रस्तुत किये। कार्यक्रम में पुलिस बंदोबस्त की व्यवस्था पर गोशमहल इंस्पेक्टर एम. निव-शलू एवं लक्ष्मय्या का कार्य सराहनीय रहा। सैकड़ो की संख्या में भक्तों ने भाग लेकर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

ध्यान फाउंडेशन गौशाला द्वारा 01 से 07 जुलाई तक एसएससी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाले श्रीमद् भागवत तथा ज्ञान यज्ञ में दैनिक यजमान बनने पर हनुमान बगस लक्ष्मी प्रसाद अग्रवाल परिवार के लक्ष्मी प्रसाद अग्रवाल, नरेश कुमार अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, ईशान अग्रवाल, इशिका अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, खुश अग्रवाल, आशा विजयवर्गी, प्रभा विजयवर्गी, मुकेश, संतोष, मोनिका, प्रतीक, चंचल, विहान, प्रणिका विजयवर्गी को फाउंडेशन के अनिल अग्रवाल एवं दीपक विजयवर्गी ने स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया।

शनिवार को अपने माता-पिता शिवलाल-श्रीमती दुलारीबाई की स्मृति में सरकारी प्राईमरी हाईस्कूल आंगनवाड़ी के विद्यार्थियों में पाठ्य पुस्तकें वितरित करते हुए गोशामहल के पार्षद लाल सिंह। इस अवसर पर बहादुर सिंह, संदीप सिंह, जयप्रकास सिंह, गणेश सिंह, अमरदीव सिंह, उदय सिंह, बी. कमल सिंह, प्रदीप सिंह, जयपाल सिंह, दीपक सिंह, सुधाकर गौड एवं समस्त पानवाले परिवार तथा भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोत्तापेट लाइंस क्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम में अलका जननी ने भाजपा नेता एवं समाज सेवी सपना गुप्ता का सम्मान किया एवं प्रेम जी पुरस्कृत कार्ड सौंपा। अवसर पर उपा-स्थित मनीषा, अलका, दीपा, कामेक्षी, पुष्पा सिमरन,नेहा व अन्य उप-स्थित थे।

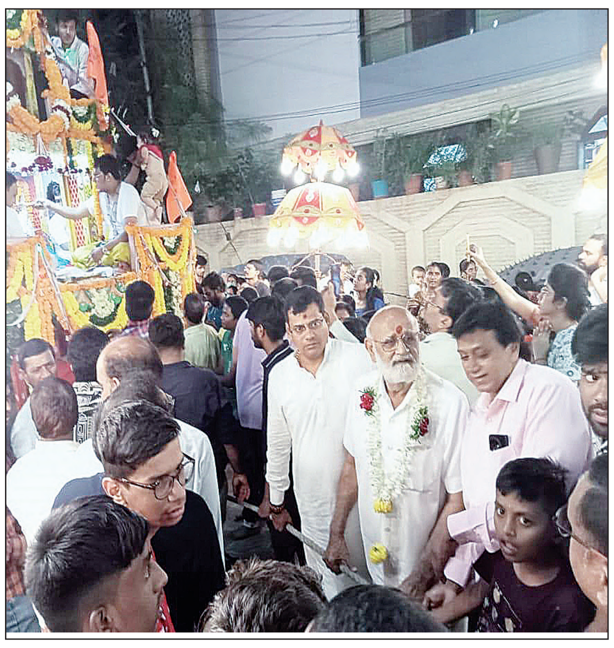

ईसामिया बाजार जगन्नाथ मंदिर द्वारा आयोजित भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को खींचते हुए भाजपा नेता गोविंद राठी, शैलेंद्र यादव, मनोज जायसवाल एवं अजय तुलस्यान।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता,आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, अशोक गुप्ता, एस.जे. महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, भगतराम गोयल, रोहित अग्रवाल, गोपाल गोयल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, उवां केडिया, प्रीतिका अग्रवाल, ई जगन (चंपापेट), राजेश योगा सरजी, संजय गोयल, किरण गोयल, सुरेश डालमिया एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जायसवाल क्लब का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
शनिवार, दि. 28 जून को जायसवाल क्लब की 8वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी की दो दिवसीय बैठक हैदराबाद में जामबाग पार्षद राकेश जयसवाल के नेतृत्व में आयोजित की गई। प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि मनोज जायसवाल, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, विधायक रमेश जायसवाल एवं विभिन्न प्रांतों से स्वजातीय बंधुओं एवं वरिष्ठ लोग उपस्थित हुए। इस अवसर पर जायसवाल क्लब की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया गया। विभिन्न प्रांतों से पधारे वक्ताओं ने समाज को एकजुट करने के लिए अपनी-अपनी राय दी और भविष्य में सरकार में अपनी भागीदारी बने उसके लिए समाज को संगठित करने और एकजुटता पर बल दिया।

प्रथम दिन कार्यक्रम में जायसवाल क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक मनोज जायसवाल के नेतृत्व सभी स्वजातीय लोगों ने समाज को संगठित करने का वचन लिया। इस अवसर पर सर्वश्री राष्ट्रीय अध्यक्ष/संस्थापक जायसवाल क्लब मनोज जायसवाल, पंडित दीनदयाल, विधायक रमेश जायसवाल, राकेश जयसवाल, नंदलाल जायसवाल, रविंद्र जायसवाल, (प्रदेश प्रवक्ता) प्रकाश जायसवाल, पूर्व मंत्री तेलंगाना वी. श्रीनिवास, पूर्व मंत्री कर्नाटक वी माल्क्या गोटेदार , प्रियंका जायसवाल, कमलेश जायसवाल, ऋतु जायसवाल, राजेश जायसवाल, राखी जायसवाल, तिलक भामाशाह, नीला सुहवल एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित टाईनी स्टार्स (महावीर प्रसाद बजरंगलाल इंटरनेशनल प्ले स्कूल एवं भगवती बाई मॉन्टेसरी) स्कूल के प्रांग में फ़ॉदर्स-डे के साथ इंटरनेशनल मंड-डे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

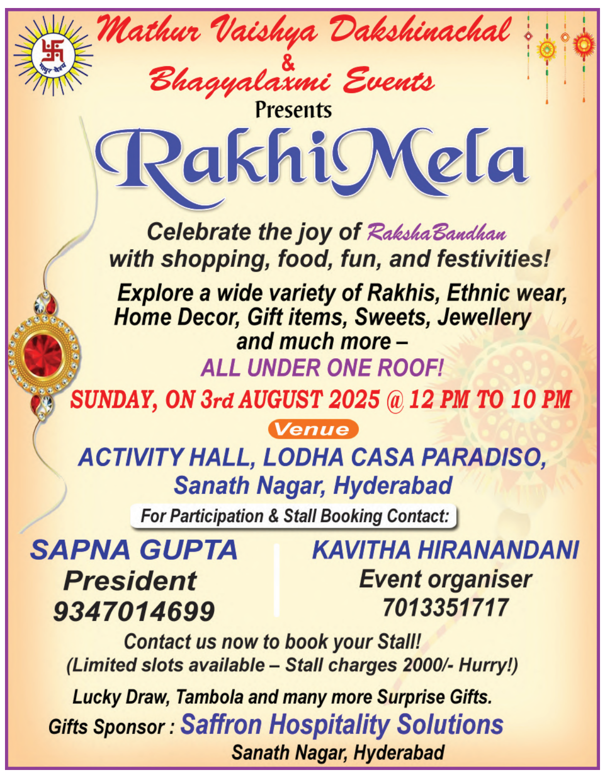

वनबंधु परिषद हैदराबाद चैप्टर की महिला सदस्यों की वनयात्रा सम्पन्न

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वनबंधु परिषद हैदराबाद चैप्टर की महिला सदस्यों की वनयात्रा का आयोजन 27 जून को अंचल संगरेड्डी के नादलपुरम विद्यालय में किया गया। जिसमें 6 सदस्यों ने भाग लिया।

यात्रा जब ग्राम में पहुंची वहां पर आचार्य दीदी एवं ग्राम समिति द्वारा सभी का भव्य स्वागत किया गया ।

चैप्टर की महिला सदस्यों- श्रीमती वंदना राठी, श्रीमती आशा डागा, श्रीमती अनुराधा अग्रवाल, श्रीमती प्रिया कृपलानी, श्रीमती परमिला द्वारा दीप प्रज्जवलित किया गया। विद्यालय के बच्चों द्वारा विद्यालय का संचालन किया गया। छात्राओं ने चौपाई, एकल विजय मंत्र और भजन, सरस्वती वन्दना, गायत्री मंत्र, गीत, पहाड़े, कविता, राष्ट्रभक्ति से ओतप्रौत गीत, नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति दी । श्रीमती वंदना द्वारा योग एवं आसन के बारे में बताया गया। श्रीमती प्रिया कृपलानी ने अपने परिवेश को साफ सुथरा कैसे रखें इस पर प्रयोग के साथ जानकारी प्रदान की। महिला समिति द्वारा विद्यालय के बच्चों को बैग व अन्य पठन-पाठन व फल सामग्री भेंट किये, जिसे पाकर बच्चे बहुत प्रसन्न हुए । समिति सदस्यों द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया गया। सभी वनयात्रियों ने श्री बालाजी मन्दिर के दर्शन का भी लाभ लिया।

टच ए लाइफ फाउंडेशन की सुश्री विभूति जैन, सुश्री रीना हिंडोचा मुख्य अतिथि जयेश रंजन, आईएएस, विशेष मुख्य सचिव, तेलंगाना सरकार और अनुमुला बाबू राव, प्रसिद्ध उद्यमी और कैफे निलोफर के मालिक के साथ शनिवार को टी-हब, नॉलेज सिटी, हाईटेक सिटी, हैदराबाद में टच ए लाइफ फाउंडेशन द्वारा आशा और परिवर्तन की एक शाम स्पर्श 2025 के उद्घाटन किया।

सूत्रधार संस्था द्वारा पंचम वार्षिकोत्सव समारोह एवं बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
सूत्रधार संस्था की संस्थापिका सरिता सुराणा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि साहित्य, कला, संस्कृति, शिक्षा और समाज सेवा हेतु समर्पित अग्रणी राष्ट्रीय संस्था- 'सूत्रधार साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था, हैदराबाद, भारत' ने अपनी स्थापना के 5 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। इस अवसर पर संस्था द्वारा 29 जून, रविवार को हिन्दी प्रचार सभा, नामपल्ली, हैदराबाद के सभागार में पंचम वार्षिकोत्सव समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह समारोह सुबह 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित किया जा रहा है।इस समारोह का प्रथम सत्र विशेष रूप से नन्हे-मुन्ने बाल कलाकारों को समर्पित है। इस सत्र में श्रीमती शुभ्रा मोहन्तो द्वारा संचालित अकादमी 'संगीत साधना संगीतालय, हैदराबाद' के बाल कलाकार गायन, वादन और नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। सुश्री चन्द्रेयी मंडल, सुश्री आरुषि मंडल, सुश्री संघमित्रा बिष्वास, सुश्री शरन्या रावल और सुश्री ईशानी महापात्र सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत प्रस्तुत करेंगी। सुश्री ध्रुवी बालाजी नृत्य प्रस्तुत करेंगी और श्री स्कन्दन धन्वी पियानो पर धुन बजाएंगे। सुश्री आमौलिका डांग, सुश्री सानवी पोतदार और सुश्री दर्शनी बाबू देशभक्ति गीत पर आधारित सामूहिक नृत्य प्रस्तुत करेंगी।

डॉ. जयरामन बालकृष्णा द्वारा संचालित 'नृत्यांजलि आर्ट्स एकेडमी' के बाल कलाकारों- कुमारी राचा दिति वर्षिणी, कुमारी दीक्षिका बुदावरपु और कुमारी नित्याश्री अन्नालुरी द्वारा शास्त्रीय नृत्य की प्रस्तुति दी जाएगी। सुश्री सन्निधि वर्मा बिरजू महाराज का तराना पर कत्थक नृत्य प्रस्तुत करेंगी। श्रीमती सुदेष्ना सामंत और सन्निधि वर्मा राधा-कृष्ण के प्रेम पर आधारित युगल नृत्य प्रस्तुत करेंगी।

प्रिय सान्निध्य वर्मा और सुश्री आरम्भिका भारद्वाज काव्य पाठ करेंगे। इनके साथ-साथ और भी बहुत कुछ देखने को मिलेगा। भाग लेने वाले सभी बच्चों को मोमेंटो और प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। द्वितीय सत्र में बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। नगर के लब्ध प्रतिष्ठ साहित्यकार, कवि, समीक्षक एवं प्रखर वक्ता प्रोफेसर ऋषभदेव शर्मा इस सम्पूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। जैन समाज की प्रमुख समाज सेविका, जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मण्डल की भूतपूर्व अध्यक्ष एवं संस्था की संरक्षक श्रीमती विमलेश सिंघी मुख्य अतिथि के रूप में मंचासीन होंगी।

अग्रवाल शिक्षा समिति में नशा विरोधी जागररूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अग्रवाल शिक्षा समिति द्वारा संचालित राधे कृष्ण वूमेंस कॉलेज व दुर्गाप्रसाद बनवारीलाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज द्वारा समिति के सेड़मल हॉल में शनिवार दि. 28 जून 2025 को नशा विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी अतिथि वक्ता डॉ. लक्ष्मी प्रसन्ना रही। कार्यक्रम का शुभारंभ मंच पर विराजित गणमान्यों द्वारा दीप प्रज्वलन से किया गया।अवसर पर कॉलेज के करेस्पांडेंट डॉ. महेश कुमार केडिया, राधे कृष्णा कॉलेज की प्राचार्य डॉ. पद्म प्रिया व दुर्गा प्रसाद बनवारीलाल गर्ल्स जूनियर कॉलेज की प्रभारी प्राचार्य श्रीमती अमतुल हबीबा उपस्थित रहे।

कॉलेज की छात्रा भवानी ने अतिथि वक्ता डॉ. लक्ष्मी प्रसन्ना का परिचय दिया।

अतिथि वक्ता डॉ. लक्ष्मी प्रसन्ना ने छात्रों को नशीले पदार्थों की सच्चाई से पर्दा उठाने व जागरूक करते हुए कहा कि हम जो भी दवाइयां उपयोग में लाई जाती है। वे सब एक तरह से ड्रग्स है पर हम ड्रग एडिक्ट नहीं है। ड्रग्स कई कारणों से होता है जैसे आदत, मज़ा और असफलता होने से भी लोग ड्रग का सहारा लेते हैं। गणमान्यों ने अतिथि वक्ता को शौल द्वारा सम्मानित किया।कॉलेज के विद्यार्थियों ने नशा विरोधी जागरूकता पर अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की छात्राएं भवानी, इशिका, व भाग्यश्री सोनी ने संयुक्त रूप से किया। आभार प्रदर्शन मोनिका ने दिया।

तप जैन शासन की प्रभावना का सेतु है : साध्वी गवेषणा श्रीजी

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
साध्वी डॉ गवेषणा श्रीजी नगर भ्रमण के दौरान 26/06 को बेगमपेट स्थित वंशी स्पेन कलेक्टिव होम्स, मयूरी मार्ग में पधारे। प्रवचन के मध्य एक ही परिवार के तीन सदस्य तपस्या के साथ उपस्थित हुए। राजेन्द्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति अनुसार इस अवसर पर डॉ साध्वी श्री गवेषणा श्री जी ने कहा- आगम साहित्य में शोधन और परिमार्जन के दो सूत्र बताये गये-है- संवर और निर्जरा । तप को निर्जरा का महान साधन माना गया है। तप जैन शासन की प्रभावना का हेतु है। तप से देव, दानव और राक्षस सभी प्रभावित होते है। तप शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा चारों को मंगलमय बनाता है। तपस्या करना सहज नहीं है, जिनके कर्मो का क्षयोपशम होता है वही तपस्या कर सकता है। आज परिवार के तीन पीढ़ी की एक साथ तपस्या है। साध्वी मयंकप्रभा ने कहा- आज के स्वादलोलुपी और जंकफूड के युग में एक किशोर द्वारा तपस्या करना बहुत बड़ी चुनौती है। तपस्या न इटली है न डोसा है- यह जीवन का सबसे बड़ा तोहफा है। साध्वी मेरुप्रभाजी ने तपस्या की अनुमोदना में सुमधुर गितिका प्रस्तुत की।किशोर नमन दुगड ने नौ की तपस्या , नमन के पिता विनोद दुगड़ ने चार की तपस्या, दादाजी पदमजी दूगड ने तीन की तपस्या का प्रत्याख्यान किया।

सिकंदराबाद सभा अध्यक्ष सुशील संचेती, महिला मंडल की मंत्री सुशीला जी मोदी ने पचरंगी एवं साहित्य द्वारा तपस्या की अनुमोदना की। कार्यक्रम में सभा मंत्री हेमंत जी संचेती,संपत जी बरडिया , कांता डागा, पुष्पा बरडिया, पीयूष बरडिया, निर्मल मोदी, प्रभा खटेड, समता डोसी, पायल पारख, पुनीत हिरावत आदि लोगों की गरिमामय उपस्थित थी। अंजू जी चौरडिया ने आभार ज्ञापन किया।

साथी हाथ बढ़ाना संस्था ने विद्यालय में दी आवश्यक सामग्री

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
रामगोपाल गुप्ता के नेतृत्व में साथी हाथ बढ़ाना संस्था के सदस्यों ने तोपखाना,उस्मानगंज स्थित गवर्नमेंट हाइ स्कूल में छात्रों के लिए 200 मध्यान्ह भोजन की प्लेट्स भेंट की। इसके साथ ही नमकीन एवं मीठा भी दिया गया।

इस सेवा कार्य के लिए विद्यालय के प्राचार्य व अन्य स्टाफ सदस्यों ने संस्था के प्रति आभार व्यक्त कियो। संस्था से आगे भी जरूरत की सामग्री के लिए निवेदन किया। इस कार्य में सहयोग राशि में गोपाल मंजेश्वरी गुप्ता, गोविंद आरती अग्रवाल, ओमप्रकाश शारदा गुप्ता, गणेश राखी अग्रवाल, नरेंद्र सुमन अग्रवाल (यूएसए), निरंजन सीमा पंसारी, संजय पिंकी अग्रवाल, दिनेश सरला अग्रवाल, धीरज अग्रवाल, दिलीप पावनी रेड्डी (यूएससए) का विशेष अनुदान रहा। भविष्य में भी संस्था द्वारा छात्रों के लिए आवश्यक सामग्री का प्रबंध किया जाएगा।

इस अवसर पर रामगोपाल गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, संजय अग्रवाल ने उपस्थित रहकर कार्य में सहयोग दिया।

नारी चेतना मौन से परे स्वास्थ्य का आयोजन

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
माली महिला संगठन एवं तेलंगाना माली युवा संगम के सौजन्य से नारी चेतना मौन से परे स्वास्थ्य का आयोजन राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली संघ, कोलसावाडी, बेगम बाजार, हैदराबाद में किया गया।

जिसमें पुणे से स्वास्थ्य शिक्षिका श्रीमती आरती पाण्डे जो महिलाओं की प्राकृतिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ है ने इस जागरूकता सत्र जिसमें पीसीओएस/पीसीओडी, हार्मोन असंतुलन, अनियमित मासिक धर्म और प्रजनन स्वास्थ्य, डायबिटीज़ और प्राकृतिक उपचार पर मार्गदर्शन एवं चर्चा की गई ।सत्र का प्रारंभ राजस्थानी सैनिक क्षत्रिय माली समाज के अध्यक्ष रामवल्लभ भाटी, माली महिला संगठन अध्यक्षा अनुराधा सोलंकी, मुख्य वक्ता आरती पाण्डे एवं चंद्रकला देवड़ा द्वारा दीप प्रज्वलन से प्रारंभ हुआ, योगाचार्य वंदना भाटी ने महिला स्वास्थ्य संबंधित जानकारी साझा की, संतोष टाक ने माली महिला संगठन की गतिविधियों से सभी को अवगत कराया, महिला प्रेरणादायक संबोधन नीलू भाटी ने किया, राधिका चौहान ने हेल्थ वेलनेस पर जागरूक डिजिटल प्रदर्शन किया , मंच संचालन यशस्वी कच्छवाहा एवं धन्यवाद ज्ञापन सुमन गहलोत द्वारा किया गया। आरती पाण्डे का सम्मान समाज की और से पदाधिकारियों ने किया।

गीत चाँदनी और बच्चन अकादमी का साहित्यिक आयोजन आज

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।
गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-333 का आयोजन रविवार, 29 जून को दोपहर 1 बजे से मोज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नास्टिक सेंटर के सेल्लार सभागृह, हैदराबाद में संपन्न होगा। गीत चाँदनी का यह 44वाँ वर्ष चल रहा है। गीत चाँदनी की कोषाध्यक्षा व कवयित्री श्रीमती रत्नकला मिश्र कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगी। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, कवि गोविंद अक्षय कार्यक्रम का संचालन करेंगे और संस्था की गतिविधियों से अवगत करायेंगे। इस अवसर पर गीत चाँदनी की संबद्ध संस्था बच्चन अकादमी द्वारा भारतीय कवि साहित्यकार नागार्जुन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर कवि संत कुमार मंडल जागृति और कवि यशोदानंदन (हृदय सम्राट यशोदानंदन खुराफाती यश) अपने विचार प्रस्तुत करेंगे।

1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी का एक और स्कूल में एनसीसी का गठन

एनसीसी का अनुशासन जीवन को सुगम बनाता है : कर्नल के एस पांडियन

हैदराबच, 28 जून (शुभ लाँभ ब्यूरो)।
हैदराबाद ग्रुप हेडक्कार्टर एनसीसी के अंतर्गत 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी ने शुक्रवार, दि. 27 जून 2025 को नाचारम स्थित सुप्रभात मॉडल हाई स्कूल में एफएसएफएस के अंतर्गत एनसीसी की आधी टुकड़ी का सफलतापूर्वक गठन किया गया। इस अवसर पर बटालियन के प्रभारी कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल के एस पांडियन और बटालियन के प्रभारी सूबेदार मेजर बीजेंदर यादव, सूबेदार फिरदौस, हवालदार सोनू सिंह, एनसीसी अधिकारी करीम और विद्यालय के प्रशासन अधिकारी एवं अन्य इसके साक्षी रहे।स्कूल में एनसीसी का गठन इसलिए महत्वपूर्ण था, क्योंकि इसी दिन स्कूल ने शिक्षा के क्षेत्र में सफलतापूर्वक 20 वर्ष पूरे किए थे।कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके बाद स्कूल परिसर में एनसीसी का झंडा फहराया गया और स्कूल में एनसीसी ऑफिस का उद्घाटन किया गया।सभी प्रतिभागी इस यादगार कार्यक्रम का हिस्सा बनकर रोमांचित थे। छात्रों ने एनसीसी की उम्मीदों पर खरा उतरने और भविष्य में आने वाले बैचों के लिए स्कूल के पथ प्रदर्शक बनने का संकल्प लिया।इस कार्यक्रम में स्कूल के अकादमिक डायरेक्टर टी संपत रेड्डी, प्रशासन अधिकारी के वि नरेंदर, प्राचार्य जी भानु विशाल, आशा लता एवं अन्य कर्मचारियों ने भाग लिया।

कस्बा लॉ कॉलेज गैंगरेप : भाजपा ने ममता बनर्जी से मांगा इस्तीफा

नई दिल्ली, 28 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कोलकाता के कस्बा लॉ कॉलेज में एक छात्रा के साथ जघन्य सामूहिक बलात्कार की घटना को राज्य सरकार के संरक्षण में हुआ अपराध करार देते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से इस्तीफा देने की मांग की है तथा इस घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति गठित करने की घोषणा की है।

भाजपा के प्रवक्ता डॉ. संबित पात्रा ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, बंगाल में जो रहा है उसको लेकर हम सब बहुत पीड़ा में हैं। बंगाल में महिलाओं के साथ इस प्रकार के क्रूर व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। हम ममता बनर्जी स्पष्टीकरण नहीं मांग रहे हैं, हम उनसे माफी मांगने और इस्तीफा देने की मांग करते हैं।

उन्होंने कहा कि कोलकाता के लॉ कॉलेज में हुई इस भयावह घटना से पूरा देश दुखी है। आश्चर्य की बात है कि पश्चिम बंगाल किस दिशा में जा रहा है। यह दुखद है कि बंगाल में महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराध बार-बार सामने आ रहे हैं, जबकि यहां एक महिला मुख्यमंत्री हैं। यहां महिलाओं के साथ इतनी क्रूरता क्यों हो रही है। पीड़िता के बयान से पता चलता है कि यह राज्य प्रायोजित क्रूरता है। ऐसा कहने का कारण यह है कि कथित तौर पर कॉलेज यूनियन इसमें शामिल है। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा कथित तौर पर तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा का सचिव रहा है। वह इसी कॉलेज का छात्र है, कानून की पढ़ाई कर रहा है और साथ ही सत्तारूढ़ पार्टी के छात्र संगठन से भी जुड़ा हुआ है। उसकी तस्वीरें अभिजीत बनर्जी, सांसद कल्याण बनर्जी, मुख्यमंत्री की रिश्तेदार कजरी बनर्जी के साथ हैं जो इन नेताओं के साथ उसकी निकटता जाहिर करती हैं।

डॉ. पात्रा ने कहा, 25 जून के दिन कोलकाता के कस्बा लॉ कॉलेज में लगभग 24-25 वर्षीय हमारी एक बहन, एक छात्रा के साथ जिस प्रकार का एक जघन्य गैंगरेप का केस हुआ है, उसको लेकर आज पूरे भारतवर्ष में एक दुख का माहौल है। अचरज का माहौल है कि आखिर बंगाल किस तरफ बढ़ रहा है। बंगाल में रह-रह कर ऐसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, चाहे आरजी कर मेडिकल कॉलेज का विषय हो, चाहे कस्बा लॉ कॉलेज का विषय हो। जहां एक महिला मुख्यमंत्री है, वहां महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता होनी चाहिए, वहां इस प्रकार की संवेदनहीनता, इस प्रकार की क्रूरता आखिर क्यों है? पीड़िता ने खुद लिखित बयान जारी किया है, जिसे ध्यान से पढ़ा जाए तो उससे स्पष्ट होता है कि जो गैंगरेप का कुचक्र हुआ है, वो कहीं न कहीं राज्य प्रायोजित क्रूरता है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि जो मुख्य आरोपी मोनोजीत मिश्रा के साथ के दो आरोपी जैब अहमद और प्रमित मुखर्जी भी लॉ कॉलेज के छात्र हैं। पीड़िता ने अपनी शिकायत में कहा कि तीनों आरोपियों ने 25 जून को शाम 7.30 बजे से 10.50 बजे के बीच कॉलेज परिसर में अपराध को अंजाम दिया।

उन्होंने कहा कि पीड़िता की शिकायत में बताया गया है कि आरोपियों में से एक ने पीड़िता से शादी करने के लिए भी कहा था। जब उसने इनकार कर दिया, तो उन्होंने क्रूरता से अपराध किया। यह भयावह घटना कॉलेज के गार्ड रूम के अंदर हुई। गार्डों को परिसर छोड़ने का निर्देश दिया गया था। दुख की बात यह है कि गार्ड पास में ही मौजूद थे, फिर भी अपराध हुआ।

डॉ. पात्रा ने कहा कि क्रूरता का स्तर अकल्पनीय है। पीड़िता को हॉकी स्टिक से बेरहमी से पीटा गया। मारपीट के दौरान जब उसे अस्थमा का दौरा पड़ा, तो उसने अपने इनहेलर के लिए गुहार लगाई और अस्पताल ले जाने की भीख मांगी - लेकिन वह बुनियादी मदद भी नहीं दी गई। तृणमूल कांग्रेस के इन गुंडों द्वारा किए गए अत्याचार राजनीतिक संरक्षण में व्याप्त अराजकता और क्रूरता की गहराई को दर्शाते हैं।

उन्होंने कहा कि पीड़िता को धमकी दी गई कि अगर उसने मुंह खोला तो उसे और उसके प्रेमी को मार दिया जाएगा और उसके माता-पिता को झूठे आरोप में गिरफ्तार कर सरकार द्वारा परेशान किया जाएगा। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि आरोपी को किस तरह का राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। मुख्य आरोपी, जो तृणमूल कांग्रेस का सदस्य है, अक्सर तृणमूल कांग्रेस विधायकों, पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और यहां तक कि ममता बनर्जी के रिश्तेदारों के साथ तस्वीरों में देखा जाता है। क्रूर अपराधों की यह शैली बताती है कि इस तरह के जघन्य कृत्यों को राजनीतिक समर्थन और कानून और न्याय के प्रति पूर्ण उपेक्षा से प्रेरित होकर कैसे हल्के में लिया जाता है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कोलकाता की इस घटना पर तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी की शर्मनाक टिप्पणी 'अगर कोई दोस्त ही दोस्त का बलात्कार करे तो क्या किया जा सकता है?' सत्तारूढ़ पार्टी की चौंकाने वाली मानसिकता को दर्शाती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कॉलेज राज्य के अधिकार क्षेत्र से बाहर है? या पश्चिम बंगाल में कानून और व्यवस्था का नामोनिशान ही नहीं है?

डॉ. पात्रा ने कहा कि भाजपा के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने कस्बा लॉ कॉलेज की घटना की जांच के लिए एक चार सदस्यीय समिति गठित करने का निर्णय किया है जिसमें पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं पूर्व मुंबई पुलिस आयुक्त सतपाल सिंह, पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं अधिवक्ता मीनाक्षी लेखी, सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री विप्लब देव तथा सांसद एवं बार काउंसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये समिति घटनास्थल का दौरा करेगी और पार्टी अध्यक्ष को इसकी रिपोर्ट सौंपेगी।

जम्मू कश्मीर में 14 लाख नशेड़ी, बहुतायत में नाबालिग

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 28 जून।

जम्मू कश्मीर में 13.5 लाख से अधिक लोग नशे की लत से पीड़ित हैं, इनमें 10 से 17 वर्ष की आयु के 1.68 लाख नाबालिग शामिल हैं। इनमें से लगभग 95,000 व्यक्ति ओपियोइड के लती हैं। प्रदेश के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि नशे की लत का पैटर्न बदल रहा है।

कुछ क्षेत्रों में हेरोइन के इस्तेमाल में गिरावट देखी गई है तो दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ रहा है। टेपेंटाडोल, प्रीगैबलिन, ट्रामाडोल और यहां तक कि एविलिन जैसी पशु चिकित्सा दवाओं का भी नशे के लिए इस्तेमाल हो रहा है।

श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कालेज में मनोचिकित्सा विभाग के प्रोफेसर डॉ. यासिर हसन राथर बताते हैं, नशा मुक्ति केंद्र में मादक पदार्थों के उपयोग के मामले लगातार आ रहे हैं। हम हर दिन 5 से 10 नए मामले देखते हैं, साथ ही नियमित फॉलोअप भी करते हैं।

हेरोइन का उपयोग थोड़ा कम हो सकता है, लेकिन कई नशेड़ी सस्ती या अधिक सुलभ दवाओं की ओर रुख कर रहे हैं, या पॉलीड्रग का दुरुपयोग कर रहे हैं। डॉ. राथर कहते हैं कि जागरूकता अभियानों और नशा मुक्त भारत अभियान जैसी पहल के कारण हेरोइन के इस्तेमाल में गिरावट आई है, लेकिन दवाइयों का इस्तेमाल बढ़ा है, जिसका पता लगाना कठिन है। डॉ. राथर इसके लिए रोकथाम-आधारित रणनीतियों को सख्ती से लागू किए जाने पर जोर देते हैं।

कश्मीर के टेली-मानस के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. मोहम्मद अबरार गुरु कहते हैं कि नशे की लत युवाओं के बड़े वर्ग को प्रभावित कर रही है। इनमें उन युवा रोगियों की अधिक तादाद है जो सिंथेटिक ओपिओइड, भांग और अन्य कई पदार्थों के इस्तेमाल के आदी हैं।

यह अब केवल स्वास्थ्य संबंधी चिंता नहीं है, बल्कि परिवारों और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करने वाली एक सामाजिक आपात स्थिति है। शोपियां में एडिक्शन ट्रीटमेंट फैसिलिटी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. आदिल कहते हैं कि रोगी बड़ी संख्या में उपचार की तलाश कर रहे हैं और नियमित आधार पर नए-नए पंजीकरण हो रहे हैं। अधिकांश नशेड़ी हेरोइन के लती हैं, जिन्हें अक्सर साइकोट्रोपिक दवाओं के साथ मिलाया जाता है। हम एविलिन जैसी पशु दवाओं का दुरुपयोग भी पा रहे हैं।

सिंगरेनी कोलियरीज दुर्घटना बीमा योजना राष्ट्र के लिए एक आदर्श है : उपमुख्यमंत्री भट्टी

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क मल्लू ने आज कहा कि सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में लागू की जा रही 1.20 करोड़ रुपये की दुर्घटना बीमा योजना न केवल सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए बल्कि देश भर के सभी राज्यों के लिए एक आदर्श के रूप में काम करेगी।

राज्य सरकार के निर्देशों के बाद सिंगरेनी में लागू की जा रही मुफ्त दुर्घटना बीमा योजना के हिस्से के रूप में, भट्टी ने यहां महात्मा ज्योतिराव फुले प्रजा भवन में आयोजित एक कार्यक्रम

में एक श्रमिक के परिवार को 1.20 करोड़ रुपये का चेक सौंपा, जिसकी हाल ही में एक दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी।

उपमुख्यमंत्री ने मृतक श्रमिक पेंड्री रंजीत कुमार की पत्नी लता को चेक प्रदान किया, जो सिंगरेनी के रामागुंडम-1 क्षेत्र में सहायक व्यक्ति के रूप में काम करते थे।

रंजीत कुमार का भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में वेतन खाता था और हाल ही में एक सड़क दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई थी। मृतक द्वारा नामांकन कराए जाने के बाद उनकी पत्नी को दुर्घटना बीमा योजना के तहत 1.20 करोड़ रुपये की बीमा राशि का भुगतान किया गया है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना श्रमिकों के परिवारों को अप्रत्याशित दुर्घटना की स्थिति में आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है, ताकि वे संकट में न पड़ें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मृतक श्रमिक के परिवार को अनुकंपा नियुक्ति पत्र शीघ्र उपलब्ध करा दिया जाएगा। कार्यक्रम में ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव नवीन मित्तल, सिंगरेनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एन. बलराम, रेडको की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक सुश्री अनीला, एसबीआई की डीजीएम सुश्री नीलाक्षी सिंह, क्षेत्रीय प्रबंधक सुरेश कुमार, कार्यपालक निदेशक (कोल मूवमेंट) एस.डी.एम. सुभानी समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए।

तेलंगाना सरकार ने आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने शनिवार 28 जून को तीन आईएएस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपा तथा एक अधिकारी का तबादला कर दिया।

के शशांक, आईएएस, जो वर्तमान में फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी (एफसीडीए) के आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं, को तेलंगाना इंडस्ट्रियल इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। यह पद पहले ई विष्णु वर्धन रेड्डी के पास था।तेलंगाना पर्यटन विकास निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक वल्लुरू क्रांति को खान एवं भूविज्ञान निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इससे पहले यह पद के शशांक के पास था।ग्रामीण गरीबी उन्मूलन सोसायटी (एसईआरपी) के अतिरिक्त सीईओ का पद संभाल रहीं पी कात्यायनी देवी को राज्य वित्त निगम के संयुक्त प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।खम्मम के नगरीय क्षेत्रों में गरीबी उन्मूलन मिशन (एमईपीएमए) के परियोजना निदेशक पी महेंद्र को रंगा रेड्डी जिले में फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी का प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त किया गया है।

जहरीला पानी घोटाला पकड़ा गया : अवैध टैंकर कर रहे थे दूषित पानी की आपूर्ति

हैदराबाद, 28 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अवैध जलापूर्ति परिचालनों पर एक बड़ी कार्रवाई में, हाइड्रा (हैदराबाद रेजिडेंट्स अवेयरनेस एंड एक्शन एसोसिएशन) ने कई जल टैंकर ऑपरेटरों के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज की, जिन पर माधापुर में सुन्नम चेरुवु से अवैध रूप से प्रदूषित पानी खींचने और इसे छात्रावासों और आवासीय क्षेत्रों में आपूर्ति करने का आरोप है।

शिकायत पर कार्रवाई करते हुए, माधापुर पुलिस ने कई निजी टैंकर ऑपरेटरों के खिलाफ मामला दर्ज किया, जो कथित तौर पर अनधिकृत बोरवेल से पानी निकाल रहे थे और इसे स्वच्छ पेयजल के बहाने बेच रहे थे।हाइड्रा ने खुलासा किया कि दूषित पानी को छात्रावासों, आवासीय घरों और यहां तक कि छात्रों और गर्भवती महिलाओं जैसी कमजोर आबादी को यह झूठा दावा करके बेचा जा रहा था कि यह पीने योग्य है।

SHRI GUJARATI PRAGATI SAMAJ

4-3-259, Giriraj Lane, Koti, Bank Street, Hyderabad-500 095 (TG)
Ph: 040-24754657, 24758704 | E-mail : pragatisamaj@yahoo.co.in

NOTICE

ANNUAL GENERAL BODY MEETING

The Annual General Body Meeting of Shri Gujarati Pragati Samaj shall be held on **Sunday, 20th July 2025** at Pragati Mahavidyalaya, Hanuman Tekdi, Hyderabad, from 10:30 am onwards to transact the following Agenda.

AGENDA

1. To confirm the minutes of the last General Body Meeting held on 11/08/2024.
2. To adopt the Secretary's Report for the year 2024-25.
3. To adopt the Audited Accounts of Samaj and its subsidiaries for the financial year 2024-25.
4. To appoint the Auditors for the financial year 2025-26 and to fix the remuneration.
5. To conduct elections for the year 2025-2027 to elect 17 Working Committee Members and 8 Trustees as per Bye-Laws (Members may please contact Samaj Office for Election Rules, Regulations and Election Process)
6. Any other matter with the permission of the chair.

Sd/-
Secretary : Shri Gujarati Pragati Samaj
28-06-2025

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.